RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2013-2016
Despatch Date - 02 September, 2016

अंक - 3 (मासिक) वर्ष - 12 सितम्बर, 2016 मूल्य 30/-

अपनों के लिए-अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

सेवा के लिये 'सेवा सदन' में जंग

रक्तदान के महादानी अरविंद आगार

पितृों के आशीर्वाद का महापर्व श्राद्ध

16 सितम्बर से 30 सितम्बर 2016

समाज ने मनाई सत्तु तीज

प्रति मंगलवार

SMT NEWS

WhatsApp Video Bulletin

FREE REGISTRATION AT
www.srimaheshwarimelapak.com

श्री माहेश्वरी मेलापक-8
प्रकाशन को तैयार
प्रविष्ठियों के लिए अन्तिम अवसर

Best Hotels To Host Weddings !
Book Only With KTS !!!

kabra travel services private limited
Rely on us..

Best Rates Guaranteed ! Call Now: Kailash Kabra: 09619480777 • 09821124873 • kabra@kabrabalaji.com

Jaipur : 09015188888 • jaipur@kabrabalaji.com • Pune : 09619380777 • pune@kabrabalaji.com

635, Ijmima Complex, Behind Goregaon Sports Club, Link Road, Malad (W), Mumbai-64. T.: 022 - 42141313

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

RNI-MPHIN/2005/14721

अंक-3 ▸▸ सितम्बर, 2016 ▸▸ वर्ष-12

प्रेरणास्रोत
स्व. श्री बंशीलाल बाहेती
स्व. श्री मदनलाल पलौड़

♦

प्रबंध सम्पादक एवं निदेशक
श्रीमती सरिता बाहेती

♦

सम्पादक
पुष्कर बाहेती

♦

संरक्षक
पद्मश्री बंशीलाल राठी (चैन्नई)
श्री नेमीचन्द तोषनीवाल (कोलकाता)
श्री बनवारीलाल जाजू (इन्दौर)

♦

अतिथि सम्पादक
जयकिशन माहेश्वरी (जलपाईगुड़ी, प.बं.)

♦

परामर्शदाता
दिनेश माहेश्वरी (भूतड़ा) मुम्बई/इन्दौर
घनश्याम करनानी (कोलकाता)

♦

कला निदेशक
अक्षय आमेरिया

♦

विधि सलाहकार
राजेन्द्र ईनाणी, एडव्होकेट (बागली)

♦

सम्पादकीय सलाहकार
गोविन्द मालू (इन्दौर)
बाबूलाल जाजू (भीलवाड़ा)
बंशीलाल भूतड़ा 'किरण' (इन्दौर)

कार्यालय-
90, विद्या नगर (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे),
साँवेर रोड, उज्जैन-456010 (म.प्र.)
Phone : 0734-2526561, 2526761
Mobile : 094250-91161
e-mail : smt4news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती सरिता बाहेती द्वारा ऋषि ऑफसेट, श्री माहेश्वरी भवन, गोलामण्डी, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

▸ श्री माहेश्वरी टाईम्स में प्रकाशित सभी लेखों के विचारों पर सम्पादक/प्रकाशक की सहमति हो, यह आवश्यक नहीं है।
▸ सभी प्रसंगों का न्यायक्षेत्र उज्जैन (म.प्र.) होगा।

Sri Maheshwari Times
■ **PNB A/c. No. : 0459002100043471**
IFSC- PUNB0045900
■ **ICICI A/c. No. : 030005001198**
IFSC- ICIC0000300

Tariff of Membership
Rs. 800/- for Three years
Rs. 3100/- for Life Time (12 Years)

विचार-क्रान्ति

सुबह जंगल में घूमते-घूमते मैंने देखा कि एक पक्षी का पंख अनायास जंगल में आ गिरा, थोड़ी देर पहले इस पंख को यह 'गरूर' था कि यह पक्षी को आसमान में उड़ा रहा है। वह ऊचाइयों पर था, लेकिन अल्प समय में उसका अहम्-भाव खंडित हो गया, जब वह जमीन पर आ गिरा। जमीन पर उसका स्वागत पुष्पों ने किया और उससे कहा कि दोस्त, आसमान की ऊंचाइयों में उड़ा जा सकता है, पर रहा नहीं जा सकता, क्योंकि वहां कोई ठहर नहीं पाता है। कोई कितनी भी ऊंचाइयों पर चला जाए, अंततः उसे आना जमीन पर ही पड़ता है।

- प्रो. शैलेन्द्र पाराशर

चुनावी बेला में समाज

समाज एक बार फिर चुनाव रंग में रंगने जा रहा है। एक तरफ सेवा सदन के चुनाव की जंग छिड़ चुकी है, तो दूसरी तरफ अ.भा. माहेश्वरी महासभा के चुनाव का बिगुल भी बज चुका है। ऐसे में आने वाले दिन चुनावी चर्चाओं और गतिविधियों की बात के होने वाले हैं। ऐसे में हमें अपने मनमस्तिष्क को बहुत सावधान और फैसले के लिए तैयार करना होगा। हमारा फैसला संस्था का भविष्य तय करेगा।

इस मुद्दे पर हम पहले भी बात कर चुके हैं, लेकिन विषय इतना विस्तृत है कि पर चर्चा इस पर की जाने वाली चर्चाओं को दायरे में नहीं बांध सकते। इसलिए एक बार फिर इस पर बात बेमानी नहीं है। वस्तुतः बात करने का यही मौका है। सेवा सदन के चुनाव इसलिए महत्वपूर्ण हैं कि अध्यक्ष पद के दावेदारों पर मंथन करने की ज्यादा जरूरत है। मौजूद अध्यक्ष श्यामसुंदर बिड़ला के बड़े भाई जुगल किशोर बिड़ला की दावेदारी परिवारवाद का आक्षेप देकर एक झटके में खारिज की जा सकती है। लेकिन ऐसा इसलिए भी नहीं किया जा सकता कि उनकी भी समाज में एक अलग कूवत है, प्रतिष्ठा है, सम्मान है। समाजसेवी के रूप में उन्होंने समाज को जो कुछ दिया है, वह उनकी व्यक्तिगत निष्ठा है। समाज उन्हें ही प्रणाम करता है, जो समाज के लिए समर्पित रहते हैं, सेवा सदन अध्यक्ष पद के दूसरे प्रबल दावेदार कमल किशोर चांडक खास तौर से चर्चा में इसलिए हैं कि उनको लेकर कई मुद्दों पर बात की जा सकती है। लेकिन मुख्य विषय तो सेवा सदन की नेतृत्व क्षमता है, जिसमें चांडक बाजी मारने की स्थिति में हैं। उनमें यह माद्दा है कि संस्था को प्रशासनिक दक्षता से संभाल सकें। इसके लिए बिड़ला कितने मुफीद हैं, यह हमें कहने की जरूरत इसलिये कि समाज को भी कुछ फैसले करना चाहिए।

चुनावों पर बात हो रही है और अ.भा. माहेश्वरी महासभा के चुनाव का ऐलान भी बड़ा मामला है। इस कड़ी में सभापति और महामंत्री के पत्रों की चर्चा समाज में तेजी से फैल रही है। पत्रों के मायने संगठन के कार्यकर्ताओं तक ही रहें, तो बेहतर है। हमें तो चर्चा 2 सितंबर को चेन्नई में होने वाली बैठक पर करनी चाहिए। यानी बिना चुनाव अध्यक्ष का मनोनयन। प्रत्यक्ष चुनावों के दुष्परिणाम देखते समाज गंभीर है कि हमें चुनावी रणनीति से अलग होना पड़ेगा। अन्यथा इसके बिगड़ते नतीजे संगठन को ही नेस्तानाबूत करने पर आमदा हो सकते हैं। सर्वसम्मति में एक दूसरे के प्रति सम्मान का भाव हमारी सबसे बड़ी पूंजी है। यह पूंजी लाखों चुनावों पर भारी है। इस बैठक में शामिल होने वाले हमारे समाजसेवियों से अपेक्षा है, वे समाज के लिए अच्छा संदेश लेकर ही आएंगे।

इस अंक में भी हमने आपके लिए वह सब समेटने का प्रयास किया है, जो आप जानना चाहते हैं, आपके ज्ञानवर्द्धन के लिए जरूरी है। एक खास परिचय अरविंदकुमार आगाल का भी आपसे करा रहे हैं। खास इसलिए कि वे विश्व में सबसे ज्यादा बार रक्तदान करने वाले व्यक्ति हैं, जिनका जिक्र गिनीज बुक में भी हो रहा है। आपको यह जानकर प्रसन्नता होगी कि 'श्री माहेश्वरी टाईम्स' समाज गतिविधियों को आमजन तक पहुँचाने के लिए मोबाइल व्हॉट्स-एप. पर समाचार बुलेटिन SMT-NEWS भी प्रारम्भ कर रही है। स्थायी स्तंभ और अन्य पठनीय सामग्री भी आपको पसंद आएगी।

जय महेश !

पुष्कर बाहेती
सम्पादक

सचेत होकर करें सही नेतृत्व का चयन

अक्टूबर 1946 में जलपाईगुड़ी (पश्चिम बंगाल) में श्री भगवानदास माहेश्वरी (बिहाणी) के यहां जन्में मालदा पश्चिमबंगाल निवासी श्री जयकिशन माहेश्वरी व्यावसायिक रूप से तो सिविल इंजीनियर हैं, लेकिन आपकी समाज व अन्य सेवा संस्थाओं में पहचान एक चिंतनशील व समर्पित समाजसेवी के रूप में अधिक है। समाज संगठन से आप दीर्घकाल से संबद्ध रहते हुए अपनी सक्रिय सेवा दे रहे हैं। आपका परिवार मूलरूप से बीकानेर का निवासी है। अपनी इस सेवा यात्रा में आप पश्चिम बंगाल प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के 25वें सत्र में प्रदेश मंत्री, 26 वें में प्रदेशाध्यक्ष, 28वें में इलेक्टेड प्रदेश अध्यक्ष रहे हैं। मालदा माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष के रूप में अभी भी अपनी सेवा दे रहे हैं। व्यावसायिक क्षेत्र में आप मालदा चेम्बर ऑफ कॉमर्स के वरिष्ठ उपाध्यक्ष रहे हैं। मालदा बिल्डर्स ऐसोसिएशन को अध्यक्ष तथा सेवा संस्था इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी को आजीवन सदस्य के रूप में सेवा दे रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय सेवा संस्था "लायंस क्लब्स इंटरनेशनल" के आप वर्ष 2000-2001 में डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रहे हैं। समर्पित व उत्कृष्ट सेवा के लिए आप लायंस इंटरनेशनल से बेस्ट डिस्ट्रिक्ट गवर्नर, इंटरनेशनल प्रेसीडेंशियल मेडल तथा लीडरशिप मेडल आदि कई अवार्डों से सम्मानित हो चुके हैं। आपकी समर्पित समाजसेवा का एक उदाहरण 24 हजार वर्गफीट में 5 करोड रुपए की लागत से मालदा में मात्र 16 माह में पूर्ण वातानुकूलित भव्य माहेश्वरी भवन का निर्माण भी है, जिसमें आपने महत्वपूर्ण योगदान दिया था।

अ.भा. माहेश्वरी महासभा समाज का शीर्ष संगठन ही नहीं है, बल्कि समाज का गौरव भी है। हमारे पूर्वजों ने इसका गठन गहन चिंतन के बाद समाज ही नहीं बल्कि राष्ट्र के हित को भी ध्यान में रखते हुए ही किया था। उनके प्रयासों से वास्तव में यह संगठन अपने उद्देश्यों में सफल हुआ। समाजहित में उसने कई सुधार किये और कई योजनाओं का संचालन किया। वहीं देश की राजनीति को भी समय-समय पर मार्गदर्शित किया। यही कारण है कि अ.भा. माहेश्वरी महासभा के योगदान देश के इतिहास के स्वर्णिम पृष्ठों में अंकित है।

लेकिन कुछ समय से महासभा अपने उद्देश्यों से दूर होती सी लग रही है। महासभा समाजहित में योजनाएँ तो कई बनाती है, लेकिन उनका लाभ आम समाजजन व हर अंचल तक समाजन रूप से पहुँच ही नहीं पा रहा है। न तो समाज की वैचारिक क्रांति समाज के निचले स्तर तक पहुंच पा रही है और न ही महासभा के उद्देश्य। योजनाएँ बन रही हैं लेकिन आम व्यक्ति तो ठीक पूर्वांचल जैसे कुछ विशेष अंचल भी इनके लाभ से लगभग दूर ही हैं। यदि महासभा और उसकी योजनाओं को आमजन तक समान रूप से पहुंचाना है, तो हमें इसके कारणों पर विचार करना होगा। इसके लिए आँचलिक नेतृत्व को भी अपनी जिम्मेदारी समझानी होगी।

इन परिस्थितियों के लिये वास्तव में जिम्मेदार मतदाता ही हैं। महासभा का विधान तो इतना अच्छा है कि लोकतांत्रिक तरीके से सही कार्यकर्ता का चयन किया जा सकता है, लेकिन ऐसा होता नहीं है। अधिकांश मतदाता प्रत्याशी के गुणों के आधार की बजाय किसी न किसी प्रभाव में आकर अपने मताधिकार व अपने कर्तव्य के प्रति न्याय नहीं करते, उसका नतीजा सम्पूर्ण समाज को भुगतना पड़ता है। मतदाता वास्तव में सही नेतृत्व के शिल्पकार हैं और यदि शिल्पकार ही भटक जाऐगा तो फिर नेतृत्व का भटकाव तो सुनिश्चित ही है। जरूरत सिर्फ महासभा के सभापति पद ही नहीं बल्कि हर स्तर पर सही निर्णय की है।

अब समय आ गया है कि हम समाजहित में सचेत होकर सही कार्यकर्ताओं का चयन करें ताकि अपने पूर्वजों के महान चिंतन से गठित महासभा के उद्देश्य सफल हो सकें। इसके लिये सबसे निचले स्तर के कार्यकर्ता को भी महत्व देना होगा। मतदाताओं का दायित्व है कि वे अपने कर्तव्यों को सही ढंग से निभाते हुए सही नेतृत्व का चयन करें, अन्यथा समाज उन्हें कभी माफ नहीं करेगा। महासभा को आमजन तक पहुंचाने के लिये आंचलिक व स्थानीय हर स्तर के कार्यकर्ताओं को जागरूक होकर समाज की योजनाओं को निम्नस्तर तक भी पहुंचाना होगा। आंचलिक कार्यकर्ता अपने प्रदेशों में कार्यकर्ता प्रशिक्षण-विचार गोष्ठी आदि का आयोजन कर महासभा की विभिन्न योजनाओं के बारे में कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करें, तभी हम एक प्रगतिशील समाज संगठन का गठन कर सकते हैं।

जयकिशन माहेश्वरी
अतिथि सम्पादक
Mo. 94340 95001 | e-mail : mda.jkplanet@gmail.com

श्री झीण माताजी

माहेश्वरी समाज की सोढानी खांप की कुल माता है। इसके अलावा सोमानी, जाजू, बजाज, काबरा, राठी, बिड़ला, तोषनीवाल, छापरवाल, तापड़िया, खांपें वाले भी इन्हें मानते हैं।

श्री झीणमाता का भव्य अति प्राचीन मन्दिर राजस्थान के सीकर जिले के 'झीणधाम' में स्थित हैं। श्री झीण माताजी दुर्गा की नौ देवियों में प्रथम जयन्ती देवी का अवतार हैं। यह मन्दिर कई हजार वर्ष पुराना है। झीण माताजी के सम्बन्ध में राजस्थान में लोकोख्यान प्रसिद्ध है कि यहाँ हर्ष और झीण ने कठोर तपस्या की थी। यह मंदिर केवल पूर्व दिशा में खुला हुआ है, बाकि तीनों दिशाओं में यह पर्वत शृंखलाओं से घिरा हुआ है। मंदिर में स्थित माता की प्रतिमा अष्ट भुजाओं वाली है और सामने घृत और तेल के दो अखण्ड दीपक कई हजार वर्षों से प्रज्जवलित हैं।

इस मंदिर का प्राचीन इतिहास है। इसके इतिहास के बारे में पुजारी कमलकुमार पाराशर ने बताया कि मुस्लिम बादशाह औरंगज़ेब सेना के साथ कई मंदिरों को खंडित करते हुए यहाँ भी इसी उद्देश्य से आया था परंतु माताजी के चमत्कार के कारण ऐसा कुछ कर नहीं पाया और भवनेश्वरी माताजी मंदिर के यहाँ पर स्थित मधुमक्खी के छत्ते के कारण आक्रमणकारी सेना को वापस जाने को मजबूर होना पड़ा। इस चमत्कार से औरंगज़ेब भी हतप्रभ रह गया। बाद में उसने यहाँ पर छत्र चढ़ाकर अखंड ज्योत जलाई जो आज भी जल रही है। इस मंदिर की विशेषता यह है कि यहाँ पर कभी ताले नहीं लगे हैं। मंदिर पर कई मुस्लिम परिवार भी आस्था रखते हैं तथा सेवा करने आते रहते हैं।

यहाँ पर कई धर्मशालाएँ हैं, जहाँ पर यात्रियों के लिए निःशुल्क सेवाएँ उपलब्ध रहती हैं। भोजन के लिए शुद्ध शाकाहारी ढाबा भी उपलब्ध है। मंदिर में पूर्व सूचना देने पर न्यूनतम दर पर भोजन व्यवस्था की जाती है तथा बर्तनों का किराया नहीं लिया जाता।

आरती व प्रसाद

जीणधाम में माँ जीण की आरती तीन समय होती है।

प्रथम आरती - मंगला आरती सुबह 4 बजे होती है, जिसमें माँ को सम्पूर्ण वाद्य यंत्रों द्वारा जगाया जाता है।

द्वितीय आरती - प्रातः 8 बजे मुख्य आरती के पश्चात् भात (चावल) प्रसाद लगाकर यात्रियों में बांटा जाता है। इस प्रसाद को ढाई किलो चावल, आधा किलो घी, आधा किलो चीनी के साथ झीण कुण्ड के अमृत समान जल से बनाया जाता है।

तृतीय आरती - सायं 7 बजे आरती पश्चात दुर्गा सप्तशती के मंत्रोच्चारण के पश्चात चावल का भोग लगाया जाता है। (आरती के समय में फेरबदल सूर्य उदय व अस्त होने के अनुसार किया जाता है)

मंदिर के बारे में पुजारी बताते हैं कि यहाँ पर पहले कभी बलि एवं मदिरा का भोग लगाया जाता था परंतु आजकल यह नहीं होता है।

मंदिर के पुजारी श्री कमलकुमारजी पाराशर, श्री पूरणमलजी पाराशर, श्री रामअवतारजी पाराशर, श्री मातादीनजी तथा श्री दिनेशजी हैं। वर्तमान में श्री कमलकुमारजी पाराशर पूजा-अर्चना कर रहे हैं। हर शरद पूर्णिमा को पुजारी बदल जाते हैं। यहाँ के मंदिर का दूरभाष नं.01576-227156 है।

कैसे पहुँचें

राजस्थान के सीकर जिले में वाया कोछोर (सीकर) से 30 किलोमीटर दक्षिण की ओर जयपुर हाईवे पर गौरियां जंक्शन से 15 किलोमीटर दूर अरावली गिरी में स्थित है। यहां तक पहुंचने के लिए सड़क मार्ग से जाना होता है। लेकिन रेलमार्ग से पहुंचने के लिए गौरियां रेल्वे स्टेशन उतरना होता है। रेल या वायु मार्ग द्वारा जयपुर पहुंच कर यहां से बस या स्वयं के निजी वाहन द्वारा झीणधाम पहुंचा जा सकता है।

10 करोड़ की लागत से निर्मित भव्य छात्रावास लोकार्पित

पद्मभूषण राजश्री बिरला ने किया सीतादेवी जयनारायन माहेश्वरी छात्रावास का शुभारंभ

इंदौर. इस शहर को स्मार्ट सिटी योजना में शामिल कर लिए जाने से यहां का महत्व दिनोंदिन बढ़ता जा रहा है। यह प्रसन्नता की बात है कि यहाँ अब ऐसा छात्रावास भी शुरू हो गया है, जहां रहकर छात्र श्रेष्ठ और सुविधाजनक वातावरण में अपनी उच्च शिक्षा पूरी कर परिवार, समाज और राष्ट्र के नाम को आगे बढ़ाएंगे।

उक्त विचार देश के प्रख्यात आदित्य बिड़ला समूह की चेयरपर्सन पद्मभूषण श्रीमती राजश्री बिरला ने रिंगरोड, मूसाखेड़ी चौराहे के पास श्री एबी माहेश्वरी एज्युकेशनल ट्रस्ट द्वारा निर्मित श्रीमती सीतादेवी जयनारायण जाजू माहेश्वरी छात्रावास के लोकार्पण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किए। राजस्थान के लोकायुक्त न्यायमूर्ति एस.एस. कोठारी, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के डिप्टी गवर्नर एस.एस. मूंदड़ा, भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्याम जाजू, विनोद अजमेरा, राजस्थान की जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी मंत्री किरण माहेश्वरी, अ.भा. माहेश्वरी महासभा के सभापति जोधराज लड्ढा, अभा माहेश्वरी महासभा के महामंत्री रामकुमार भूतड़ा, कोटा के सांसद ओमकृष्ण बिरला, हिमाचल प्रदेश के मुख्य सचिव श्रीकांत बाल्दी एवं अभा वैश्य महासम्मेलन के कार्यकारी अध्यक्ष रमेशचंद्र अग्रवाल विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

इस मौके पर श्रीमती बिरला एवं अन्य अतिथियों के साथ भवन निर्माण में सहयोग देने वाले ओमप्रकाश जाजू, प्रेमप्रकाश जाजू तथा अन्य सहयोगकर्ताओं को प्रशस्ति पत्र भेंटकर सम्मानित किया गया। अतिथियों को स्मृति-चिह्न रामेश्वर असावा, प्रख्यात उद्योगपति आनंद राठी (मुंबई), कल्याणसिंह मेहता, सुमन सारडा, लता मूंदड़ा, जगदीश जाजू, मुकेश कचोलिया, संदीप झंवर, बृजमोहन माहेश्वरी आदि ने भेंट किए।

सर्वप्रथम श्रीमती बिड़ला ने किया छात्रावास का अवलोकन

कार्यक्रम स्थल पर श्रीमती बिरला ने सबसे पहले पहुंचकर नवनिर्मित छात्रावास भवन का अवलोकन किया। इसमें 80 कमरों में 180 छात्रों के आवास की शानदार व्यवस्थाएं की गई हैं। ट्रस्ट के चेयरमैन रामअवतार जाजू एवं सचिव भरत सारडा तथा अन्य अतिथियों के साथ श्रीमती बिरला ने छात्रावास में बने आदित्य विक्रम बिरला सभागृह सहित मॉड्यूलर किचन, डायनिंग हॉल, ई-लायब्रेरी, मल्टी एक्टीविटी हॉल, कॉन्फ्रेंस हॉल, वॉर्डन निवास, मंदिर, कार्यालय आदि का अवलोकन भी किया। भवन अवलोकन के पश्चात कार्यक्रम स्थल पर ट्रस्ट सचिव भरत सारडा ने बताया भारत माता मंदिर हरिद्वार के महामंडलेश्वर स्वामी सत्यमित्रानंदजी एवं स्वामी गोविंददेव गिरि की प्रेरणा से भवन मात्र 15 माह में बनकर तैयार हुआ है। शहर में एक सर्वसुविधायुक्त छात्रावास भवन की कमी इस निर्माण से पूरी हो सकेगी। ट्रस्ट के चेयरपर्सन रामअवतार जाजू ने बताया कि देश के 160 समाजबंधुओं ने इस भवन के निर्माण में सहयोग प्रदान किया है। ट्रस्ट में करीब 60 सदस्य शामिल किए गए हैं।

by **Akshay Ameria**, Ujjain

युवक-युवती परिचय सम्मेल का आयोजन

नागपुर। संस्था "मारवाड़ी वेडींग" द्वारा "रिश्ता आपका, सहयोग हमारा" उद्देश्य से विवाह सहयोग केंद्र नागपुर के सहयोग से राजवाड़ा पैलेस होटल नागपुर में गत 15 अगस्त को माहेश्वरी समाज के प्रोफेशनल एवम उच्च शिक्षित युवक-युवती के परिचय सम्मेलन "माहेश्वरी मेट्रिमोनिअल मीट" का आयोजन आधुनिक तरीके से किया गया। इस आयोजन में 240 युवक-युवतियों ने उपस्थित रहकर 3 राउंड में परिचय दिया। इन सभी युवक-युवतियों व अभिभावकों के परस्पर विधिवत परिचय करवाने की व्यवस्था भी प्रथम बार की गई। संयोजक सत्यनारायण राठी, नितिन बियाणी, पूजा बियाणी, मुख्य अतिथि रमेश मंत्री अध्यक्ष, नागपुर नगर माहेश्वरी सभा एवं विशेष अतिथि शिवरतन गांधी अध्यक्ष नागपुर जिला माहेश्वरी सभा ने अपने विचार प्रकट किये। इस अवसर पर सचित्र रंगीन परिचय पुस्तिका का विमोचन भी किया गया। इसमें 350 से अधिक उच्चशिक्षित विवाह योग्य युवक-युवतियों का संकलन है। नंदलाल पनपालिया, अजय राठी, नितिन बियाणी, पूजा बियाणी, किरण राठी, दिशा राठी, लता राठी, एकता पनपालिया, संदीप पनपालिया, योगेश पनपालिया, अशोक चांडक, श्याम गांधी आदि ने अतिथियों का स्वागत किया।

पूर्वी राजस्थान प्रादेशिक सभा की बैठक सम्पन्न

बूंदी. पूर्वी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा की कार्यसमिति व कार्यकारी मंडल की एक दिवसीय बैठक कोटा के बसंत विहार स्थित माहेश्वरी भवन में प्रदेशाध्यक्ष बालकृष्ण बांगड़ की अध्यक्षता में आयोजित हुई। राष्ट्रीय कार्यकारी मंडल सदस्य संजय लाठी ने बताया कि बैठक में विगत तीन वर्षों का प्रतिवेदन प्रदेश मंत्री घनश्याम लाठी तथा आय-व्यय का ब्यौरा अर्थ मंत्री नरेंद्रनारायण मूंदड़ा ने प्रस्तुत किया। राष्ट्रीय कार्यसमिति समिति सदस्य नारायणस्वरूप कालानी ने महासभा द्वारा संचालित ट्रस्टों की योजना तथा जरूरतमंद व्यक्तियों को मिलने वाली सुविधाओं की विस्तार से जानकारी दी। कोटा माहेश्वरी समाज अध्यक्ष राजेशकृष्ण बिरला ने भी संबोधित किया। बूंदी जिलाध्यक्ष रेवती रमण बिरला, बारां जिलाध्यक्ष विष्णु साबू, झालावाड़ जिलाध्यक्ष मोहनलाल भरांडिया, पूर्वी प्रदेश महिला संगठन प्रदेशाध्यक्ष पुष्पा सोमानी ने अपने-अपने प्रतिवेदन प्रस्तुत किये। चारों जिलों के प्रतिनिधियों ने भी हिस्सा लिया। संचालन प्रदेश मंत्री घनश्याम लाठी ने किया। प्रदेश उपाध्यक्ष के.के. राठी, सुरेश सोमानी भी मंचासीन थे। आर.एस. चौधरी, सुरेश काबरा, महेश अजमेरा, सत्यप्रकाश लखोटिया, जगदीश जैथलिया, विजेंद्र माहेश्वरी, घनश्याम नकलक, सुनील जैथलिया, राजेंद्र माहेश्वरी, चतुर्भुज गुप्ता, जगदीश लड्ढा, कैलाश बहेड़िया, प्रमोद भंडारी, सोहन तोषनीवाल, संतोष तोषनीवाल, रमा सोनी, रामकल्याण मंत्री आदि बैठक में मौजूद थे।

जोधपुर बैठक में शामिल हुए छत्तीसगढ़ के सदस्य

भिलाई. पिछले दिनों सूर्यनगरी जोधपुर राजस्थान में अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक संपन्न हुई। इसमें छत्तीसगढ़प्रदेश सभा के अध्यक्ष राजेश राठी, राष्ट्रीय महिला संगठन की उपाध्यक्ष ज्योति राठी, राष्ट्रीय युवा संगठन संयुक्त मंत्री राकेश झँवर के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ प्रदेश से राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्यों मोहन राठी, चतुर्भुज राठी, महावीर काबरा दुर्ग, डॉ. एमएल राठी, डॉ. सतीश राठी, कमल राठी, नारायण राठी, सुरेश राठी, जगदीश झँवर रायपुर, सुरेंद्र चाँडक सुकमा, भीवराज तापड़िया जगदलपुर, नंदकिशोर राठी, सत्यनारायण राठी धमतरी, रामरतन मूंधड़ा भाटपारा, रामावतार बजाज कुनकुरी, डी.डी. भूतड़ा, चांदरतन मूंधड़ा बिलासपुर ने भाग लिया। छत्तीसगढ़ प्रदेश के सदस्यों ने नेपाल विराटनगर से नेपाल संसद सदस्य पवन सारडा से विशेष विचार-विमर्श कर वहां की सभा के कार्यों की जानकारी का आदान-प्रदान भी किया।

समाज पंचायत के चुनाव सम्पन्न

महू। स्थानीय श्री माहेश्वरी समाज पंचायत की साधारण सभा में वर्ष 2016-19 के लिए 5 पंचों का निर्वाचन सर्वानुमति से किया गया। जिसमें प्रथम ओमप्रकाश माहेश्वरी, द्वितीय शंकरलाल सोनी, तृतीय चंद्रप्रकाश लड्ढा, चतुर्थ नरोत्तम माहेश्वरी, पंचम दिनेश सोड़ानी को पंच निर्वाचित किया गया। उल्लेखनीय है कि महू नगर में श्री माहेश्वरी समाज में आज भी पंचायत प्रणाली लागू है।

समाज ऋण से मुक्ति के लिए लें सेवा का संकल्प

उज्जैन जिला माहेश्वरी सभा के शपथ ग्रहण समारोह में पूर्व महामंत्री सोनी का आह्वान
जिला सभा करेगी समाज की सम्पत्ति को सूचीबद्ध करने की शुरुआत

उज्जैन. जिला माहेश्वरी सभा के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह गत 28 अगस्त को बड़नगर में सम्पन्न हुआ। इसमें अतिथि सहित समस्त पदाधिकारियों ने समाज के दुर्बल परिवारों के उत्थान पर बल दिया।

बहुप्रतीक्षित उज्जैन जिला माहेश्वरी सभा के शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन बड़नगर तहसील माहेश्वरी सभा के आतिथ्य में बड़नगर की शांति वाटिका नयापुरा में सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में अ.भा. माहेश्वरी महासभा के पूर्व महामंत्री श्याम सोनी, विशेष अतिथि के रूप में अ.भा. माहेश्वरी महासभा के संयुक्त मंत्री वैद्य रमेशचंद्र माहेश्वरी, आदित्य बिड़ला समूह के पूर्व डायरेक्टर डॉ. प्रकाश माहेश्वरी व मप्र हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति बी.डी. राठी उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मप्र पश्चिमांचल माहेश्वरी सभा के प्रदेशाध्यक्ष महेश तोतला ने की।

समाज के उत्थान की ली शपथ

उपस्थित अतिथियों का स्वागत नवनिर्वाचित अध्यक्ष डॉ. वासुदेव काबरा, संयोजक गोविन्द मोहता सहित सभी पदाधिकारियों ने किया। महेश वंदना की प्रस्तुति नन्हीं-सी बालिका सौम्या अजमेरा तथा स्वागत गीत रिंकू काबरा व रुचि बल्दवा द्वारा प्रस्तुत किये गए। स्वागत भाषण निवर्तमान अध्यक्ष ओ.पी. तोतला ने दिया। न्यायमूर्ति बी.डी. राठी ने अध्यक्ष डॉ. काबरा सहित उनकी कार्यकारिणी के समस्त पदाधिकारियों महामंत्री गोपाल मोहता, उपाध्यक्ष बद्रीलाल नुवाल, श्यामसुंदर भूतड़ा, सुरेश काकाणी व दिनेश लड्ढा, संगठन मंत्री सपन लड्ढा, ओमप्रकाश बाहेती, गिरीशकुमार भट्टड़, जगदीशचंद्र भूतड़ा, कोषाध्यक्ष कैलाश तोषणीवाल आदि को पद की शपथ दिलाई। इसी अवसर पर मुख्य चुनाव अधिकारी राजकुमार झँवर एवं सहयोगी दिनेश डाड व पीयूष राठी ने सभी पदाधिकारियों को निर्वाचन प्रमाण-पत्र प्रदान किए।

दुर्बल परिवारों की सेवा का लें संकल्प

इस अवसर पर संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि महासभा के पूर्व महामंत्री श्याम सोनी ने सभी का समाज के ऋण से मुक्त होने लिये समाज के दुर्बल परिवारों की मदद के लिए संकल्पित होने का आह्वान किया। श्री सोनी ने कहा कि यह हमारा सामाजिक कर्तव्य है। समाज की भावी पीढ़ी के विकास पर विचार व्यक्त करते हुए श्री सोनी ने कहा कि पूर्व में महासभा सिर्फ समाज सुधार तक ही सीमित थी, लेकिन इसकी दशा और दिशा में परिवर्तन हुआ है। अब शिक्षा के क्षेत्र में विकास भी मुख्य लक्ष्य है। उन्होंने महिलाओं से अपील की कि वे कुछ गहने व दो साड़ी कम ले लें, लेकिन भावी पीढ़ी को अच्छे संस्कार व अच्छी शिक्षा अवश्य दिलाएँ। इसी अवसर पर समस्त अतिथियों ने भी अपने प्रेरक उद्‌बोधन दिए।

भारी संख्या में समाजजनों की उपस्थिति

इस अवसर पर प्रदेश सभा के मानद मंत्री राजेंद्र इनानी, पुष्प माहेश्वरी, बंशीलाल भूतड़ा 'किरण', रूपनारायण झँवर, निवर्तमान सचिव अजय मूंदड़ा, ओमप्रकाश बियाणी, रामरतन लड्ढा, कान्तिलाल राठी, श्री माहेश्वरी टाईम्स के संपादक पुष्कर बाहेती, नवल माहेश्वरी, कैलाश डागा, नरेंद्र राठी, राधेश्याम गगरानी, राधेश्याम नवाल, सुभाष सोमानी, सतीश मूँदड़ा, मनोज राठी, आनन्द गगरानी सहित समाज के कई गणमान्यजन मौजूद थे। बड़नगर की कई संस्थाओं व जनप्रतिनिधियों ने भी अतिथियों का स्वागत किया। सिंहस्थ में महाकुंभ में उल्लेखनीय सेवाओं के लिए डॉ. रवींद्र राठी का अतिथियों द्वारा सम्मान किया गया। इस अवसर पर नवनिर्वाचित अध्यक्ष डॉ. काबरा ने समाज की सम्पत्ति को सूचीबद्ध करने की शुरुआत करने की घोषणा की। आभार कार्यक्रम संयोजक गोविंद मोहता ने माना। अंत में सभी अतिथियों तथा गणमान्यजनों द्वारा नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष डॉ. काबरा के नेतृत्व में चलाई जा रही प्रदेश की सर्वश्रेष्ठ गौशाला तथा निर्माणाधीन "माहेश्वरी भवन" का अवलोकन भी किया गया।

प्रेम विवाह करने वाली युवती पर पति का जानलेवा हमला

आरोपी पति रोहित

भीलवाड़ा. लगभग 12 वर्ष पूर्व प्रेम विवाह करने वाली एक माहेश्वरी युवती को उसके पति ने ही चाकू मारकर गंभीर रूप से घायल कर प्यार का तोहफा दिया। प्राप्त जानकारी अनुसार आरके कॉलोनी में रहने वाली 32 वर्षीय मिनल मंत्री सवेरे घर से डीपीएस स्कूल जाने के लिए निकली। वह विद्यालय के बाहर पहुंची ही थी कि पति रोहित टेलर ने उस पर चाकू से ताबड़तोड़ वार कर दिये। इससे मिनल लहूलूहान होकर वहीं गिर पड़ी। आरोपी पति मौके से फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और महिला को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। बताया जा रहा है कि मिनल ने वर्ष 2005 में रोहित के साथ प्रेम विवाह किया था, लेकिन दो सालों से दोनों में अनबन होने के कारण अलग ही रह रहे थे। मिनल अपने पिता के पास बी सेक्टर आर के कॉलोनी में रह रही थी। बताया जा रहा है कि मिनल की एक 7-8 साल की बच्ची भी है जो अभी रोहित के पास ही है। वहीं दंपत्ति का तलाक के लिए न्यायालय में प्रकरण भी विचाराधीन है।

"वृक्ष के नीचे पानी डालने से सबसे ऊँचे पत्ते पर भी पानी पहुँच जाता है उसी प्रकार प्रेमपूर्वक किये गये कर्म परमात्मा तक पहुँच जाते हैं। सेवा सभी की करिये मगर आशा किसी से भी ना रखिए क्योंकि सेवा का सही मूल्य भगवान् ही दे सकते हैं इंसान नहीं।"

पिकनिक फैमिली फन डे का हुआ आयोजन

अहमदाबाद. स्थानीय माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा गत 7 अगस्त को सन सॉलेस, साणंद नलसारोवर रोड पर अपने सदस्यों के लिए फुल डे पिकनिक का आयोजन किया गया। सावन के महीने में गोठ का मजा लेने के लिए करीब 600 सदस्य इसमें शामिल हुए। सभी सदस्यों ने दिनभर पुल पार्टी, इनडोर गेम्स, फुटबॉल, झूले एवं बच्चों की अन्य राइड्स और तंबोला का आनंद लिया। कार्यक्रम में सुबह का नाश्ता, दोपहर में स्वरुचि भोज एवं शाम को दोस्ती तंबोला के बाद हाई-टी का आयोजन किया गया था। सदस्यों के लिए शाही बाग एवं मणिनगर से बस की भी व्यवस्था की गई थी। अध्यक्ष नितिन मूंदड़ा और मंत्री कौशल थिरानी ने कार्यक्रम संयोजक ओम मणियार, अनुज सिकची, आशीष थिरानी, मनीष चांडक, मनोज करनानी, शीतल समदानी का सफल आयोजन के लिए आभार व्यक्त किया।

हरियाली से खुशहाली का प्रयास

रतलाम. चिंताहरण हनुमान मंदिर (माहेश्वरी परिसर) रामबाग में अ.भा. मारवाड़ी महिला संगठन, माहेश्वरी महिला संगठन तथा जिला माहेश्वरी महिला संगठन के संयुक्त तत्वावधान में पौधारोपण का आयोजन हुआ। मारवाड़ी संगठन की अध्यक्ष सुलोचना लड्ढा, सचिव-शारदा मूंदड़ा, जिला संगठन अध्यक्ष चंदा भंसाली, सचिव मधु सोमानी, शहर अध्यक्ष राजा राठी, सचिव शशि मालपानी, संरक्षक रुक्मणि देवी मंत्री, पुष्पादेवी पुजारी, पूर्व जिलाध्यक्ष कृष्णा देवी मंडोवरा, पूर्व अध्यक्ष पुष्पा असावा, चंदा राठी आदि भी इस अवसर पर उपस्थित रहीं। मुख्य अतिथि के रूप में माहेश्वरी जिला सभा अध्यक्ष प्रहलाद मंडोवरा, माधव काकाणी, डॉ. बी.एल.तापड़िया, पूनम भंसाली, दिनेश लड्ढा, अनिल मूंदड़ा, नरेंद्र बाहेती आदि मौजूद थे।

वरिष्ठ समाजसेवी गट्टानी ने लौटाए 50 हजार रुपए

उदयपुर. गत 21 जुलाई को टाउन हॉल में आयोजित कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर में पंजीयन काउंटर के पास वरिष्ठ समाजसेवी व भाजपा पेंशनर प्रकोष्ठ अध्यक्ष मुरलीधर गट्टानी को 50 हजार रुपए जमीन पर गिरे हुए मिले। श्री गट्टानी ने संबंधित व्यक्ति की छानबीन कर उन्हें ये रुपए लौटा दिये। इसके लिये राजस्थान के समाज कल्याण मंत्री अरुण चतुर्वेदी ने मंच पर आमंत्रित कर श्री गट्टानी का सम्मान किया।

महेश भवन का लोकार्पण

सांगानेर. श्री माहेश्वरी सेवा संस्थान सांगानेर (भीलवाड़ा) के नवनिर्मित भवन श्री महेश भवन की प्रथम मंजिल का लोकार्पण समारोह गत 2 अगस्त को सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि रामपाल सोनी पूर्व सभापति अ.भा.मा. महासभा थे। विशेष अतिथि

के रूप में देवकरण गग्गड़ पूर्व कार्यलय मंत्री अ.भा. माहेश्वरी महासभा, राधेश्याम सोमानी प्रदेश अध्यक्ष पश्चिमी राजस्थान, कृष्णगोपाल जाखेटिया मंत्री जिला सभा भीलवाड़ा, कैलाशचंद्र कोठारी अध्यक्ष नगर माहेश्वरी सभा भीलवाड़ा, राधेश्याम चेचाणी अध्यक्ष श्री महेश सेवा समिति भीलवाड़ा, गोरधनलाल डाड अध्यक्ष माहेश्वरी समाज सांगानेर व ममता मोदानी भी मौजूद थीं। कार्यक्रम के पूर्व में अतिथियों द्वारा पौधारोपण भी किया गया। स्वागत उद्बोधन नगर माहेश्वरी सभा अध्यक्ष कैलाश कोठारी ने दिया। भवन की जानकारी मंत्री महेश चंद्र आगाल ने दी। इस अवसर पर तन, मन, धन से इस भवन को तैयार करने में लगे गोरधनलाल डाड व कैलाशचंद्र माहेश्वरी का सम्मान किया गया।

श्री माहेश्वरी महिला मंडल की कार्यकारिणी गठित

बूंदी. श्री माहेश्वरी महिला मंडल की नवगठित कार्य-कारिणी का शपथ ग्रहण समारोह चूड़ी बाजार स्थित माहेश्वरी पंचायत भवन में

सम्पन्न हुआ। मंडल सचिव सोनल मूंदड़ा ने बताया कि समारोह की मुख्य अतिथि महिला संगठन की जिलाध्यक्ष कविता जाजू ने नवगठित कार्यकारिणी को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। कार्यकारिणी में मधु हल्दिया, पुष्पा बिड़ला को उपाध्यक्ष, नीलम थेबड़िया, गरिमा बहेड़िया एवं शिल्पा सोमानी को सहसचिव, निर्मला काबरा को कोषाध्यक्ष, शारदा मंत्री, संगीता मूंदड़ा, मधु बहेड़िया को संगठन मंत्री बनाया गया है। परामर्श एवं संरक्षक समिति में मंडल की पूर्व अध्यक्ष माया मूंदड़ा, सरोज बिड़ला, उर्मिला नुवाल, मीनाक्षी काबरा, संतोष दाखेड़ा, रेणु बहेड़िया, मंजू मोदी व राधा मूंदड़ा को शामिल किया गया है।

खेड़ा सभा के चुनाव संपन्न

खेड़ा (गुजरात). गत 7 अगस्त को कपड़वंज में चौइथराम शारदा की अध्यक्षता में खेड़ा जिला माहेश्वरी सभा के चुनाव निर्विरोध हुए। इसमें अध्यक्ष कालूराम हेड़ा नडियाद, उपाध्यक्ष जानकीलाल तोषनीवाल नडियाद एवं वासुदेवजी करवा कपड़वंज, मंत्री गणपत लाहोटी कपड़वंज, सहमंत्री आनंदीलाल हेड़ा नडियाद, संगठन मंत्री कृष्णगोपाल भराड़िया नडियाद, सहमंत्री आनंदीलाल सोमानी कपड़वंज, कोषाध्यक्ष इंदरजीत कठलाल आदि चुने गए। इसके साथ कार्यकारिणी भी गठित की गई।

5 वर्ष में दिया 93 प्रतिशत लाभांश

इंदौर. श्री माहेश्वरी सहकारी पेढ़ी मर्यादित, इंदौर की 56वीं वार्षिक साधारण सभा गत दिनों हुई। इसमें संस्था अध्यक्ष ईश्वर बाहेती ने 22 प्रतिशत लाभांश की घोषणा की। संस्था द्वारा 5 वर्षों में लगातार 15, 16, 20, 20, 22 प्रतिशत कुल 93 प्रतिशत लाभांश दिया गया है। यह संस्था की प्रगति का सूचक है। संस्था

द्वारा रुपए 100000 जमानती कर्ज दिया जाता है, तथा 700000 तक कार लोन दिया जाता है। संस्था को गत कई वर्षों से 'अ' श्रेणी प्राप्त हो रही है। आलोच्य वर्ष में 19 सदस्यों के परिवार को सदस्य परिवार की राशि प्रदान की गई है। संचालन लक्ष्मण मुछाल ने किया। आभार प्रदर्शन प्रो. सुरेशचंद्र मूंदडा ने माना।

छोटी तीज का हुआ उद्यापन

चेन्नई. श्री माहेश्वरी महिला मंडल ने छोटी तीज का उद्यापन गत 5 अगस्त को श्री पुसाराम चंपालाल मूंदड़ा माहेश्वरी भवन में किया। इसमें सात बहनों का उद्यापन करवाया। ये हैं सुदर्शन मायाना, रति चांडक, दीप्ति चांडक, प्रिया चांडक, अनीता शारदा, दीपिका सारडा व श्रीमती दुजारी। संयोजिका दीपिका भइया एवं शिल्पा सादानी थीं।

> आत्मविश्वास आपका सर्वश्रेष्ठ सहायक है हर जगह इसे साथ रखें हो सकता है यह आपको पूर्ण सफलता न दिलाये लेकिन यह चुनौतियों का सामना करने की शक्ति अवश्य देगा।

हिरण की हत्या की रिपोर्ट दर्ज

भीलवाड़ा. संस्था पीपुल फॉर एनीमल्स के प्रदेश प्रभारी बाबूलाल जाजू ने डूंगरगढ़ (बीकानेर) तथा गठीलासर पिनवासी में (नागौर) में हिरणों की हत्या की एफआईआर संबंधित जिले के पुलिस अधीक्षक को दर्ज करवाई है। श्री जाजू ने हत्यारों को शीघ्र गिरफ्तार कर कड़ी सजा दिलवाने की मांग की है।

युवा संगठन की कार्यकारिणी गठित

गंगापुर (भीलवाड़ा). माहेश्वरी युवा संगठन गंगापुर (भीलवाड़ा) की सत्र 2016-17 की कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से निर्वाचन किया गया। संरक्षक संदीप बाल्दी के प्रस्ताव पर अध्यक्ष राजू समदानी, उपाध्यक्ष अभिषेक सोमानी, सचिव दामोदर लड्ढा, कोषाध्यक्ष राकेश जागेटिया, सांस्कृतिक सचिव शुभम बहेड़िया, चिकित्सा सचिव चिराग जागेटिया व मीडिया प्रभारी संजय समदानी चुने गए।

समाजजनों ने मनाया महेशोत्सव

गढ़चिरोली. जिला माहेश्वरी संगठन ने माहेश्वरी सेवा समिति के तत्वावधान में महेशोत्सव का आयोजन किया। इसके तहत खेलकूद, सामान्य ज्ञान और महिलाओं के लिए स्पर्धाएँ आयोजित की गईं। प्रमुख मार्गों से होकर शोभायात्रा निकाली गई। रक्तदान शिविर भी आयोजित हुआ। जिलाध्यक्ष रामेश्वर काबरा, सेवा समिति अध्यक्ष हेमंत राठी, सचिव सुनील बल्दवा, कोषाध्यक्ष गौरीशंकर परतानी एवं नवनिर्वाचित अध्यक्ष मुरलीधर भट्टड़ मंचासीन थे। महिला मंडल ने महेश वंदना की प्रस्तुत दी।

> “कभी कभी हम ‘बेहतरीन’ की तलाश में ‘बेहतर’ को भी खो देते हैं”

मुंबई में भी मनाया गया नीम महोत्सव

मुंबई. प्रगतिशील भारत के आधुनिक पर्व नीम महोत्सव की शुरुआत मुंबई के प्रवेश द्वार हरिओम नगर में मारवाड़ी महासभा ने की। मुंबई के सुप्रसिद्ध बिल्डर चेतन भाई पारेख का सम्मान किया गया। नगर सेवक नंदू भाई वैथी ने मारवाड़ी महासभा के नीम महोत्सव को अपनी पार्टी एनसीपी का हर तरीके से समर्थन देने का वादा किया। थाना महासभा अध्यक्ष ओमप्रकाश राठी के नेतृत्व में इस कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जोधपुर, बीकानेर, बाड़मेर, जैसलमेर की तरह यहाँ भी 1 लाख नीम लगाने का जन अभियान चल रहा है। बेटी बढ़ाओ अभियान की शुरुआत में आर्थिक सहयोग करने वाले चांदमल शारदा भी मौजूद थे। माहेश्वरी कन्या निधि में रुपये 500000 की फिक्स्ड डिपाजिट देने वाले रामस्वरूप डांगरा ने भी नीम का पौधा लगाया। मुंबई प्रगति मंडल के प्रमुख समाजसेवी स्व. श्री रामजी तापड़िया की स्मृति में उनकी उम्र से अधिक नीम लगाने का जो संकल्प महेश राठी केकड़ीवाल ने उनकी धर्मपत्नी सुमन तापड़िया के साथ लिया था, वह भी इस अवसर किया वो पूरा हो गया था।

जिला माहेश्वरी सभा के चुनाव सम्पन्न

महेंद्र डागा

रमेश भट्टड़

अनिल चाण्डक

आगरा. जिला माहेश्वरी सभा आगरा के पदाधिकारियों व कार्यकारिणी सदस्यों के चुनाव गत 7 अगस्त को माथुर वैश्य भवन में चुनाव अधिकारी योगेंद्र मूंधड़ा के निर्देशन व पश्चिमी उत्तरप्रदेश से पर्यवेक्षक राकेश मोहता अलीगढ़ तथा संतोष माहेश्वरी कासगंज के सान्निध्य में हुए। इसमें महेंद्र डागा अध्यक्ष, रमेश भट्टर मंत्री, अनिल चांडक कोषाध्यक्ष, हरिकिशन चांडक, अजय सावल व राजीव गाँधी उपाध्यक्ष, अनुज राठी, विजय काहल्या व संजय काहल्या सहमंत्री, संजय चांडक संगठन मंत्री, महेंद्र भुराड़िया प्रचार मंत्री, पवन गुप्ता सांस्कृतिक मंत्री, किशोर गाँधी भोजन व्यवस्था संयोजक तथा संदीप मालीवाल भ्रमण संयोजक चुने गए। मनोज दुजारी व संजीव माहेश्वरी कार्यकारी मंडल सदस्य अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा चुने गए।

महिला संगठन नडियाद ने मनाई सिल्वर जुबली

नडियाद. स्थानीय माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने पर सिल्वर जुबली का आयोजन गत 31 जुलाई को माहेश्वरी समाज सेवा केंद्र में किया गया। अध्यक्ष लाडदेवी हेड़ा व मंत्री मंजूदेवी मंडोवरा ने बताया कि इस अवसर पर अहमदाबाद माहेश्वरी समाज की रतनदेवी असावा व विभा बेन मुख्य अतिथि थीं। कार्यक्रम में लोकनृत्य, देशभक्ति गीत, बेटी बचाओ व समाज सुधार पर नाटक आदि कार्यक्रम रखे गये थे। इस कार्यक्रम में समाज की महिलाओं एवं कार्यकारिणी के सदस्यों ने पूर्ण सहयोग दिया।

परमात्मा का ध्यान करोगे तो वे आपका ध्यान रखेंगे

रामद्वारा में चातुर्मास प्रवचन में बोले जगतगुरु रामदयालजी महाराज, श्री माहेश्वरी टाईम्स के विशेषांक का भी किया विमोचन

भीलवाड़ा (शंकर सोनी). भक्ति का पथ बड़ा कठिन है। भगवान को दिल से याद करो, जीवन सफल हो जाएगा। परमात्मा का ध्यान करोगे तो वो जिंदगी भर आपका ध्यान रखेंगे। जीवन में संकल्प बल प्रबल होना चाहिए। राम को याद करोगे तो आबाद हो जाओगे, भूलोगे तो बर्बाद हो जाओगे।

उक्त उद्‌गार माणिक्य नगर स्थित रामद्वारा में चातुर्मास के प्रवचन के दौरान रामस्नेही सम्प्रदाय के प्रधान पीठाधीश्वर आचार्यश्री रामदयालजी महाराज ने व्यक्त की। आपने कहा कि जिन्होंने साधना की वो निखर गए, नहीं की वो बिखर गए। जिन्होंने श्रवण भक्ति का आश्रय लिया उनका कल्याण हुआ। श्रवण भक्ति नींव का पत्थर है। यह मजबूत है तो कीर्तन का फल जरूर मिलेगा। परमात्मा हर जगह है। व्यक्ति को काम में नहीं भजन में अति करनी चाहिए। धर्म के नाम पर धन का दिखावा नहीं वरन भजन करना चाहिए। अन्न के कण व संत के क्षण का सदुपयोग करना चाहिए। संत व प्रभु सेवा भाग्यशालियों को मिलती है। इससे पूर्व संत लक्ष्यरामजी ने आनंद रामायण के प्रसंग का वर्णन किया।

समिति सदस्य बद्रीनारायण लड्ढा ने बताया कि प्रवचन बाद भजन, दर्शन, आरती व प्रसाद वितरण होता है।

प्रवचन प्रातः 8.30 से 10.15 तक रामद्वारा में व रामधुनी प्रातः 5 से 6 व संध्या आरती शाम 6 से 7.30 बजे तक कुहाड़ा धाम में होती है।

रक्तदाताओं का किया सम्मान

माणिक्य नगर स्थित रामद्वारा में 14 अगस्त को रक्तदाता सम्मान समारोह आयोजित हुआ। आचार्यश्री रामदयालजी महाराज के सान्निध्य व रामस्नेही ब्लड एवं कम्पोनेंट बैंक के तत्वावधान में सुबह 9 बजे होने वाले इस आयोजन में रक्तदान करने वालों के साथ ही रक्तदान करवाने वाली संस्थाओं का सम्मान भी किया गया।

माहेश्वरी टाईम्स का किया विमोचन

प्रवचन के दौरान आचार्यश्री रामदयालजी ने 'श्री माहेश्वरी टाईम्स' के ''रामस्नेही सम्प्रदाय विशेषांक'' का विमोचन किया। विमोचन के बाद उन्होंने साहित्य का महत्व बताते हुए कहा कि संत व साहित्य के आधार पर व्यक्ति चले तो मंजिल प्राप्त कर सकता है। विमोचन के अवसर पर पर्यावरणविद् बाबूलाल जाजू, समाजसेवी व उद्योगपति नन्दलाल नराणीवाल, रामस्नेही सम्प्रदाय से जुड़े गोपाल काबरा, जगदीशप्रसाद सोमानी, अशोक अजमेरा, बद्रीनारायण लड्ढा, गणेश काबरा, रामप्रकाश काबरा, संजय विजयवर्गीय, नटवर विजयवर्गीय, रामसहाय विजयवर्गीय, नरेन्द्र विजयवर्गीय, गोपाल विजयवर्गीय, अरविन्द विजयवर्गीय, रमेश राठी, मुकेश काबरा, रामचन्द्र मूँदड़ा, रामनारायण लड्ढा, रामस्वरूप पलोड़, 'श्री माहेश्वरी टाईम्स' के प्रतिनिधि शंकर सोनी सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। समारोह का संचालन कृष्णा चित्तौड़ा ने किया।

रंगारंग सावन तीज उत्सव

चंद्रपुर. माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा 4 अगस्त को महेश भवन में तीज महोत्सव मनाया गया। शुरुआत गीत से हुई। कार्यक्रम में अनेक स्पर्धा का आयोजन किया गया। महिलाओं ने बड़े उत्साह से भाग लिया। महिला मंडल के सदस्यों ने विविध प्रांत के नृत्य भी प्रस्तुत किए। फायर फ्री कुकिंग स्पर्धा में पूजा जाजू, सुचित राठी, आरती काबरा को पुरस्कृत किया गया। ब्राइडल फैशन शो में रूपल तोषनीवाल, सिद्धि जाजू, रश्मि भट्टड़ को भी पुरस्कृत किया गया। सभी महिलाओं ने तीज उत्सव का आनंद लिया। माहेश्वरी महिला मंडल अध्यक्ष निर्मला जाजू, सचिव श्यामल जाजू व समस्त मंडल का योगदान रहा।

सत्तू तीज का किया गया आयोजन

चेन्नई. सत्तू तीज का आयोजन स्थानीय संगठन द्वारा किया गया। सविता माहेश्वरी, रितु दम्मानी एवं संगीता चांडक सहित समस्त महिला मंडल सदस्यों का सहयोग रहा। इस वर्ष महिला मंडल ने 2500 किलो के लगभग सत्तू तैयार किया। संयोजिका संतोष दम्मानी, सहसंयोजिका राखी मूंदड़ा, सूरजदेवी बाहेती, लीला कलंत्री एवं संध्या मोहता के पूर्ण सहयोग व निर्देशानुसार कार्य संपूर्ण हुआ।

परिन्दो !
हौंसला कायम उड़ान में रखना
हर एक निगाह तुझी पर है ध्यान में रखना
बुलन्दियाँ आजमायेंगी तेरी हिम्मत को
'परों में जान' और 'नजर आसमान' में रखना।

महिला संगठन ने आयोजित किया टैलेंट शो

अहमदाबाद. गुजरात प्रांतीय महिला संगठन द्वारा गत 6 अगस्त को भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य "गुजरात में छिपे हुनर को उनकी पहचान देना तथा प्रतिभाओं को प्रदर्शित होने का एक मौका प्रदान करना था। कार्यक्रम का उद्घाटन इंदौर से आईं अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशीला काबरा के कर कमलों द्वारा किया गया। विशेष अतिथि सूरत से आईं अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की भूतपूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष विमला साबू थीं। गु.प्रा.मा.म.सं. की अध्यक्ष उर्मिला कलंत्री ने अध्यक्षीय उद्बोधन में बताया कि सप्तम सत्र में 11 नये संगठनों के गठन के बाद गुजरात में अब कुल 27 संगठन सक्रिय रूप से कार्यरत हैं। इस टैलेंट शो की विशेषता यह थी कि इसमें हर प्रस्तुति द्वारा बेटी बचाओ, गाय बचाओ, संस्कृति बचाओ, जाग रही है नारी आदि संदेश दिये गये। इसमें भारतीय संस्कृति की कला कत्थक व भरतनाट्यम आदि की प्रस्तुति भी दी गई। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण गु.प्रा.मा.म.सं. के पदाधिकारियों द्वारा दी गई कव्वाली की प्रस्तुति थी। इसके जरिये प्रदेश ने इस सत्र में आयोजित किये अपने कार्यक्रमों को अतिसुंदर रूप से प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम में लॉफ्टर थैरेपी का एक अनोखा कार्यक्रम सीमा मोदानी अहमदाबाद द्वारा प्रस्तुत किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती काबरा के करकमलों द्वारा संगठन की स्मारिका "उड़ान की ओर" का विमोचन किया गया। कार्यक्रम का संचालन वीणा भूतड़ा ने किया। कोषाध्यक्ष उमा काबरा, संगठन मंत्री उषा सोमानी, उपाध्यक्ष वंदना तापड़िया, चंदा काबरा, प्रतिभा मौलासरिया, मंजू काबरा, सहसचिव तारा दम्मानी, कौशल्या लड्ढा, निर्मला हुरकट, इंद्रा साबू सहित समस्त पदाधिकारी व सदस्यों का इसमें योगदान रहा।

'नीम महोत्सव' कार्यक्रम में रोपे पौधे

बीकानेर. प्रगतिशील भारत का आधुनिक पर्व नीम महोत्सव जोधपुर, जैसलमेर, बाड़मेर, अजमेर, भीलवाड़ा, धौलपुर की तरह माहेश्वरियों के पुराने प्रमुख निवास बीकानेर में भी शुरू हो गया। महासभा के थाना जिला सभापति ओमप्रकाश राठी जब बीकानेर पहुंचे तो उन्होंने समाज के वरिष्ठों से मुलाकात की तथा राजस्थान में ढाई करोड़ नीम लगाने के प्रेरक पर्व की चर्चा की। नीम महोत्सव के प्रवर्तक महेश राठी केकड़ीवाल के प्रयास से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 5000 करोड़ की नीम कोटिंग यूरिया को कर मुक्त घोषित कर नीम महोत्सव को शक्ति दी है। देवकिशन तापड़िया, रमेशकुमार राठी, आशाराम तापड़िया, रामेश्वरलाल तापड़िया, सुखदेव राठी, मोहनलाल लड्ढा, किशनलाल चांडक, रतनलाल बिहानी, मूलचंद राठी, गोपालदास बिसवा, शशिकुमार बिहानी, शिवकुमार, राकेश राठी आदि ने नीम महोत्सव में उत्साह से भाग लिया। इस अवसर पर माहेश्वरी सेवक के संपादक स्वर्गीय श्री पुरुषोत्तम बियानी को श्रद्धांजलि देते हुए स्मृति में भी एक नीम का पौधा लगाया।

गढ़चिरोली कार्यकारिणी गठित

गढ़चिरोली. स्थानीय माहेश्वरी समाज की शहर की नवीन कार्यकारिणी जिलाध्यक्ष रामेश्वरलाल काबरा ने घोषित की। इसमें अध्यक्ष मुरलीधर भट्टड़, सचिव सत्यनारायण धूत व कोषाध्यक्ष नंदकिशोर सारडा चुने गए। इसके अलावा कार्यकारिणी सदस्य भी मनोनीत किए गए।

जिला सभा के चुनाव सम्पन्न

इटारसी. होशंगाबाद हरदा जिला माहेश्वरी सभा के चुनाव स्थानीय माहेश्वरी भवन में हुए। इसमें अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के सदस्य त्रिलोक जाजू पर्यवेक्षक एवं मुख्य चुनाव अधिकारी के रूप में अजय घुरका उपस्थित थे। इसमें अध्यक्ष बालकिशन टावरी, उपाध्यक्ष विजय सोमानी, प्रहलाद बंग, पीडी सारडा, विट्ठलदास तोषनीवाल, सचिव अमित बिसानी, सहसचिव सुशील गाँधी, कोषाध्यक्ष गोपाल माहेश्वरी, संगठन मंत्री डॉ. राजेश माहेश्वरी, सांस्कृतिक मंत्री जयकृष्ण चाँडक चुने गए।

जिला सभा के चुनाव सम्पन्न

गणपत लाहोटी

खेड़ा. डॉ. कैलाश राठी की अध्यक्षता में खेड़ा जिला माहेश्वरी सभा के चुनाव गत दिनों हुए। इसमें अध्यक्ष कालूराम हेड़ा, उपाध्यक्ष जानकीलाल तोषनीवाल, वासुदेव करवा, मंत्री गणपत लाहोटी, संगठन मंत्री कृष्णगोपाल भराडिया, सहमंत्री आनंदीलाल सोमानी, कोषाध्यक्ष इंदरजीत आदि चुने गये।

> "जीवन में ये ही दो नियम रखना
> मित्र सुख में हों तो आमंत्रण के सिवा जाना नहीं
> मित्र मुसीबत में हो तो आमंत्रण का इंतजार करना नहीं।"

शरद बागड़ी हुए पुरस्कृत

नागपुर. लायंस क्लब इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 323 जी 1 की सालाना अवॉर्ड नाइट का आयोजन नैवेघम हॉल अंबाझरी रोड पर किया गया। गत दिनों लायंस इंटरनेशनल का सात दिवसीय वीक आयोजित किया गया। इसके साथ स्वच्छता, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, वृद्ध, अंधत्व निवारण, रोड सुरक्षा थीम पर सालभर में समाजसेवा के रिकॉर्ड ब्रेक 4565 उपक्रम संपूर्ण विदर्भ के 77 क्लब में आयोजित हुए। प्रांतपाल विजय पालीवाल ने डिस्ट्रिक्ट एक्टीविटी चेयरमैन के साथ डिस्ट्रीक्ट सर्विस वीक कनवेनर शरद बागड़ी को भी अवॉर्ड से सम्मानित किया।

संगिनी मेले का हुआ आयोजन

सूरत. श्री माहेश्वरी महिला मंडल (मेन) की ओर से दो दिवसीय 'सावन संगिनी मेला 2016' का आयोजन 29 व 30 जुलाई को सिटी लाइट स्थित माहेश्वरी भवन में किया गया। इस मेले में सूरत के साथ अहमदाबाद, वडोदरा, मुंबई, जयपुर, लखनऊ, कोलकता आदि कई शहरों के विक्रेताओं ने भी स्टॉल लगाए। मेले में लगी 10 स्टॉल पर राखी, साड़ियाँ, ज्वेलरी, ड्रेस, कुर्ती, भगवान के वस्त्र, लेदर की वस्तुएँ एवं सजावट के विभिन्न तरह के सामान उपलब्ध थे। समारोह में गुजरात प्रांतीय अध्यक्ष मदनमोहन पेड़ीवाल, सूरत जिला माहेश्वरी सभा अध्यक्ष विनीत काबरा, श्री माहेश्वरी भवन समिति के अध्यक्ष रामकिशोर जाजू आदि मौजूद थे। मेले से अर्जित आय का उपयोग शिक्षा के क्षेत्र में किया जाएगा।

> कोशिश न कर
> सभी को खुश रखने की
> कुछ लोगों की
> नाराजगी भी जरूरी है
> चर्चा में बने रहने के लिए।

गोविन्द माहेश्वरी को साईं शक्ति सम्मान

बठिंडा. श्री साईं सेवा दल द्वारा किए जा रहे धार्मिक व सामाजिक कार्यों को देखते हुए शिर्डी साईं अर्पण कल्चरल सोसाइटी चंडीगढ़ द्वारा सेवा दल सचिव गोविंद माहेश्वरी को एक विशेष कार्यक्रम के दौरान साईं शक्ति सम्मान से नवाजा गया। इस कार्यक्रम में पंजाब भर की साईं संस्थाओं से प्रतिनिधि पहुंचे थे। मुख्य अतिथि महिंदर सिन्हा, मुख्य ट्रस्टी मुक्तिधाम वाराणसी, पब्लिशर एडिटर ऑफ साईं किरण एंड फाउंडर ऑफ मौर्या ऑफसेट मुंबई थे।

तीज महोत्सव का आयोजन

सूरत. माहेश्वरी महिला मंडल ने 7 अगस्त को जगदीश मंडप में तीज महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माहेश्वरी महिला मंडल अध्यक्ष मधु डांगरा, सचिव प्रगति माहेश्वरी, माहेश्वरी मित्र मंडल अध्यक्ष देवेंद्र भट्टर, सचिव नरेश जी, समाज के सभी अध्यक्ष व मंत्री ने दीप प्रज्जवलित कर किया। डॉ. गीत माहेश्वरी व डॉ. सुधा माहेश्वरी मुख्य अतिथि थीं। माहेश्वरी महिला मंडल ने स्वागत नृत्य की प्रस्तुति दी। कठपुतली डांस, लावनी डांस आदि किये गए। कार्यक्रम में अपने जीवन के 70 वर्ष पूरे कर चुके वरिष्ठजनों का अभिनंदन भी किया गया। कार्यक्रम में लड्डू प्रतियोगिता रखी गई। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण पधारो म्हारे देश था। अंत में तंबोला खेलाया गया।

महिला अधिकार एवं सुरक्षा पुस्तिका का विमोचन

नागपुर. अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की महिला अधिकार एवं महिला सुरक्षा समिति द्वारा पुष्कर में आयोजित कार्यसमिति बैठक के दौरान 'महिला अधिकार एवं सुरक्षा पुस्तिका'' का विमोचन राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशीला काबरा के हाथों करवाया। इस पुस्तिका में महिलाओं से संबंधित सभी अधिकारों की जानकारी देते हुए सुरक्षा से भी अवगत करवाया गया। इस 3 वर्षीय कार्यकाल में महिला अधिकार के कार्यों हेतु, महाराष्ट्र को प्रथम, छत्तीसगढ़ प्रदेश को द्वितीय, कोलकाता प्रदेश को तृतीय तथा विदर्भ प्रदेश को सात्वंना पुरस्कार प्रदान किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय पूर्व अध्यक्ष शोभा सादानी, मनोरमा लड्ढा, गीता मूंधड़ा, लता लाहोटी, कौशल्या गट्टानी, आशा माहेश्वरी, राज झँवर, रत्नीदेवी काबरा, ज्योति राठी, महासभा के पूर्व अध्यक्ष रामपाल सोनी सहित कई गणमान्यजन मौजूद थे।

सौहार्द्र क्रेडिट को-ऑपरेटिव लिमिटेड गठित

नंदकिशोर मालू

सुरेशकुमार लखोटिया

बैंगलुरु. दो वर्षों के अथक प्रयास से माहेश्वरी समाज द्वारा माहेश्वरी सौहार्द्र क्रेडिट को-ऑपरेटिव लिमिटेड की स्थापना की गई। गत 4 अगस्त को माहेश्वरी सौहार्द्र क्रेडिट को ऑपरेटिव लिमिटेड के शेयर होल्डर की जनरल बॉडी एवं पंचवर्षीय डायरेक्टर्स बोर्ड का गठन किया गया। इसमें सर्वसम्मति से नंदकिशोर मालू अध्यक्ष, सुरेशकुमार लखोटिया उपाध्यक्ष चुने गए। इनके साथ ही डायरेक्टर्स में ओमप्रकाश मंत्री, श्रीराम चांडक, चंद्रप्रकाश मालपानी, महेश रांदड़, विष्णुकांत जाजू, रमेशचंद्र लाहोटी, ओमप्रकाश लड्ढा तथा महिला डायरेक्टर के रूप में निर्मला काकाणी व सुलोचना जाजू को शामिल किया गया।

कौन बनेगा माहेश्वरी चैंपियन स्पर्धा सम्पन्न

अमरावती. माहेश्वरी पंचायत द्वारा महेश नवमी उत्सव पाँच दिनों तक मनाया गया था। इसमें कौन बनेगा माहेश्वरी चैंपियन स्पर्धा आयोजित की गई। कौन बनेगा करोड़पति की तरह अर्चना लाहोटी ने अपनी बुलंद आवाज में अमिताभ बच्चन की भूमिका निभाते हुए स्पर्धा का संचालन किया। इसमें एक्सपर्ट एडवाइस और फिफ्टी-फिफ्टी यह दो लाइफ लाइन रखी गई। इस स्पर्धा में विद्या नावंदर माहेश्वरी चैंपियन बनी। इनका पंचायत की ओर से 1100 रुपए नकद राशि देकर सत्कार किया गया। विद्या नावंदर, जगदीश कलंत्री, सचिव सुरेश साबू, अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला समाज संगठन की संयुक्त मंत्री पुष्पलता परतानी, अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला समाज की विवाह सहसंयोजिका सुशीला गांधी आदि मौजूद थीं।

गायन में राज्यस्तर पर विजेता बनीं मीनल

अमरावती. सिटी न्यूज की ओर से राज्यस्तरीय "सुरों की जंग कराओ के संग" स्पर्धा आयोजित की गई। इसमें अमरावती की गायिका मीनल शंकर लाहोटी विजेता रहीं। 250 गायकों के बीच 4 महीने तक यह स्पर्धा चली। इसमें अलग-अलग राउंड के पश्चात 12 स्पर्धी फिनाले के लिए चुने गए। इसमें संगीतकार राजस्थान के दिलीप सेन, गजल गायिका पूजा गायतोंडे व गायिका राधा मंगेशकर जज के रूप में उपस्थित थे। इस स्पर्धा में वोटिंग भी किया गया। इसमें मीनल को द्वितीय पुरस्कार में 51 हजार रुपए और ट्रॉफी प्रदान की गई। उल्लेखनीय है कि दसवीं कक्षा में भी मीनल ने 97.40 प्रतिशत अंक प्राप्त किये हैं।

जूड़ो कराते में भी माहेश्वरी अव्वल

भीलवाड़ा. गत 23-24 जुलाई को जयपुर में आयोजित प्रथम राजस्थान स्टेट ग्रेपलिंग चैंपियनशिप में भीलवाड़ा से 34 किलोग्राम में रुद्र बहेड़िया, 28 किलोग्राम में मनीत चेचाणी व बालिका वर्ग के 48 किलोग्राम में नंदनी बहेडिया ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। अर्नव जागेटिया ने द्वितीय व लक्ष्य कोगटा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में भीलवाड़ा के कुल 8 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था।

गीता झंवर बनी अध्यक्ष

मंदसौर. इन्वरव्हील क्लब ने सत्र 2016-2017 के लिए नई कार्यकारिणी गठित की। इसमें अध्यक्ष गीता झँवर चुनी गईं। कार्यकारिणी में सचिव मनीषा गर्ग, उपाध्यक्ष शशि मारू, सहसचिव समता भूतड़ा, कोषाध्यक्ष संजू चिचानी आदि चुनी गईं।

महिला परिषद ने किया पौधारोपण

पिपरिया. माहेश्वरी महिला परिषद के तत्वावधान में शहर की सबसे पुरानी जयप्रकाश कस्तूरबा शाला मोहता प्लॉट में पौधारोपण किया गया। कार्यक्रम में जिला माहेश्वरी समाज की सचिव आशा मालपानी, महिला परिषद की सचिव अरुणा मूंदडा, पूर्व जिलाध्यक्ष राजश्री राठी, सरला भट्टर, सहसचिव साधना घुरका, किरण हुरकट, शोभा पलोड, डॉ. प्रीति माहेश्वरी, छाया सोनी, दीपा मालपानी, आशा जावंधिया, नंदा नवीरा, गुलाब चांडक, नीता मालपानी, संध्या सांवल, शिवानी जावंधिया, सुधा गट्टानी, सुषमा नबीरा, नीता राठी, मीरा मनिहार आदि मौजूद थीं।

> "परिवर्तन से डरना
> और संघर्ष से कतराना
> मनुष्य की सबसे बड़ी
> कायरता है
> जीवन का सबसे बड़ा गुरु
> वक्त होता है
> क्योंकि जो वक्त सिखाता है
> वह कोई नहीं सिखाता।"

भूतड़ा बने जिला उपाध्यक्ष

कन्नौद. समाज सदस्य बंशीलाल भूतड़ा (लोहारदा) को भाजपा जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। नियुक्ति पर समाज अध्यक्ष राजेश धूत, मोहन सोमानी, व्यंकटेश गोरानी आदि ने हर्ष जताया है।

'हास्य हिप्नोटिज्म' का किया आयोजन

दिल्ली. माहेश्वरी मंडल (दिल्ली) द्वारा महेश नवमी के अवसर पर भजन संध्या व हास्य हिप्नोटिज्म कार्यक्रम माहेश्वरी सेवा सदन, कल्याण विहार, दिल्ली में आयोजित किया गया। सर्वप्रथम चैतन्य दधीच (छापर) ने भजनों की प्रस्तुति दी। तदुपरांत मयंक राठी द्वारा अत्यंत ही रोचक हास्य हिप्नोटिज्म का कार्यक्रम शुरू किया गया। मंडल अध्यक्ष सोहनलाल कासट ने आभार माना। सामूहिक भोजन व्यवस्था में रामचंद्र राठी, वरुण लखोटिया, अनिल मंत्री, शंकर सोमानी आदि का विशेष सहयोग रहा।

माहेश्वरी हुईं विशेष पुरस्कार से सम्मानित

पुणे. अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला मंडल मिड टाऊन (युवा मंच से संलग्न) की प्रांतीय सभा तथा पुरस्कार वितरण समारोह गत दिनों संपन्न हुआ। इसमें यवतमाल शाखा मारवाड़ी महिला मिड टाउन की भूतपूर्व अध्यक्ष प्रेमलता माहेश्वरी को विशेष पुरस्कार से नवाजा गया। कैंसर जागृति तथा चिकित्सा यवतमाल शाखा की संस्थापिका पूनमताई प्रकाश जाजू द्वारा इस अवसर पर श्रीमती माहेश्वरी का अभिनंदन किया गया।

"एक पिता ने क्या खूब लिखा है
हमें तो सुख में साथी चाहिए
दुःख में तो हमारी
बेटी अकेली काफी है।"

सावन महोत्सव का हुआ आयोजन

भीलवाड़ा. आर.के.आर.सी. व्यास नगर माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा सावन महोत्सव का सामूहिक आयोजन गत 3 अगस्त को मंडल अध्यक्ष वंदना नुवाल व सचिव इंद्रा हेड़ा के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर मंडल की सभी सदस्याओं ने लहरिया पहनकर उत्साह से भाग लिया। रंगारंग कार्यक्रम की मुख्य अतिथि शोभा भदादा, लीला राठी, भारती बाहेती व शिखा भदादा का मंडल की ओर से अभिनंदन हुआ। अंत में सामूहिक भोज भी हुआ।

समाजजनों ने किया पौधारोपण

हिंगोली. माहेश्वरी समाज हिंगोली एवं गोकुलधाम सोसायटी की ओर से तापड़िया स्टेट की खुली जगह में पौधारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर हिंगोली जिलाधिकारी अनिल भंडारी ने माजी जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश बियाणी एवं प्रमोद मूंदड़ा का स्वागत किया। इस अवसर पर एसडीएम खाड़े भराड़, तहसीलदार किरण, अंबेडकर सोसायटी के अध्यक्ष कल्याणकर एवं सोसायटी के कई गणमान्यजन मौजूद थे।

तीज का किया सामूहिक उद्यापन

रायपुर. गत 5 अगस्त को माहेश्वरी युवा मंडल (महिला समिति) द्वारा छोटी तीज हर्षोल्लास से मनाई गई। इस अवसर पर 8 महिलाओं के व्रत के सामूहिक उद्यापन का भी आयोजन किया गया था। इस अवसर पर अध्यक्ष संध्या राठी व सचिव प्राची मेहता, रेखा हुरकट, नीना राठी, संगीता राठी, सविता केला, शीतल डागा, सुमन माहेश्वरी, नीलिमा लड्ढा, निधि सारडा, हेमा गांधी, प्रीति राठी, पूजा बल्दवा सहित समस्त सदस्यों का सहयोग रहा।

बरेली जिला माहेश्वरी सभा के चुनाव सम्पन्न

बरेली. जिला माहेश्वरी सभा के चुनाव स्थानीय गंगाचरण अस्पताल में सम्पन्न हुए। इसमें शिवकुमार माहेश्वरी जिलाध्यक्ष चुने गए। कार्यकारिणी में महामंत्री अजय माहेश्वरी, कोषाध्यक्ष निकुंज माहेश्वरी, उपाध्यक्ष सुनील बियानी, शशांक चांडक, मनोज माहेश्वरी, ममतेश माहेश्वरी, सचिन माहेश्वरी आदि चुने गए।

इंटर वूमन क्लब प्रतियोगिता हुई आयोजित

उदयपुर. माहेश्वरी महिला गौरव की ओर से ओरियंटल पैलेस रिसोर्ट में गत 16 से 17 जुलाई तक दो दिवसीय महिला मेगा इवेंट माहेश्वरी महिला गौरव द्वारा इंटर वूमन क्लब प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। इसमें संस्थान की संरक्षक कौशल्या गट्टानी व जनक बांगड़ के नेतृत्व में युवतियों एवं महिलाओं के लिए सोलो डांस व साँग, ग्रुप डाँस, फेस पेंटिंग, बेस्ट ऑफ वेस्ट, स्क्रिप्ट कॉम्पीटिशन, स्लोगन, कविता, विज्ञापन बनाना एवं साड़ी पहनने जैसी कई प्रतियोगिताएँ आयोजित हुईं। मेले का आयोजन भी किया गया। संस्था का मुख्य उद्देश्य बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, इतना लो थाली में व्यर्थ में न जाने नाली में, स्वच्छ भारत, स्वच्छ परिवार जैसे स्लोगन से समझाकर इसे अपनाने का संकल्प लिया गया। प्रतियोगिता में 16 से 41 वर्ष तक की महिलाओं ने भाग लिया। इसमें 41 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं को द्वितीय ग्रुप में शामिल किया गया। उद्घाटन राजेंद्र मंत्री, गोपाल काबरा, छोगालाल, मधु खमेसरा एवं घनश्याम लड्ढा आदि ने किया।

डॉ. प्रियंवदा बनीं बाम्बे हॉस्पिटल की आईसीयू प्रभारी

जबलपुर. प्रतिष्ठित दीवान बहादुर सेठ वल्लभदासजी, हनुमानताल बखरी वालों के परिवार में जन्मीं सेठ बालकृष्णदास मालपाणी की सुपौत्री तथा निशा एवं प्रवीण मालपाणी की सुपुत्री प्रियंवदा मालपाणी ने नागपुर के शासकीय इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस की परीक्षा सर्वोच्च अंकों में उत्तीर्ण करने के उपरांत के.ई.एम.मेडिकल कॉलेज मुंबई से स्नातकोत्तर की परीक्षा उत्तीर्ण की। अब डॉ. प्रियवंदा का चयन देश के सुविख्यात बाम्बे अस्पताल में इंटेन्सिव क्रिटिकल केयर यूनिट (आईसीयू) के प्रभारी पद पर हुआ है।

जिला माहेश्वरी सभा के चुनाव सम्पन्न

विनीत काबरा

सन्दीप धूत

हनुमान लोहिया

अविनाश चाण्डक

सूरत. जिला माहेश्वरी सभा के पंचम सत्र के पदाधिकारी के चुनाव गत 26 जून को माहेश्वरी भवन सूरत के प्रांगण में गुजरात प्रांत के पर्यवेक्षक श्री काबरा आणंद तथा चुनाव अधिकारी रामअवतार साबू, सुरेश काबरा एवं सुरेश तोषनीवाल की देखरेख में हुए। इसमें विनीत काबरा अध्यक्ष, संदीप धूत सचिव, हनुमान लोहिया कोषाध्यक्ष, अविनाश चाँडक संगठन मंत्री बहुमत से चुने गए। संभाग 1 से मुकेश कोठारी, संभाग 2 से वासुदेव सोनी, संभाग 3 से सुरेश झँवर निर्विरोध उपाध्यक्ष चुने गए। संभाग 1 से सहसचिव अशोक राठी व संभाग 2 से विवेक डोडिया निर्विरोध चुने गए। संभाग 3 से सहसचिव जयशंकर शारदा निर्वाचित हुए।

भूतड़ा अध्यक्ष, मालपानी सचिव

रेखा भूतड़ा

आशा मालपानी

इटारसी. विगत दिनों माहेश्वरी भवन इटारसी में होशंगाबाद-हरदा जिला माहेश्वरी महिला मंडल के निर्विरोध चुनाव सम्पन्न हुए। इसमें अध्यक्ष रेखा भूतड़ा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सरला काबरा, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष प्रेमलता तोषनीवाल व गोपी माहेश्वरी, सचिव आशा मालपानी, कोषाध्यक्ष सुचिता जाँवधिया, सहसचिव संध्या लाहोटी, संगठन मंत्री सरला माहेश्वरी, सांस्कृतिक मंत्री नीता माहेश्वरी तथा प्रचार मंत्री मधु छापरवाल चुनी गईं।

धूत अध्यक्ष, छापरवाल महासचिव

देवास. जिला माहेश्वरी सभा के निर्वाचन स्थानीय माहेश्वरी भवन में हुए। इसमें जिलाध्यक्ष राजेश धूत (कन्नौद) व महामंत्री नरेंद्र छापरवाल सोनकच्छ सर्वसम्मति से निर्वाचित हुए। साथ ही उपाध्यक्ष कैलाश डागा, ओम सारडा, संजय भूतड़ा लोहारदा व दिनेश सिंगी, कोषाध्यक्ष सत्यनारायण चिचाणी, संगठन मंत्री संतोष माहेश्वरी, प्रमोद गट्टानी, प्रचार मंत्री पुरुषोत्तम मानधन्या, श्रीकांत माहेश्वरी भी निर्विरोध निर्वाचित हुए। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के लिए मुरलीधर मानधन्या लोहारदा तथा पश्चिमांचल माहेश्वरी महासभा के लिए सुरेश परवाल, दिनेश भूतड़ा, मनोज तापड़िया, सुरेश राठी, सत्यनारायण लाठी, राजेंद्र इनानी, प्रकाश मंत्री आदि के नाम भी सर्वानुमति से तय किए गए।

> आपका सम्मान उन शब्दों में नहीं जो आपकी उपस्थिति में कहे गये हों. बल्कि उन शब्दों में है जो आपकी अनुपस्थिति में कहे गये हों।

राठी बने क्लब अध्यक्ष

इन्दौर। शहर की प्रतिष्ठित संस्था ''सेंट्रल जीमखाना क्लब'' के चुनाव गत दिनों सम्पन्न हुए। इसमें समाज सदस्य डॉ. रवीन्द्र राठी भारी बहुमत से सत्र 2016-18 के लिए अध्यक्ष निर्वाचित हुए। श्री राठी को इस प्रतिष्ठापूर्ण चुनाव में अपने निकटतम प्रतिद्वन्द्वी से 44 मत अधिक प्राप्त हुए।

चंद्रपुर महिला संगठन के चुनाव संपन्न

हेमलता सोमाणी

अल्का चाण्डक

प्रतिभा बजाज

चन्द्रपुर. जिला माहेश्वरी महिला संगठन के चुनाव गत दिनों हुए। ललिता काबरा ने सभा की अध्यक्षता की। इसमें अध्यक्ष हेमलता जुगल किशोर सोमाणी, उपाध्यक्ष पुष्पा विनोदकुमार मणियार एवं राधिका गोपाल मूंधड़ा, सचिव अलका गिरीश चाँडक, सहसचिव माया हितेश बजाज एवं शीतल शेखर लोहिया, कोषाध्यक्ष प्रतिभा सुधीर बजाज, संयुक्त मंत्री उषा विनोद सोनी, संगठन मंत्री दुर्गा दामोधर सारडा तथा प्रचार मंत्री विनया अजय काबरा चुनी गईं।

करनानी बने पुनः अध्यक्ष

कटक. जिला माहेश्वरी सभा की नवीन कार्यकारिणी के लिए मुरलीधर करनाणी को सर्वसम्मति से पुनः अध्यक्ष चुना गया। मंत्री महावीरप्रसाद मूंधड़ा, कोषाध्यक्ष जितेंद्र लखानी, उपाध्यक्ष राधाकिशन सादानी व राजीव करनाणी, सहमंत्री पवन मूंधड़ा व मनोज झंवर चुने गए। नई कार्यकारिणी की प्रथम बैठक 30 जुलाई को हुई। इसमें अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के 28वें सत्र के कार्यकारी मंडल में सदस्य छगनलाल बाहेती, मदनमोहन राठी व सुनील कोठारी को चुना गया।

बागड़ी बने ''आपली सरकार'' के सहयोगी

नागपुर. महाराष्ट्र सरकार द्वारा जनता की सुविधा व समस्या निराकरण के लिए ''आपली सरकार'' नामक पोर्टल की शुरुवात की गई है। ''आपली सरकार'' पर प्रजेंटेशन देने के लिए राष्ट्रीय तुकडोजी नागपुर विवि अलमनी एसोसिएशन ने पत्रकार भवन में कार्यक्रम रखा। इसमें कौस्तुभ धवसे ऑफिसर ऑन स्पेशल ड्यूटी व सुदामा गवई हेड ऑफ आपले सरकार पोर्टल गवर्नमेंट ऑफ महाराष्ट्र मुंबई से मार्गदर्शन हेतु आए थे। कार्यक्रम में प्रख्यात समाजसेवक व पोर्टफोलिया कंसल्टेंट शरद बागड़ी सहयोगी थे।

चाँडक राष्ट्रीय समता पुरस्कार से सम्मानित

अमरावती. ख्यात समाजसेवी ओमप्रकाश चाँडक को समता साहित्य अकादमी की ओर से ''डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर राष्ट्रीय समता पुरस्कार'' से गत 5 जून को एसएनडीटी वूमन कॉलेज सभागृह घाटकोपर मुंबई में सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कई गणमान्यजन उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि श्री चाँडक 40 वर्षों से विभिन्न संस्थाओं में सक्रिय रहते हुए सामाजिक, राजकीय, धार्मिक, शैक्षणिक, वैद्यकीय व व्यावसायिक क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं।

इंडस्ट्रीयल कॉन्क्लेव में सोमानी सम्मानित

जयपुर. जी न्यूज राजस्थान के तत्वावधान में जयपुर के प्रमुख उद्योगपतियों को उनके श्रेष्ठ उत्पादों तथा उद्योग की कार्यक्षमता के लिये पुरस्कृत किया गया। इस कार्यक्रम में माहेश्वरी समाज जयपुर के वरिष्ठ उद्योगपति बालकिशन सोमानी चेयरमैन सोमानी ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज व अध्यक्ष राजस्थान साबुन निर्माता संघ तथा उनके सुपुत्र जगदीश सोमानी अध्यक्ष विश्वकर्मा इंडस्ट्रीज एसोसिएशन को उनकी कंपनी के होम केयर प्रोडक्ट जिसमें महाराजा साबुन, मोज वाशिंग पाउडर, बाथ सोप, फिनाइल, टॉयलेट क्लीनर, हैंडवाश व ग्लास क्लीनर, बर्तन धोने के साबुन आदि उत्कृष्ट उत्पादों के लिए शील्ड व सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया।

> छोटी-छोटी बातें
> दिल में रखने से
> बड़े-बड़े रिश्ते
> कमजोर हो जाते हैं।

श्रावण की सैर का किया आयोजन

वरंगल. माहेश्वरी समाज व प्रगतिशील मारवाड़ी समाज के तत्वावधान में संयुक्त श्रावण की सैर गत 31 जुलाई को रत्नालयम श्रीवेंकटेश्वर स्वामी मंदिर, शामिर्पेट, घटकेश्वर के पास आयोजित हुई। भगवान श्री वेंकटेश्वर स्वामी के दर्शन, अर्चना, आरती और भजन के साथ महिलाओं व बच्चों के लिए अनेक प्रकार के खेलकूद का आयोजन हुआ। समाज अध्यक्ष प्रहलाद सोनी, मंत्री संपत लाहोटी, सुरेश डालिया, श्याम जाखोटिया, सांस्कृतिक मंत्री नवलकिशोर मूंदड़ा, नवलकिशोर मनियार, जितेंद्रर मूंदड़ा, रामकिशोर मनियार, आदित्य बजाज, प्रतीक लाहोटी, सागर मूंदड़ा, विष्णुकुमार बल्दवा, जयप्रकाश बोहरा आदि का सहयोग रहा। उक्त जानकारी नवल मूंदड़ा ने दी।

मुलाहिजा फरमाइये

तेरी याद से शुरु होती है मेरी हर सुबह
फिर ये कैसे कह दूँ कि मेरा दिन खराब है

कमाल करते हैं हमसे जलन रखने वाले
महफिल खुद की सजाते हैं और चर्चे हमारे करते हैं

जो मजा टूट के चाहने में है
वो मजा चाह के टूट जाने में कहाँ

गिनती के कुछ दोस्त पंखों को मेरे काट के खुश तो हो गये
फिर डरे-डरे से हैं मेरी उड़ान से

हम आइना हैं आइना ही रहेंगे
फिक्र वो करें जिनकी शक्ल में कुछ और
दिल में कुछ और है।

उम्र जाया कर दी औरों के वजूद में
नुक्स निकालते-निकालते
इतना खुद को तराशा होता तो फरिश्ते हो जाते।

क्यों करते हो गुरूर अपने ठाट पर
मुट्ठी भी खाली रहेगी जब पहुँचोगे घाट पर।

▸▸ज्योत्सना कोठारी, मेरठ

राखी मेले में उमड़े शहरवासी

भीलवाड़ा. शास्त्रीनगर माहेश्वरी महिला मंडल की ओर से माहेश्वरी भवन में तीन दिवसीय राखी मेला लगाया गया। अध्यक्ष अंकिता राठी ने बताया कि मेले में राखी के साथ अन्य उत्पादों की स्टॉल भी लगाई गई। मंडल सचिव मंजू मोदानी ने बताया कि लोगों ने मेले में लगी विभिन्न स्टॉल्स पर खरीदारी की। इसके साथ ही विभिन्न व्यंजनों का लुत्फ भी उठाया।

सजाया सावन का सिंजारा

बैंगलुरु. बैंगलोर माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा सावन का सिंजारा कार्यक्रम गत 29 जुलाई को माहेश्वरी भवन में आयोजित किया गया। सचिव श्वेता बियाणी ने बताया कि इसमें वर्ष 1960 से 1970 के गीतों पर डाँस स्पर्धा का आयोजन किया गया। इसमें प्रथम खुशबू पलोड़ तथा द्वितीय रानी राठी व साक्षी चांडक रहीं। वीणा जाजू, रजनी जाजू, पूजा सोमानी, शीतल गांधी, सुनीता झंवर, प्रीति मंत्री, पल्लवी गिलड़ा को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। द्वितीय स्पर्धा सलाद बनाना और सजाना थी। इसमें प्रथम दर्शना मक्कड और वंदना कांकाणी रही। खुशबू पलोड़ को सांत्वना पुरस्कार मिला। अल्पाहार के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम का संचालन विजय लक्ष्मी सारडा, सपना भूतड़ा व कल्पना बाहेती ने किया। सहसचिव निर्मला काकाणी ने आभार माना।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष का अभिनंदन

पिपरिया. होशंगाबाद हरदा जिला माहेश्वरी सभा के नवनिर्वाचित अध्यक्ष बालकिशन टावरी का गृहनगर पिपरिया पहुंचने पर टोल नाके व भगवान बालकृष्णलालजी की हवेली में सामाजिक बंधुओं, शुभचिंतकों ने स्वागत किया। होशंगाबाद हरदा जिला माहेश्वरी सभा के चुनाव इटारसी में चुनाव अधिकारी अजय घुरका, सहायक चुनाव अधिकारी प्रहलाद बंग व पर्यवेक्षक त्रिलोक जाजू उपस्थिति में हुए। कार्यकारिणी में वरिष्ठ उपाध्यक्ष खिरकिया के विजयकुमार सोमानी, हरदा के विट्ठलदास तोषनीवाल, सिवनी मालवा के पीडी सारडा व इटारसी के प्रहलाद बंग, सचिव बनखेड़ी के अमिल बिसानी, सहसचिव पिपरिया के सुशील गांधी, कोषाध्यक्ष सोहागपुर के गोपाल माहेश्वरी घुरका, संगठन मंत्री होशंगाबाद के डॉ. राजेश माहेश्वरी तथा सांस्कृतिक मंत्री हरदा के जयकृष्ण चांडक चुने गए।

सांवरिया ग्रुप ने मनाया नीम महोत्सव

जोधपुर। सांवरिया संस्थान की ओर से नीम महोत्सव का आयोजन हुआ। संस्था अध्यक्ष डॉ. नीलम मूंदड़ा, संरक्षक सुनील मूंदड़ा, अरुण वर्मा, अभिषेक शर्मा, महात्मा गांधी अस्पताल के डॉ. पी.सी. व्यास व उनकी टीम, बिड़ला स्कूल के संस्थापक श्री बिड़ला, मारवाड़ी महासभा की मधु समदानी, बीजेपी महिला मोर्चा सदस्याओं सहित कई गणमान्यजन शामिल थे। 3 जुलाई को जोधपुर स्थित राजकीय महात्मा गांधी चिकित्सालय के गर्ल्स हॉस्टल एवं बी.आर. बिड़ला स्कूल के प्रांगण में नीम के पौधे लगाकर शुरुआत की गई। अध्यक्ष डॉ. मूंदड़ा का कहना है कि इसके अंतर्गत 100000 नीम पौधे लगाने की मुहिम की शुरुवात की गई है। कैलाशचंद्र लड्ढा ने साँवरिया के संस्थापक होने के नाते पूरी टीम की ओर से सभी संस्थाओं और सदस्यों का आभार माना।

सात दिवसीय योग शिविर का आयोजन

हापुड़। द्वितीय अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा सात दिवसीय योग शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि हापुड़ नगर पालिका की चेयरमैन मालती भारती एवं विशेष अतिथि शीला महेश ने दीप प्रज्वलित करके किया। अध्यक्ष एवं योगाचार्य आशा सोमानी ने ओम की ध्वनि से प्रोटोकाल के अनुरूप योग प्रारंभ कराया। नगर अध्यक्ष साधना लोया एवं सचिव आशा तापड़िया ने अतिथियों का सम्मान किया। इस अवसर पर माहेश्वरी महिला मंडल की संरक्षिका कांता माहेश्वरी, पूजा महेश, कोषाध्यक्ष सुम्मी तापड़िया, मधु माहेश्वरी, मंजू माहेश्वरी, मधु मालीवाल, शालिनी माहेश्वरी, चित्रा राठी सहित बड़ी संख्या में महिलाएँ व युवतियाँ उपस्थित थीं।

चिकित्सा शिविर सम्पन्न

मेरठ। माहेश्वरी सभा मेरठ जनपद, माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट व माहेश्वरी परिवार ने मिलकर शिव मंदिर के ब्लॉक शास्त्रीनगर में निःशुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर का आयोजन किया। इसमें मेरठ के जाने माने चिकित्सकों ने लगभग 200 मरीजों को निःशुल्क परामर्श दिया। प्रातः 10 बजे से 1 बजे तक शिविर चला। शिविर को सफल करने में केशवचंद्र शारदा, योगेश दक, कृष्णमुरारी चाँडक, गिरिराज किशोर मूना, प्रमोदचंद्र केला, नरेंद्र राठी, अशोक साँवल आदि का सहयोग रहा।

महिला संगठन की नवीन कार्यकारिणी गठित

भंडारा। जिला माहेश्वरी महिला संगठन की नई कार्यकारिणी का गठन गोंदिया से आईं वैजंती माहेश्वरी की उपस्थिति में सर्वसम्मति से किया गया। इसमें जिलाध्यक्ष सीमा लाहोटी, उपाध्यक्ष गीता सारडा, सचिव सुप्रिया काबरा, कोषाध्यक्ष अल्पा सारडा, सहसचिव उमा मंत्री व संगठन मंत्री संगीता धूत चुनी गईं। कार्यकारिणी सदस्य भी चुने गए।

महिला संगठन को मिले 4 पुरस्कार

जलगांव। पुष्कर में अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन के पश्चिमांचल अधिवेशन एवं कार्यसमिति बैठक का आयोजन गत दिनों हुआ। इसमें महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन को चार पुरस्कार प्राप्त हुए। इसमें दीपशिखा में सचित्र झलकियों के साथ महाराष्ट्र की षष्ठम सभा की कार्यवृत्तांत डायरी प्रथम स्थान पर रही। इंदौर सृजन सेतु महाअधिवेशन में महाराष्ट्र को सबसे ज्यादा सदस्यों की उपस्थिति के लिए पुरस्कृत किया गया। राष्ट्रीय महिला अधिकारी समिति के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य हेतु प्रथम पुरस्कार तथा सृजन हेतु महाअधिवेशन में भेजे हुए महाराष्ट्र के कोलाज को प्रेरणा पुरस्कार प्राप्त हुआ। उक्त जानकारी प्रदेश सचिव ज्योत्सना लाहोटी ने दी।

"एक छोटी सी 'लड़ाई' से हम अपना आपसी 'प्यार' खत्म कर लेते हैं इससे तो अच्छा है कि 'प्यार' से हम अपनी छोटी सी 'लड़ाई' खत्म कर लें।"

स्कूल को भेंट किए पंखे और स्टेशनरी

गुना. डॉ. जीके लाहोटी परिवार की ओर से 5 पंखे व माहेश्वरी महिला मंडल की ओर से पहाड़ा व पट्टी बच्चों को भेंट किए गए। श्रीमती लाहोटी ने कहा कि लायनेस क्लब ने हमें यह नेक काम करने का मौका दिया है। हम उनके आभारी हैं। इस अवसर पर माहेश्वरी महिला मंडल अध्यक्ष आशा राठी, भावना माहेश्वरी सहित अन्य सदस्याएँ मौजूद थीं। इसके अलावा गत 13 जून को महेश नवमी उत्सव मनाया गया। इसमें क्लीन गुना-ग्रीन गुना पर आधारित स्लोगन स्पर्धा आयोजित की गई। प्रथम नंदिनी सोनी, द्वितीय हार्दिक माहेश्वरी व तृतीय रिमझिम राठी रहीं। इसी तरह मम्मी मोबाइल पर आधारित स्पीच स्पर्धा भी आयोजित की गई। इसमें अवनी माहेश्वरी प्रथम, माधवी दूदानी द्वितीय रहीं।

दरगड़ परिवार महिला मंडल ट्रस्ट ने मनाया सावन महोत्सव

भीलवाड़ा. दरगड़ परिवार महिला मंडल ट्रस्ट की ओर से नेहरू गार्डन स्थित चामुंडा माता मंदिर में सावन महोत्सव मनाया गया। इस मौके पर भजनों की प्रस्तुति दी गई। अध्यक्ष सुमित्रा दरगड़, सुधा, सुमन आदि उपस्थित थे। इसी तरह लायनेस क्लब पद्मिनी की ओर से भी सावन महोत्सव मनाया गया। कार्यक्रम में मधू जाजू, कल्पना माहेश्वरी आदि मौजूद थीं।

नृत्य नाटिका में जयपुर प्रथम

जयपुर। पुष्कर में आयोजित अभा माहेश्वरी महिला संगठन की कार्यसमिति की बैठक एवं पश्चिमांचल अधिवेशन "अनुभूति 2016" के अवसर पर आंचलिक स्तर पर आयोजित नृत्य नाटिका प्रतियोगिता में पूर्वोत्तर राजस्थान प्रादेशिक महिला संगठन से सम्बद्ध जयपुर जिला माहेश्वरी महिला संगठन की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त कर 5 हजार रुपए का नकद पुरस्कार प्राप्त किया। नृत्य नाटिका की थीम थी, "तीज त्योहार"। जिला माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्ष उमा परवाल के अनुसार इस टीम में जयपुर की विजयश्री तापड़िया, सुनीता जैथलिया, नेहा परवाल, करिश्मा खटौड़, रिंकू बाहेती, संतोष बजाज, शिखा लड्ढा, पूनम दरगड़ आदि शामिल थीं। टीम को तैयारी करवाने में अभा माहेश्वरी महिला संगठन की कार्यसमिति सदस्य सविता पटवारी का सराहनीय सहयोग रहा। प्रादेशिक महिला संगठन की अध्यक्ष पद्मा जाजू ने भी टीम के सभी सदस्यों को बधाई दी। "लोरी" प्रतियोगिता में ज्योति तोतला (जयपुर) को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ।

सारडा बने आईसीएसआई सचिव

बीकानेर. प्रतिष्ठित सीए निर्मल कुमार सारडा को सीए इंस्टिट्यूट आईसी-एआई की बीकानेर ब्रांच का सचिव निर्वाचित किया गया। श्री सारडा देशनोक निवासी स्व. श्री प्रयागदास सारडा व काशीदेवी सारडा के सुपौत्र, किशनगोपाल-विमलादेवी सारडा के सुपुत्र व संगरिया निवासी महावीर प्रसाद तथा कृष्णकुमार करवा के भानजे हैं।

मालू अध्यक्ष, बाल्दी सचिव

मंदसौर. जिला माहेश्वरी महिला मंडल के निर्वाचन गत दिनों हुए। इसमें अध्यक्ष मणिबाला मालू, सचिव उमा बाल्दी, सहसचिव शिखा चिचानी, उपाध्यक्ष राधा छापरवाल व मीनल मंडोवरा, प्रचार मंत्री संध्या काबरा, कोषाध्यक्ष गायत्री मूंदड़ा, संगठन मंत्री चंद्रा चिचानी, स्वागत मंत्री शारदा सोमानी व सुनीता बाहेती तथा संरक्षक गीता झँवर सर्वसम्मति से चुनी गईं।

न्याती अध्यक्ष, मूंदड़ा सचिव

प्रेरणा न्याती

सोनल मूंदड़ा

बूंदी. श्री माहेश्वरी महिला मंडल के वर्ष 2016-19 के लिए चुनाव गत दिनों हुए। इसमें प्रेरणा न्याती अध्यक्ष व सोनल मूंदड़ा निर्विरोध सचिव चुनी गईं। निर्वाचन अधिकारी शानू नुवाल व पर्यवेक्षक कविता जाजू ने अध्यक्ष व सचिव को पद तथा गोपनीयता की शपथ दिलाई।

"एक सामान्य मित्र पूछता है कि
यदि आपने बहस की
तो मित्रता खत्म...
लेकिन एक सच्चा मित्र
सोचता है कि
वो मित्रता ही क्या जिसमें
मन में कोई बात रह जाए।"

''डिजिटल स्मार्ट वूमन बनें'' कार्यक्रम का किया आयोजन

चंद्रपुर. स्थानीय माहेश्वरी समाज की ओर से माहेश्वरी सेवा समिति, माहेश्वरी नवयुवक मंडल और माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा गत 21 से 24 जुलाई तक ''डिजिटल स्मार्ट वूमन बने'' कार्यक्रम महिलाओं में नई तकनीकों के प्रति जागरुकता उत्पन्न करने के लिए आयोजित किया गया। इसमें कम्प्यूटर के बेसिक्स के बारे में बताया गया। प्रशिक्षण बृजमोहन सारडा ने स्वेच्छा से दिया। चंद्रपुर की महापौर राखी कंचर्लावार, माहेश्वरी महिला मंडल की अध्यक्ष निर्मला जाजू व हेमलता सोमाणी के हाथों प्रशस्ति - पत्र देकर सभी प्रतिभागियों का सम्मान किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में माहेश्वरी समिति के सचिव सुरेश राठी, नवयुवक मंडल अध्यक्ष प्रभाकर मंत्री, सचिव प्रवीण सारड़ा, राजेश काकाणी, महिला मंडल अध्यक्ष निर्मला जाजू, सचिव शामल जाजू सहित समस्त सदस्यों का सहयोग मिला।

महिला मंडल ने आयोजित किया योग शिविर

हनुमानगढ़. उत्तर राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला मंडल व हनुमानगढ़ जिला माहेश्वरी महिला मंडल के सौजन्य से तीन दिवसीय योग शिविर व ध्यान कार्यशाला का आयोजन 19 से 21 जून तक किया गया। आयोजक प्रदेश संयुक्त मंत्री हंसा चितलांगिया ने बताया कि कार्यक्रम में सुबह 5 से 6 बजे तक योग प्रशिक्षक गायत्री जैन द्वारा योग मुद्राओं के बारे में बताया गया। 6 से 7 बजे तक हार्टफुलनेस रिलेक्सेशन एवं मेडीटेशन कार्यशाला में स्वरूप नंदा व सहयोगी द्वारा तनावपूर्ण जीवन शैली से छुटकारे के लिए ध्यान साधना के बारे में बताया गया। कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर जिलाध्यक्ष चंदा चाँडक, उपाध्यक्ष संजू बिहाणी, सहसचिव उषा तोतला, हनुमानगढ़ जंक्शन इकाई सचिव अरुणा मोहता, संरक्षक पुष्पा राठी, कार्यकारिणी सदस्य रेणु ढुढाणी तथा कार्यशाला के समापन पर प्रदेश उपाध्यक्ष कुसुम मूंधड़ा, जिला कोषाध्यक्ष निर्मला पेड़ीवाल सहित बड़ी संख्या में महिलाएँ उपस्थित रहीं।

चाँडक समाज गौरव से सम्मानित

अमरावती. स्थानीय श्री माहेश्वरी पंचायत द्वारा महेश जयंती उत्सव में ओमप्रकाश चाँडक को ''समाज गौरव'' से सम्मानित किया गया। आर.बी. अटल अध्यक्ष गौरक्षा संस्थान, न्यायाधीश रामपाल कलंत्री जिला उपभोक्ता न्यायालय, सुभाषचंद्र राठी अध्यक्ष माहेश्वरी पंचायत, प्रभादेवी झँवर अध्यक्ष माहेश्वरी महिला मंडल आदि मौजूद थे।

"किसी अच्छे इंसान से हद से ज्यादा बुरा सलुक मत कीजिए क्योंकि जब सुन्दर काँच टूटता है, तो धारदार हथियार बन जाता है।"

किचन का खजाना

काजू कुकीज

सामग्री- मैदा 100 ग्राम या 1 कटोरी, दूध 2 से 3 चम्मच, कुकीज के ऊपर लगाने के लिए काजू दरदरा पाउडर, 50 ग्राम काजू को 5 मिनट भून के पीसें, काजू 20 से 25 पीस, चीनी 75 ग्राम या 1 कटोरी से थोड़ा कम, पीला रंग आधा चम्मच, वनीला एसेंस 3 से 4 बूंद, बेकिंग पाउडर 1 चम्मच, नमक 2 पिंच, घी या बटर 120 ग्राम या 1 कटोरी से थोड़ा ज्यादा।

विधि- सबसे पहले मैदा, नमक और बेकिंग पाउडर को एक साथ 2 से 3 बार छन्नी से छान लें। एक बाउल में बटर या घी लें और बिटर से तब तक फेटें जब तक बटर या घी सफेद या क्रीम जैसा न हो जाये। अब घी में चीनी व वनीला एसेंस मिला के 2 से 3 मिनट फेटें। घी चीनी के मिश्रण में थोड़ा-थोड़ा करके मैदा व काजू पाउडर व पीला रंग मिलाएं और अच्छे से आटे जैसा गूंथ लें। 20 मिनट के लिए ढंक दें। इसे ओवन या माइक्रोवेव कन्वेशन पर 180 डिग्री पर प्री हीट पहले गर्म कर लें। मिश्रण के छोटे-छोटे बॉल या गोले बना लें। बॉल को प्लेट या ट्रे पर रखें और बॉल के ऊपर हल्का-हल्का दूध लगा के 1 काजू लगा के हल्का सा दबा दें और ओवन या माइक्रोवेव में डालें। ओवन या माइक्रोवेव कन्वेंशन पर डाल कर 180 डिग्री पर 20 से 22 मिनट पकाएं। ओवन से काजू कुकीज को निकाल के 5 से 10 मिनट ठंडा करके प्लेट या ट्रे से निकाल लें। ठंडा होने पर काजू कुकीज को परोसे।

सलाह-

- बाउल में घी डाल के 5 मिनट के लिए फ्रीज में रखें। घी अच्छे से फिट जाता है।
- दूध लगाने से कुकीज का अच्छा रंग आएगा।
- माइक्रोवेव में 18 मिनट लो रैक और 2 मिनट हाई रैक पर कुकीज बेक करें।

पूनम राठी
मो. 99700 57423

स्वतंत्रता दिवस का हुआ आयोजन

मयूरभंज. पवित्र स्वाधीनता दिवस की 70वीं सालगिरह समारोह के अवसर पर मयूरभंज जिला माहेश्वरी सभा एवं माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा बारीपदा पालबनी स्थित वृद्धाश्रम पर सुबह 8 बजे राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। आश्रम के निवासियों के लिए सभा की ओर से सुबह का नाश्ता एवं दोपहर के भोजन की व्यवस्था की गई। बजरंगलाल लड्ढा, श्यामसुंदर तापड़िया, कमलकिशोर करनाणी (अध्यक्ष), श्रीकुमार लड्ढा (सचिव), श्यामसुंदर भट्टड़, मनोजकुमार भट्टड़, लालचंद भट्टड़, जयकिसन भट्टड़ आदि मौजूद थे।

स्वतंत्रता दिवस का हुआ आयोजन

ग्वालियर. माहेश्वरी युवा मंडल बिरलानगर ग्वालियर द्वारा बालभवन स्कूल क्रमाक 2 में स्वाधीनता दिवस का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें समाजबंधुओं सहित स्कूल के बच्चों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में राष्ट्रभक्ति गीत, भाषण और नृत्य प्रस्तुत किये गए। खेलकूद स्पर्धाओं का आयोजन भी किया गया। मुख्य अथिति मंजू साबू एवं राजश्री भुराड़िया थीं। माहेश्वरी समाज द्वारा इस स्कूल में 11 निर्धन बच्चों की पढ़ाई का खर्च उठाने का संकल्प भी लिया गया। संतोष लखोटिया, संजय तोषनीवाल, राजकुमारी लड्ढा, चंदा सोमानी, भूपेंद्र भूतड़ा, विशाल माहेश्वरी, विजय भुराड़िया, महेंद्र माहेश्वरी आदि मौजूद थे।

महिला संगठन के चुनाव संपन्न

लातूर. जिला माहेश्वरी महिला संगठन के चुनाव गत दिनो सर्वसम्मति से संपन्न हुए। अध्यक्ष विभा विजय गिल्डा, उपाध्यक्ष निर्मला सोमाणी, संगीता कलंत्री, सचिव अनुराधा करवा, कोषाध्यक्ष मेघा कलंत्री, संगठन मंत्री सविता भूतड़ा, सहसचिव ललिता राठी चुने गए।

महेश बैंक ने मनाया 39वां स्थापना दिवस

हैदराबाद. शीर्ष सहकारी महेश बैंक का 39वां स्थापना दिवस समारोह मायडम अंजय्या हॉल में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित दक्षिण मध्य रेलवे सुरक्षा दल महानिरीक्षक संजय संकृत्यायन, भारतीय रिजर्व बैंक में बैंकिंग पर्यवेक्षक विभाग के सहायक महाप्रबंधक एम.ए. सोलोमन कविराज, बैंक के चेयरमैन पुरुषोत्तमदास मानधणा, चेयरमैन इमीरेट्स रमेशकुमार बंग, वाइस चेयरमैन रामपाल अट्टल एवं प्रबंध निदेशक उमेशचंद आसावा द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर की गई। बैंक के चेयरमैन श्री मानधणा ने अतिथियों का स्वागत करते हुए बताया कि चालू वित्तीय वर्ष के लिये बैंक ने 3500 करोड़ रुपये के व्यापार के साथ शाखाओं की संख्या 45 तक ले जाने का लक्ष्य रखा है। इस अवसर पर प्रकाशित "हमारा प्रयास" विशेषांक एवं बैंकिंग कार्यप्रणाली एवं बैंकिंग क्षेत्र से सम्बद्ध प्रश्नोत्तरी का विमोचन एमए सोलोमन कविराज के साथ चेयरमैन पुरुषोत्तम मानधणा, चेयरमैन इमीरेट्स रमेशकुमार बंग, वाइस चेयरमैन

रामपाल अट्टल एवं प्रबंध निदेशक उमेशचंद आसावा ने किया। इस अवसर पर बैंक की 25 वर्षों तक निष्ठापूर्ण सेवा करने वाले बैंक कर्मियों तथा बैंक कर्मियों के मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान भी किया गया।

सावन के सिंघारा का हुआ आयोजन

पुंगलिया. माहेश्वरी महिला समिति द्वारा गत 3 अगस्त को प्रतिवर्षानुसार सावन मास के अंतर्गत शिव-अभिषेक व सिंधारा का आयोजन किया गया। उक्त जानकारी देते हुए अध्यक्ष कुसुम मल्ल व अनुराधा कोठारी ने बताया कि इसमें आरती, भजन, मनोरंजक कार्यक्रमों आदि के साथ खाने-पीने की भी उत्तम व्यवस्था की गई। कार्यक्रम का संचालन राजश्री कोठारी व संगीता मारू ने किया। इसी प्रकार गत माह 24 जुलाई को माहेश्वरी सभा के साथ बी.एस.एस. पब्लिक स्कूल प्रांगण में पौधारोपण भी किया गया।

"कामयाबी कभी बड़ी नहीं होती, पाने वाले हमेशा बड़े हो जाते हैं
दरार कभी बड़ी नहीं होती, भरने वाले हमेशा बड़े होते हैं
सम्बन्ध कभी बड़े नहीं होते, निभाने वाले बड़े होते हैं।"

बाहेती बने संगठन अध्यक्ष

मलकापुर। प्रतिष्ठित व्यवसायी कपूरचंद बाहेती के सुपुत्र किशोर बाहेती का माहेश्वरी समाज मलकापुर तहसील के संगठन अध्यक्ष पद पर सर्व सम्मति से चयन हुआ है। आप श्री महेश अर्बन को-ऑपरेटिव सोसायटी के उपाध्यक्ष भी हैं। आप ख्यात समाजसेवी कस्तूरचंद बाहेती चैन्नई के भतीजे हैं।

डॉ. तापड़िया ने दिया शिक्षा में सहयोग

रतलाम. श्री माहेश्वरी सेवा संगठन के माध्यम से शिक्षा व चिकित्सा के क्षेत्र में डॉ. बी.एल. तापड़िया के माध्यम से इस बार पुनः शिक्षा हेतु स्व. दिलीपकुमार बाहेती की शिक्षारत बेटी को संपूर्ण वर्ष का शिक्षण शुल्क प्रदान कर विशेष योगदान दिया। श्री बाहेती का कुछ वर्ष पूर्व ही निधन हुआ है एवं घर में विधवा माता व तीन कन्याएँ हैं जो शिक्षा के क्षेत्र में मेधावी व अग्रणी हैं।

आदित्य विक्रम बिड़ला केंद्र की बैठक 30 को

चेन्नई. समाज के नवउद्यमियों की सहयोगी संस्था श्री आदित्य विक्रम बिड़ला व्यापार सहयोग केंद्र के सदस्यों की वार्षिक साधारण सभा आगामी 30 सितंबर को मुंबई में होगी। संस्था के मंत्री कस्तूरचंद बाहेती ने बताया कि इसका आयोजन "बिड़ला अरोरा डॉ. एनीबी सेंट रोड, वर्ली, मुंबई" में होगा। अध्यक्षता केंद्र अध्यक्ष के द्वारा की जाएगी। श्री बाहेती ने सदस्यों से आगमन का कार्यक्रम तय कर व्यवस्था के लिए श्यामसुंदर काबरा, माणकचंद काबरा अथवा रामअवतार झँवर को सूचना देने का अनुरोध किया है।

पूर्वी उत्तर प्रदेश के चुनाव सम्पन्न

वाराणसी। पूर्वी उत्तर माहेश्वरी सभा के चुनाव गत 20 अगस्त को केंद्रीय चुनाव समिति के सदस्य एवं प्रभारी पूर्वी उ.प्र. प्रदीप झंवर की देख-रेख में सम्पन्न हुए। चुनाव में 10 पदाधिकारी व 12 सदस्यों का चुनाव हुआ। विनोद प्रकाश माहेश्वरी लखनऊ अध्यक्ष, श्रीराम माहेश्वरी वाराणसी-प्रदेश मंत्री, गोपाल कृष्ण लड्ढा-मिर्जापुर कोषाध्यक्ष विजय काबरा-वाराणसी, प्रचार मंत्री गोविंदप्रसाद बजाज-वाराणसी, रवींद्र गांधी-लखनऊ एवं प्रकाश बल्दुआ-इलाहाबाद सह मंत्री चुने गये।

सत्तु तीज का हुआ आयोजन

उज्जैन। समाज की महिलाओं द्वारा भी सत्तु तीज का विभिन्न जगह आयोजन किया गया। इसी शृंखला में आशा मंत्री, सरिता बाहेती, माही मंत्री, रजनी माहेश्वरी, रुचि माहेश्वरी, उषा माहेश्वरी, प्रिया माहेश्वरी, रीता माहेश्वरी, अर्चना माहेश्वरी, रेणु माहेश्वरी आदि कई महिलाओं ने सामुहिक रूप से तीजोत्सव का आयोजन किया। इस अवसर पूरे विधि विधान से पूजा करते हुए अखंड सौभाग्य व परिवार के स्वास्थ्य की कामना की गई।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों में साथ मनाया वन महोत्सव

छिंदवाड़ा। राजस्थानी महिला मंडल, पिपला नारायणवार छिंदवाड़ा (म.प्र.) में श्रावण उत्सव के उपलक्ष्य में वनभोज का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें सोलह शृंगार, सत्तू सजाओ, 10 वर्ष से अधिक उम्र के बच्चों के लिये राखी बनाओ व स्वच्छ लेखन प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। कार्यक्रम के समापन में अध्यक्षा उषा नबीरा ने पुरस्कार वितरण कर आभार व्यक्त किया। छाया कलधारिया, शीतल नाहर व आरती कुलधरिया ने कार्यक्रम का सफल संचालन किया।

"'अनुमान' गलत हो सकता है 'अनुभव' नहीं।"

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर माहेश्वरी भाई-बहिनों को हार्दिक शुभकामनाएँ

अनिल नावंदर — जगदीश नावंदर

अपेक्षा मेडिकल स्टोअर्स
खामगाँव (महा.), मो. 99221 85678

हरिद्वार डेव्हलपर्स
खामगाँव (महा.), मो. 99221 86789

नावंदर इंटरप्राइजेस
पुना, अकोला (महा.), मो. 99221 12277

'साईकिल चलाओ-धरोहर बचाओ' हेरिटेज रैली आयोजित

भिलाई। साईकिल क्लब व भारतीय सांस्कृतिक निधि (इन्टैक) के संयुक्त तत्वावधान में ऐतिहासिक पुरातात्विक सांस्कृतिक धरोहर विरासत स्थलों को संरक्षण प्रदान करने के लिए जनजागृति पैदा करने के उद्देश्यों को लेकर 'साईकिल चलाओ-धरोहर बचाओ' 30 कि.मी. की साईकिल हेरिटेज रैली भीलवाड़ा से पुरक्यारा के हनुमान मन्दिर तक निकाली गई। इसमें सैकड़ों साईकिल क्लब व इनटेक के सदस्यों ने साईकिल चलाते हुए 'साईकिल चलाओ-धरोहर बचाओ' के नारे लगाते हुए लोगों में जनचेतना जाग्रत की। पुर में समाजसेवी राजेन्द्र पलोड़ ने स्वागत कर अल्पाहार की व्यवस्था की। क्लब के सदस्य सुनील जागेटिया ने बताया कि क्लब के सभी सदस्यों ने प्रतिदिन साईकिल चलाने व अपने मित्रों को साईकिल क्लब से जोड़ने का संकल्प लिया। क्लब सहसंयोजक लक्ष्मीनारायण डाड व इन्टैक के कन्वीनर बाबूलाल जाजू आदि ने आमजनों से अपने पुरखों की विरासतों को संरक्षण प्रदान करने की अपील की।

माहेश्वरी मंडल का हुआ सर्वसम्मति से गठन

सुधीर लड्ढा

अजय भट्टड़

मुरैना। स्थानीय माहेश्वरी मंडल का गठन स्थानीय माहेश्वरी भवन में सर्वसम्मति से किया गया। इसमें अध्यक्ष सुधीर लड्ढा, सचिव अजय भट्टड़, उपाध्यक्ष अशोक हुरकट, अतुल खटोड़, सचिव अतुल हरकुट, कोषाध्यक्ष मृदुल डांगरा, सांस्कृतिक कार्य संयोजक अशोक कोठारी व श्याम राठी, विधिक सलाहकार रामकुमार भट्टड़, निर्देशक सुभाष राठी, डॉ. विवेक राठी, डॉ. अवनीश लड्ढा, राहुल भट्टड़, सुनीत गांधी, मितेश भट्टड़ व वैभव गांधी चुने गये।

सातुड़ी तीज का हुआ आयोजन

जबलपुर। भादौ माह के तीसरे दिन मनाई जाने वाली तीज को सातुड़ी तीज कहा जाता है। इसमें विशेष रूप से सत्तू बनाया जाता है। यह व्रत कुंवारी लड़कियाँ अच्छे वर की प्राप्ति के लिये करती हैं और सुहागन स्त्रियाँ अपने पति की लंबी आयु के लिए यह निर्जल व्रत करती हैं। सातुड़ी तीज पर्व का सामुहिक आयोजन उषा माहेश्वरी के निवास कृष्णा हाइट्स में किया गया। इस अवसर पर निर्मला जेठा, आशा जेठा, दीप्ति जेठा, प्रियंका माहेश्वरी, उषा माहेश्वरी, ललिता पनपालिया, दीप्ति दरक, गीता जेठा, नेहा जेठा, तारा, अनिता, खुशबू, चंचल माहेश्वरी आदि माहेश्वरी समाज की कई महिलाएं उपस्थित थीं।

सावन की पिकनिक का आयोजन

बैंगलुरू। माहेश्वरी सभी बैंगलुरू द्वारा गोल्डन माईल क्लब में पिकनिक का आयोजन किया गया। प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण स्थल पर सुबह 9 से सायं 6 बजे तक 353 सदस्य परिवारों ने पूरे दिन विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्साह पूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में महिलाएं एवं बच्चों की काफी उपस्थिति थी। पूरे कार्यक्रम को सुनियोजित करने में व भोजन व्यवस्था में भरत जाजू, बस व्यवस्था में कैलाश काबरा, विनित बियानी, देवेंद्र सोनी एवं कार्यक्रमों की रूपरेखा में युवा संघ के दुर्गेश काबरा व उनकी टीम राजगोपाल भूतड़ा, अजय राठी, ललित मालानी, नवल किशोर मालू आदि की अहम भूमिका रही। विजेताओं को पुरस्कृत भी किया गया।

सर्वेश्वर गीता मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारी चयनित

हैदराबाद। सर्वेश्वर गीता मंदिर ट्रस्ट गोवर्धन के गत दिनों चुनाव सम्पन्न हुए। श्री गिरिराज अन्नक्षेत्र गोवर्धन की हैदराबाद शाखा के मंत्री वल्लभ तोष्णीवाल ने बताया कि जगद्गुरु निम्बाकाचार्य देवाचार्य व पीठाधीश्वर एवं संरक्षक राधामोहन शरणजी महाराज की उपस्थिति तथा रामप्रकाश वैद्य की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न हुई। इसमें हैदराबाद शाखा के अध्यक्ष नथमल डालिया सर्वेश्वर गीता मंदिर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष तथा हैदराबाद शाखा के कोषाध्यक्ष घनश्याम गिल्डा गीता मंदिर ट्रस्टी चुने गये। बैठक में रतनलाल लाड़सरिया, ब्रजगोपाल बल्दवा, सीताराम श्रीवल्लभ तोष्णीवाल, चंपालाल जाजू, जयप्रकाश लड्ढा सहित सभी सदस्य उपस्थित थे।

प्रो. नवनीत भोजराज लखोटिया (B. Arch.)

शुभकामनाओं सहित

98222 25172

अध्यक्ष, माहेश्वरी सेवा मण्डल, आकोट ▸▸ अध्यक्ष, मॉर्निंगस्टार मल्टीपर्पज एज्यूकेशन सोसायटी, आकोट
▸▸ अध्यक्ष, सेंट पॉल्स स्कूल्स, आकोट व हिवरखेड़ ▸▸ उपाध्यक्ष, गजानन मित्र मण्डल, अकोला
▸▸ कंस्ट्रक्शन एक्सीलेंस अवार्ड द्वारा 2010 में सम्मानित ▸▸ प्रदेश सदस्य, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी महाराष्ट्र राज्य
▸▸ शान्ति समिति सदस्य, पुलिस विभाग, अकोट ▸▸ सदस्य, रोटरी क्लब ऑफ अकोला ईस्ट ▸▸ सदस्य, क्रेडाई अकोला

अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन चुनेगा नया नेतृत्व

चुनाव कार्यक्रम तय ▶▶ 25 सितम्बर को देश के 16 शहरों में होगा मतदान

पुष्कर (राज.)। तीर्थ यात्रियों को संस्कृति के अनुरूप गौरवशाली आवास व्यवस्था उपलब्ध करवा रही समाज की संस्था अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन की वर्तमान कार्यकारिणी का कार्यकाल पूर्ण हो चुका है। अतः नवीन सत्र के चुनाव के लिये चुनावी सरगर्मी भी प्रारंभ हो गई है। इसके अनुसार आगामी 25 सितम्बर को देश के 16 शहरों में इसके नवीन नेतृत्व के चयन के लिये मतदान के द्वारा चुनाव सम्पन्न होगा।

अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन की चुनाव तैयारियों ने अंतिम रूप ले लिया है। गत दिनों सेवा सदन की सम्पन्न बैठक में विजयनगर के किशनगोपाल कोगटा मुख्य चुनाव अधिकारी नियुक्त किये गये। श्री कोगटा ने अपने सहयोगियों से विचार-विमर्श के बाद निष्पक्ष, शांतिपूर्ण तथा मतदाताओं के लिये सुविधाजनक मतदान को दृष्टिगत रखते हुए चुनाव कार्यक्रम घोषित कर दिया है। इस चुनाव में विजयशंकर मूंदड़ा-सरवाड़ा, जे. एम. बूब -जोधपुर, जगदीश कोगटा- भीलवाड़ा तथा कैलाशचंद्र काबरा-मकराना चुनाव अधिकारी की जिम्मेदारी निभा रहे हैं।

यह रहेगा चुनाव कार्यक्रम

सेवा सदन की प्रबंध कार्यकारिणी के समस्त पदों के चुनाव एक साथ ही होंगे। इसमें 16 अगस्त से 25 अगस्त तक प्रधान कार्यालय पुष्कर से प्रत्याशी नामांकन पत्र प्राप्त कर सकेंगे। नामांकन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 31 अगस्त है। नामांकन पत्रों की जांच के पश्चात 1 सितम्बर सायं 6 बजे स्वीकृत प्रत्याशियों की सूची का प्रकाशन होगा। 11 सितम्बर तक प्रत्याशी अपने नाम वापस ले सकेंगे। इसी दिन सायं 4 बजे अंतिम रूप से प्रत्याशियों की सूची प्रकाशित करते हुए सायं 5 बजे प्रत्याशियों की बैठक के साथ उन्हें चुनाव चिह्न का आवंटन होगा। मतदान 25 सितम्बर प्रातः 8 बजे से सायं 5 बजे तक होगा। चुनाव परिणाम इसी दिन रात्रि 9 बजे प्रधान कार्यालय पुष्कर से घोषित किया जाऐगा।

16 शहरों में मतदान केंद्र

सेवा सदन के सदस्य सम्पूर्ण राष्ट्र में निवास करते हैं। अतः उनकी सुविधा के लिये देश के 16 शहरों में मतदान केंद्र बनाये गये हैं। मतदाता केवल अपने क्षेत्र के मतदान केंद्र में ही मतदान कर सकेंगे। इस बार पुष्कर, जयपुर, जोधपुर, बीकानेर, नाथद्वारा, कोलकाता, दिल्ली, सूरत, अहमदाबाद, मुंबई, नाशिक, इंचलकरंजी, नागपुर, इंदौर व हैदराबाद आदि में मतदान केंद्र बनाये गये हैं। इनमें इनके परिक्षेत्र में आने वाले क्षेत्रों के मतदाता मतदान कर सकें। मतदाताओं की भारी संख्या को देखते हुए भीलवाड़ा में दो पृथक-पृथक मतदान स्थल बनाये गये हैं, जो सदस्य सेवा सदन में दर्ज पते से भिन्न किसी अन्य राज्य में निवासरत हैं, तो वे 20 अगस्त तक निवास प्रमाण के साथ चुनाव अधिकारी को मतदान स्थल परिवर्तन के लिये लिखित आवेदन दे सकते हैं। सेवा सदन द्वारा जारी परिचय-पत्र न होने की स्थिति में सदस्य वोटर आईडी, आधार, पेनकार्ड आदि कोई भी पहचान पत्र प्रस्तुत करते हुए 50 रुपए शुल्क जमाकर मतदान केंद्र पर मताधिकार पत्र प्राप्त कर सकेंगे।

बीकानेरियों ने मनाया श्रावणोत्सव

अमरावती। श्री बीकानेरी माहेश्वरी सामाजिक मंडल व बीकानेरी महिला मंडल के संयुक्त तत्वावधान में श्रावणोत्सव कई धार्मिक व मनोरंजक कार्यक्रमों के साथ मनाया गया। श्री बीकानेरी माहेश्वरी सामाजिक संगठन के अध्यक्ष गोविंददास दम्माणी व बीकानेरी महिला अध्यक्ष सविता डागा के नेतृत्व में पारिवारिक पिकनिक का आयोजन किया गया। सामाजिक मंडल के सचिव संजय डागा तथा महिला मण्डल सचिव अर्चना भैया के मार्गदर्शन में संजय डागा, प्रमोद दम्माणी, ब्रजेश सादाणी, लता मूंदड़ा ने कार्यक्रम का संयोजन किया। अतिथि के रूप में रामगोपाल दम्माणी, ग्वालदास लखोटिया, गोवर्धनदास दम्माणी, रमेश दम्माणी, गोविंददास दम्माणी, सुभाष राठी आदि मंचासीन थे। बीकानेरी परिवार के मेधावी विद्यार्थियों का पुष्पगुच्छ से अभिनंदन किया गया।

> "माँ भले ही पढ़ी-लिखी हो या ना हो,
> पर संसार का दुर्लभ और महत्वपूर्ण ज्ञान हमें
> माँ से ही प्राप्त होता है।"

सिंजारा कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पिपरिया। नखराली रचाओ हाथ साथ साथ उत्सव मनाने की परंपरा मिलना मिलाना की आदत बनाते हुए माहेश्वरी महिला परिषद ने तीज के उपलक्ष्य में सिंजारा कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान मेहंदी, नेलआर्ट, हेयरस्टाइल, मनोरंजक खेल के साथ चटपटे व्यंजनों का भी लुत्फ उठाया गया। माहेश्वरी महिला परिषद द्वारा माहेश्वरी भवन मोहता प्लाट में प्रदेश महिला परिषद की सहसचिव सरला भट्टर के मुख्य आतिथ्य, जिला सचिव आशा मालपानी, नगर महिला परिषद की सचिव अरूणा मूंदडा के विशेष आतिथ्य तथा सहसचिव साधना घुरका, कोषाध्यक्ष किरण हुरकट, पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष विमला भूतड़ा, पूर्व सचिव शोभा पलोड की विशेष उपस्थिति में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रूकमणी जावंधिया, राधिका बल्दुआ, कामाक्षी घुरका, शीलू भूतड़ा, शिवानी जावंधिया, नीलू जेठा, नुपूर राठी आदि ने महत्त्वपूर्ण योगदान दिया। कार्यक्रम का संचालन नीलम भूतड़ा व नीता राठी ने किया। इसी अवसर पर जिला महिला संगठन की नवर्निवाचित सचिव आशा मालपानी को पिपरिया महिला परिषद के पदाधिकारी सदस्यों ने शाल श्रीफल से सम्मानित किया।

दो प्रतियोगिताओं में सफलता

बैंगलोर. स्थानीय स्तर पर गत 15 अगस्त को आयोजित निबंध स्पर्धा में द्वितीय तथा "पिक एंड एक्ट" प्रतियोगिता में समाज सदस्य नटवर व डॉ. शैलजा भट्टड़ की सुपुत्री प्रगति ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

उन्नति बनीं जूनियर एम्बेसेडर

नागपुर. समाज की प्रतिभा कु. उन्नति सुपुत्री सीताराम राठी ने फुकुआका जापान के 28वें एशियन पेसिफिक चिल्ड्रन कन्वेंशन में भारत के जूनियर एम्बेसेडर के रूप में भाग लिया। इसके लिए भारत से कुल 6 बच्चों का चयन किया गया था। इनके साथ पीस एम्बेसेडर साहिल शाह हैदराबाद तथा चॅपरॉन गुजरात से जेसी मीनाक्षी भटनागर के साथ ये बच्चे शामिल हुए।

वृक्षों को बांधे रक्षा सूत्र

भीलवाड़ा. रक्षाबंधन के पर्व पर अप्रवासी भारतीय अस्मि चौधरी ने सभी छात्र-छात्राओं व बड़े-बुजुर्गों ने पुराने पेड़ों को बचाकर नये पौधे लगाने के लिए आह्वान किया। स्मृति वन में शालीन जैन, गौरी माहेश्वरी, केशव सोनी, आराध्य, प्रणय जाजू, कृष्णा चेचाणी, मनोज साहू ने पेड़ों को रक्षासूत्र बांधकर सुरक्षा का संकल्प लिया।

मुख्य प्रभारी, प्रभारी व पदाधिकारियों का हुआ सम्मान

भीलवाड़ा। श्री नगर माहेश्वरी सभा भीलवाड़ा के तत्वावधान में पहली बार महेश नवमीं व विविध आयोजनों में मुख्य प्रभारी, प्रभारी व पदाधिकारियों का सम्मान समारोह रोडवेज बस स्टैंड स्थित महेश छात्रावास में आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि अखिल भारतीय माहेश्वरी सभा पश्चिमांचल उपाध्यक्ष आर.एल. नौलखा थे। स्वागत उद्बोधन सभा अध्यक्ष कैलाश कोठारी ने दिया। समारोह में दक्षिणांचल प्रादेशिक माहेश्वरी सभा अध्यक्ष राधेश्याम सोमानी, देवकरण गग्गड़, राधेश्याम चेचाणी, रामेश्वर काबरा, जगदीश सोमानी, कृष्णगोपाल जागेटिया, ममता मोदानी, अनिल बल्दवा, कैदार जागेटिया, रमेश नामधरानी, राजेश तोष्णीवाल, प्रहलाद लड्ढा आदि मंचासीन थे। सभा मंत्री देवेंद्र सोमानी ने बताया कि इसमें श्रेष्ठ कार्य करने वाले 201 समाजजनों को सम्मानित किया गया। अंत में श्री नगर माहेश्वरी सभा के वर्ष 2009-2016 तक महेश नवमी के सफल आयोजन एवं रामेश्वरम भवन के निर्माण को गति प्रदान करने के लिए नगर अध्यक्ष कैलाशचंद्र कोठारी व नगर मंत्री देवेंद्र सोमानी का जिला सभा द्वारा सम्मान किया गया।

वरिष्ठजनों की उपेक्षा की गई

इस कार्यक्रम में अनेक पदाधिकारियों एवं पूर्व राजनीतिक पदाधिकारी को मंचासीन किया गया एवं उनके द्वारा प्रशस्ति पत्र भी दिलवाये गये। परंतु पुष्कर सेवा सदन के उपाध्यक्ष सत्यनारायण डाड व माहेश्वरी समाज सम्पत्ति ट्रस्ट के अध्यक्ष छीतरमल सोनी को न तो मंच पर स्थान दिया गया और न ही उनके द्वारा प्रशस्ति पत्र दिलवाया गया।

नवयुवक संघ भाग्यनगर ने ली शपथ

हैदराबाद। माहेश्वरी नवयुवक संघ, भाग्यनगर का शपथ ग्रहण समारोह गत दिनों आयोजित किया गया। सचिव कृष्णा तोष्णीवाल ने बताया कि इस अवसर पर संघ के पदाधिकारियों को शपथ दिलाई गई। मुख्य अतिथि के रूप में हरिप्रसाद चांडक, सम्मानीय अतिथि के रूप में गोपाल भट्टड़ तथा विशेष अतिथि के रूप में विनोद बंग उपस्थित थे। वर्ष 2016-17 की कमेटी में रौनक लोया अध्यक्ष, कृष्णा तोष्णीवाल सचिव, नवनीत झंवर कोषाध्यक्ष, श्रीनाथ राठी संयुक्त सचिव, मोहित बंग उपाध्यक्ष प्रोग्राम्स, हर्ष सारड़ा उपाध्यक्ष ट्रेनिंग, कृष्णकांत इन्नाणी उपाध्यक्ष मैनेजमेंट, कृष्णा राठी उपाध्यक्ष ग्रोथ एंड डेवलपमेंट, अनिरुद्ध लाहोटी डायरेक्टर प्रोग्राम्स, श्रेणिक सोनी डायरेक्टर ट्रेनिंग, गणेश जाजू डायरेक्टर मैनेजमेंट तथा मोहित बजाज डायरेक्टर ग्रोथ एवं डेवलपमेंट के रूप में शामिल हैं।

"यदि जीवन में लोकप्रिय होना है तो
सबसे ज्यादा 'आप' शब्द का, उसके बाद 'हम' शब्द का
और सबसे कम 'मैं' शब्द का उपयोग करना चाहिए।"

माहेश्वरी मंडल (उत्तर) ने की सावन की सैर

हैदराबाद. स्थानीय माहेश्वरी मंडल (उत्तर), माहेश्वरी महिला समिति एवं माहेश्वरी युवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में श्रावण मास के उपलक्ष्य में सावन की सैर का आयोजन गत 15 अगस्त को संगारेड्डी स्थित श्री वैकुंठापुरम (भगवान बालाजी मंदिर) में हुआ। उक्त मंदिर में भगवान बालाजी की 14 फीट ऊँची दिव्य मूर्ति विराजमान है। संयोजक लक्ष्मीकांत झँवर द्वारा कल्याणोत्सव की तैयारी की गई। महिला समिति की सरिता सोनी, सुनीता मंत्री व ममता सोनी द्वारा बच्चों, महिलाओं, दंपत्तियों तथा पुरुषों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विशाल बंग तथा सुमित बंग द्वारा मिनी ट्रेजर हंट का आयोजन किया गया। माहेश्वरी युवा समिति द्वारा तंबोला खेलाया गया। इस सैर में मंडल के लगभग 450 सदस्यों ने भाग लिया। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष राजेंद्रस्वरूप माहेश्वरी, मंत्री शिवप्रसाद चांडक, मंडल के संस्थापक अध्यक्ष ओमप्रकाश झंवर, पूर्वाध्यक्ष राधेश्याम मूंदड़ा, परामर्शदाता सत्यनारायण तोषणीवाल, रामकिशन सोमाणी, महिला समिति की पूर्वाध्यक्ष शकुंतला झंवर, लक्ष्मी भक्कड़, युवा समिति के अध्यक्ष श्यामसुंदर बियाणी, मंत्री नवल लड्ढा, सत्यनारायण लोहिया आदि मौजूद थे। सैर के सफल आयोजन में श्यामसुंदर तोषनीवाल, संजय मोदाणी, गोपाल तोषनीवाल, विनोद सोनी, विजयकुमार मंत्री, राजेश तापड़िया, सुरेशचंद्र भक्कड़ आदि का विशेष सहयोग रहा। दिल्ली मिठाईवाला, प्राइम डेंटल क्लिनीक, महेश बैंक, शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वेलर्स, विवाला ब्रेवरेज, राधिका प्लास्टिक्स, जय श्री गणेश इंटरप्राइजेस, नक्कोजी पैकेज्ड प्रोडक्ट्स ने विज्ञापन तथा प्रायोजक के रूप में सहयोग दिया।

मीत परिवार ने करवाया पंजाबी धमाल

इंदौर। समाज के सदाबहार सामाजिक क्लब 'माहेश्वरी मीत परिवार' द्वारा पंजाबी थीम पर 'पंजाबी धमाल–मीत दे नाल' का आयोजन भंडारी फॉर्म एंड रिसोर्ट्स पर किया गया। संस्थाध्यक्ष रूपेश- डॉ. दीप्ति भूतड़ा ने बताया कि इस आयोजन की रूपरेखा राजीव संतोष बिन्नाणी,जयप्रकाश रूबी बाहेती, राहुल खुशबू नागोरी व अंकित प्रिया सारडा द्वारा बनाई गयी। समन्वय मुकेश विनिता सारडा ने किया। इस दौरान क्लब के 150 कपल सदस्यों द्वारा पंजाबी पोशाख पहनी गई, जो चार कलर में विभाजित थी। पूरा रिसोर्ट ऐसा लग रहा था, मानो पंजाब का एक स्वरूप हो। विभिन्न प्रकार के पंजाबी गेम्स के साथ ही पंजाबी भांगड़ा पर सदस्यों द्वारा नृत्य किया गया, जिसको रितेश रूपम काकाणी द्वारा संचालित किया गया। विभिन्न प्रकार के गेम्स में जीते हुए प्रत्याशियों को परामर्शदाता घनश्याम रश्मि काकानी द्वारा इनाम वितरित किये गये। पंजाबी थीम पर आधारित विभिन्न व्यंजन की व्यवस्था मनीष सोनाली लाठी, संजय रश्मि मुछाल, आशीष भावना बाहेती, राजकुमार सीमा मालानी द्वारा की गयी। आभार डॉ.भावना उमेश सोमानी एवं नीरज संजना जाखेटिया द्वारा माना गया।

दिल्ली प्रदेश महिला संगठन के चुनाव सम्पन्न

दिल्ली। दिल्ली प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन के चतुर्थ सत्र के चुनाव गत दिनों सर्वसम्मति से सम्पन्न हुए। इसमें अध्यक्ष किरण लड्ढा, सचिव श्यामा भांगडिया, कोषाध्यक्ष राधा चांडक, संगठन मंत्री सुनीता मूंदड़ा, प्रचार-प्रसार उमा सोनी, प्रकल्प प्रमुख नीता माहेश्वरी, सांस्कृतिक मंत्री मधु मूंदड़ा, उपाध्यक्ष बबीता समदानी, आशा रांदड, सुधा डागा व पूनम तोषनीवाल, सह सचिव सुनीता झंवर, इंदु लड्ढा, वीना काबरा व अंजू सोमानी चुनी गई। संरक्षक मंडल में शर्मिला राठी, विनिता बियानी, उमा झंवर, मंजू मानधना तथा परामर्श समिति में प्रतिभा जाजू, सरोज दरगड़, ममता बागड़ी, नीता माहेश्वरी, आशा जैथलिया को शामिल किया गया।

घर को स्वर्ग बनाती है गीता

बेंगलुरू। स्थानीय माहेश्वरी सभा के अंतर्गत संचालित माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा ओंकलीपुरम स्थित माहेश्वरी भवन में आयोजित 'महाभारत संदेश' की सप्त दिवसीय कथा का आयोजन हुआ। इसमें अंतिम दिवस को कथावाचक गोविंददेव गिरिजी महाराज ने कहा कि भगवत गीता में हर आयु के व्यक्ति के लिए संदेश है। जीवन में हर बात का संतुलन हो यह गीता का सबसे पहला पाठ है। वह घर को स्वर्ग बनाती है। कथा के अंत में गोविंददेव गिरिजी महाराज ने महिला मंडल की सभी सदस्याओं को आशीर्वाद स्वरूप धार्मिक साहित्य भेंट किया तथा उपस्थित सभी सदस्यों ने पोथी की आरती की। आरती के बाद महाभारत कथा पोथी को विदाई दी गई। इस मौके पर माहेश्वरी सभा महिला मंडल सहित अन्य समाज के लोग भी उपस्थित थे।

> "रास्ते कहाँ खत्म होते हैं
> जिन्दगी के इस सफर में
> मंजिल तो वही है,
> जहाँ ख्वाहिशें थम जायें।"

दुर्ग माहेश्वरी सभा के चुनाव सम्पन्न

दुर्ग। सत्र 2016-19 हेतु दुर्ग जिला माहेश्वरी सभा के चुनाव पर्यवेक्षक छत्तीसगढ़ प्रदेश माहेश्वरी सभा के संगठन मंत्री अजय राठी एवं संयुक्त मंत्री राजेन्द्र डागा की उपस्थिति में सम्पन्न हुए। चुनाव अधिकारी सुखदेव राठी सी.ए. थे। अध्यक्ष पद हेतु राजकुमार गाँधी दुर्ग का निर्विरोध निर्वाचन हुआ। अध्यक्ष श्री गाँधी द्वारा अपनी कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमें मंत्री जगदीश चांडक गुण्डरदेही परिक्षेत्र, उपाध्यक्ष रमण काबरा बेमेतरा, हर्ष मंत्री भिलाई, लक्ष्मीनारायण चांडक साजा, कोषाध्यक्ष अभय माहेश्वरी भिलाई, संगठन मंत्री नरेश सोमानी दुर्ग, संयुक्त मंत्री राणा भूतड़ा दुर्ग, राजकुमार राठी गुण्डरदेही परिक्षेत्र, सुनील डागा बेमेतरा की नियुक्ति की गई।

माहेश्वरी को जोन ट्रेनर सर्टिफिकेट

दुर्ग। जेसीआई भिलाई के अध्यक्ष अंशुल जैन ने बताया कि गत 21 से 24 जुलाई तक नागपुर में आयोजित जेडटीव्हीएस अर्थात् "जोन ट्रेनर्स वर्कशॉप" में संस्था सदस्य प्रणय माहेश्वरी ने क्वालीफाई करके जोन ट्रेनर का सार्टीफिकेट प्राप्त करके जेसीआई दुर्ग भिलाई का नाम रोशन किया है। इसमें पूरे जोन एरिया से कुल 100 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था, जिसमें से मात्र 16 प्रतिभागियों का चयन हुआ है। संस्था सचिव आदित्य राठी ने बताया कि वर्ष 2016 की टीम ने श्री माहेश्वरी को उनकी प्रतिभा की असीम संभावनाओं को देखते हुए इस वर्ष के प्रारंभ से ही जेसी वीक डायरेक्टर के पद पर नियुक्त कर दिया था।

भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री जाजू का किया स्वागत

नागपुर. भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्याम जाजू, जनार्धन भगत झारखंड कृषि मंत्री व मनीष राय मुख्य सलाहकार गृहमंत्री छत्तीसगढ़ का नागपुर आगमन हुआ था। समाजसेवक व भाजपा व्यापारी आघाड़ी द.प. मीडिया प्रभारी शरद बागडी व लघु उघोग भारती के निशांत बिरला ने नागपुर हवाई अड्डे पर उनका स्वागत कर एनबीएसएस गेस्ट हाउस पर ठहराया। श्री जाजू ने श्री बागड़ी से सामाजिक गतिविधियों पर गहन चर्चा भी की।

विद्यालय को दान की करोड़ों की भूमि

पंधाना (खंडवा). युवा संगठन के प्रदेश संयुक्त सचिव रहे उमेशजुगल बाहेती व पूर्णिमा ने सेवा का इतिहास रच दिया। इन्होंने पंधाना में करोड़ों रुपये मूल्य की 3.5 एकड़ भूमि सरकार को कन्या स्कूल बनाने के लिए दान दे दी। इस पर बने स्कूल में 1000 से अधिक छात्राएं पढ़ रही हैं। गत 16 अगस्त को पंधाना में बने इस स्कूल का नामकरण जुगलकिशोर गंगाबिशन बाहेती शासकीय कन्या उमावि किया गया। दो मेधावियों को 1500-1500 रुपए की स्कॉलरशिप व कक्षाओं के लिये 10 पंखे भी बाहेती परिवार ने दिए।

किशोरी विकास शिविर का हुआ आयोजन

यवतमाल। स्थानीय माहेश्वरी भवन में जिला माहेश्वरी महिला संगठन की ओर से समाजसेवी विद्या लाहोटी वाशीम की विशेष उपस्थिति में किशोरी विकास शिविर आयोजित किया गया। वक्ता के रूप में डॉ. सुल्हाने, नीता मूंदड़ा तथा आशा लड्ढा ने मार्गदर्शन दिया। सुंदरम किशोरी विकास स्मरणिका का विमोचन भी इसी शिविर में श्रीमती लाहोटी, ज्योति बाहेती, आशा लड्ढा, सुधा राठी, जिलाध्यक्ष मंगल करवा, संध्या अटल एवं संपादिका सुरेखा बंग के करकमलों से किया गया। अंत में जिले के अवार्ड वितरीत किये गये। कार्यक्रम का संचालन जिला सचिव संध्या अटल ने किया।

> "जबसे मुझे पता चला है कि मेरा आत्मविश्वास मेरे साथ है,
> तबसे मैंने ये सोचना बन्द कर दिया कि कौन मेरे खिलाफ है।"

गुंजन मोदानी बनीं जिलाध्यक्ष

अममेर. जिला माहेश्वरी महिला संगठन के त्रैवार्षिक चुनाव में किशनगढ़ निवासी गुंजन मोदानी सर्वसम्मति से अध्यक्ष व अजमेर निवासी अनीता सोमानी सचिव चुनी गईं। अन्य पदाधिकारियों में माधुरी राठी व मधु काबरा उपाध्यक्ष, सुमन बांगड़ कोषाध्यक्ष, रेणु पोरवाल संगठन मंत्री, विष्णुकांता मंत्री व शशि छापरवाल सह सचिव चुनी गईं। पर्यवेक्षक मनीषा बांगला व साधना तोषनीवाल की देखरेख में ये चुनाव सम्पन्न हुए।

स्थानीय संगठनों का हुआ निर्वाचन

बृजमोहन मूँधड़ा

चाँदरतन मोहता

वन्दना बिन्नानी

शोभा भूतड़ा

आशीष मोहता

विजय मूँधड़ा

बाली. स्थानीय अंचल माहेश्वरी सभा, युवा एवं महिला संगठन के पदाधिकारियों का निर्विरोध चुनाव मुख्य चुनाव अधिकारी इंद्रकुमार मोहता एवं प्रवेश सभा के पर्यवेक्षक रमेशचंद्र झँवर के मार्गदर्शन में हुआ। इसमें बाली अंचल माहेश्वरी सभा में अध्यक्ष बृजमोहन मूंधड़ा, मंत्री चाँदरतन मोहता, उपाध्यक्ष गिरिराज रतन मोहता, सहमंत्री पवनकुमार मूंधड़ा, सुशील चाँडक, कोषाध्यक्ष पंकज सोमानी चुने गए। महिला मंडल में अध्यक्ष वंदना बिन्नानी, मंत्री शोभा मूंदड़ा, उपाध्यक्ष चित्रा माहेश्वरी, सरिता सोमानी, सहमंत्री निशा मूंधड़ा व सुनीता लड्ढा चुनी गईं। युवा संगठन में अध्यक्ष आशीष मोहता, मंत्री विजयकुमार मूंधड़ा, उपाध्यक्ष अनुभव डागा व गिरिराज मोहता, सहमंत्री कैलाशचंद्र बिहानी व राहुल माहेश्वरी चुने गए।

> "कभी-कभी 'गुस्सा' मुस्कुराहट से भी ज्यादा खास होता है, क्योंकि 'मुस्कुराहट' तो सबके लिए होती है मगर 'गुस्सा' सिर्फ उसके लिए होता है जिसे हम कभी 'खोना' नहीं चाहते।"

भगवान महेश का फलों से किया श्रृंगार

रायपुर. स्थानीय माहेश्वरी युवा मंडल द्वारा सावन के अवसर पर महेश छात्रावास भवन में भगवान शिव के अभिषेक व श्रृंगार का आयोजन किया गया। इसमें भगवान महेश का सर्वप्रथम गंगाजल, दूध, दही, शकर, शहद एवं भांग से अभिषेक के पश्चात "फलों से श्रृंगार" किया गया। मुख्य यजमान आदित्य-वंदना माहेश्वरी थे। राजेश तापड़िया, संदीप मर्दा, गोपाल बजाज, सूर्यप्रकाश राठी, सुरेश मूंदड़ा, आलोक बागड़ी, राजू मूंदड़ा, मनोज राठी, राजेश राठी, सत्येन माहेश्वरी, विजय केला, डॉ. रवि राठी सहित समस्त माहेश्वरी युवा मंडल परिवार उपस्थित थे। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी राहुल गोयदानी ने दी।

सावन मेला का हुआ आयोजन

बीकानेर. स्थानीय राधाकृष्ण मंडल द्वारा आयोजित तीन दिवसीय सावन मेला स्थानीय डागा चौक स्थित शिव शक्ति भवन में उल्लासपूर्ण सम्पन्न हुआ। प्रमुख आयोजक भवानी राठी व सह आयोजक माहेश्वरी समाज के स्थानीय मीडिया प्रभारी पवन राठी ने बताया कि इसका उद्घाटन प्रमुख उद्योगपति महावीर रांका एवं जुगल राठी ने किया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि नारायणदास दम्माणी महामंत्री बीकानेर जिला माहेश्वरी महासभा तथा समाजसेवी नवल राठी थे। तीन दिवसीय समस्त कार्यक्रमों व प्रतियोगिताओं का संचालन स्थानीय मीडिया प्रभारी श्री राठी ने किया। इस मेले में लगभग 40 वस्तुओं की स्टॉल्स लगाई गई। इसमें सभी प्रकार के घरेलू सामान ग्राहकों को उपलब्ध करवाये गये और बच्चों के लिए झूले व गेम जोन आदि की भी व्यवस्था की गई। मेले में प्रवेश निःशुल्क रखा गया। अंतिम दिन संस्था द्वारा सांस्कृतिक संध्या व पुरस्कार वितरण का कार्यक्रम रखा गया। स्मृति चिह्न भेंटकर समस्त आगंतुकों का स्वागत किया गया। मेले को सफल बनाने में सौरभ चांडक, सौरभ पेड़िवाल, मोहित चांडक, जया मोहता, कंचन राठी, पायल राठी, सुमित राठी आदि का विशेष योगदान रहा। ओमप्रकाश राठी, अशोक बागड़ी, याज्ञवल्क्य दम्माणी, नारायण दम्माणी, किशनगोपाल सोमानी, नारायण बिहाणी, घनश्याम कल्याणी, किसन दम्माणी, नवनीत बागड़ी आदि कई गणमान्यजन मौजूद थे।

महेश बैंक ने मनाया स्वतंत्रता दिवस समारोह

हैदराबाद. महेश बैंक के चेयरमैन पुरुषोत्तमदास मानधणा ने महेश बैंक के निजामशाही रोड स्थित प्रधान कार्यालय में 70वें स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजारोहण किया। कार्यक्रम में बैंक चेयरमैन इमीरेट्स रमेशकुमार बंग, वाइस चेयरमैन रामपाल अट्टल, निदेशक ओमप्रकाश जाखोटिया, सीए किशनगोपाल मणियार के साथ बैंक के वरिष्ठ प्रबंधक एवं बैंककर्मी उपस्थित थे। प्रबंध निदेशक उमेशचंद असावा ने कार्यक्रम का संचालन किया। वरिष्ठ अधिकारी ए. रामाराव ने बैंककर्मियों के लिये रामचरित मानस एवं गोस्वामी तुलसीदास के जीवन चरित्र पर आधारित एक प्रश्नमंच रखा जिसमें विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

तोषनीवाल सम्मानित

भीलवाड़ा. दिलीप तोषनीवाल को 15 अगस्त के मुख्य जिलास्तरीय समारोह में मुख्य सचेतक राजस्थान सरकार कालूलाल गुर्जर, कलेक्टर टीनाकुमार, एसपी प्रदीप मोहन शर्मा ने 'समाजसेवक' के रूप में सम्मानित किया। श्री तोषणीवाल माहेश्वरी सहयोग संस्थान के संस्थापक सरंक्षक भी हैं। इसके द्वारा भीलवाड़ा जिला के 50000/- से कम आय के परिवारों को आर्थिक सहयोग दिया जाता है। आप और भी कई समाजसेवी संस्थान से जुड़े हैं।

उद्यमी मेला ''क्षितिज'' का किया आयोजन

इंदौर. नारी सशक्तीकरण के इस दौर में महिलाओं द्वारा परिवार को आर्थिक संबल प्रदान करना समय की आवश्यकता बन गया है। उक्त विचार माहेश्वरी डीडवाना महिला मंडल (140 घर) द्वारा स्थानीय दस्तूर गार्डन में आयोजित वृहद उद्यमी मेला "क्षितिज 2016" में कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सुनीता माहेश्वरी ने व्यक्त किए। मुख्य अतिथि कर्मा लालावत व विशेष अतिथि शकुंतला मुछाल थीं। समाज सेविका चंद्रकांता सोमानी ने फीता काटकर मेले का उद्घाटन किया। संस्था अध्यक्ष उर्मिला मूंदड़ा ने अतिथियों का स्वागत किया। सचिव सुषमा मालू ने बताया कि इस मेले द्वारा संस्था को जो राशि प्राप्त हुई है, उसे जरूरतमंद विद्यार्थियों को बतौर सहयोग राशि के रूप में भेंट किया जाएगा। इस अवसर पर समाज को सदैव अपना योगदान देने वाली चंद्रकांता सोमानी एवं मंजू भलिका का सम्मान भी किया गया। विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे स्लोगन, स्कूटर सजाओ, नन्हें-मुन्ने का कमाल अभिनय बेमिसाल, बेस्ट ड्रामेबाज एवं नृत्य की अनोखी दुनिया डांस कॉम्पीटिशन आदि के विजेता रहे बच्चों व महिलाओं को पुरस्कृत भी किया गया। मेले में स्टॉल्स का संयोजन सुधा मालपानी, ज्योति मुछाल ने किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. वीणा सोनी ने किया। आभार सहसचिव आशा सिंगी ने माना।

पेड़ों का दुश्मन बना बिजली विभाग

भीलवाड़ा. प्रदेश में सड़क मार्गों व कॉलोनियों में आम लोगों में आवासगृहों के बाहर पेड़ लगाने के प्रति पिछले कुछ वर्षों से जबरदस्त उत्साह बढ़ा है, जिससे प्रदेश के शहर व कस्बों में हरियाली बढ़ी हुई दिखाई देने लगी है। पीपुल फॉर एनीमल्स के प्रदेश प्रभारी बाबूलाल जाजू ने आरोप लगाया कि बिजली विभाग बेतरतीब डाली गई बिजली की लाईनों से अड़ने वाली टहनियों को काटने के बजाय बड़े-बड़े विशालकाय पेड़ों को काट रहा है, जिससे लोगों में रोष व्याप्त है। जाजू ने कहा कि केन्द्र व राज्य सरकार शहरों को स्मार्ट सिटी बनाने की बड़ी-बड़ी बातें कर रही है दूसरी ओर लाइनों का जाल बेतरतीब तरीके से फैलता जा रहा है। इससे शहर की सुंदरता नष्ट हो रही है। जाजू ने सुझाव दिया कि लाइनों को भूमिगत डाली जानी चाहिए ताकि बड़े होते पेड़ों को काटे जाने से बचाया जा सके।

"यूँ ही नहीं मिलती राही को मंजिल, एक जुनून-सा दिल में जगाना पड़ता है... पूछा चिड़िया से कैसे बनाया आशियाना, तो बोली- भरनी पड़ती है उड़ान बार-बार, तिनका-तिनका उठाना पड़ता है।"

महिला संगठन ने आयोजित की धार्मिक यात्रा

इंदौर. श्री इंदौर जिला माहेश्वरी महिला संगठन की तीन दिवसीय श्री नाथद्वारा, सांवरिया, कांकरोली एवं चारभुजा दर्शन यात्रा 16 से 19 जुलाई तक आयोजित हुई। संस्था अध्यक्ष वीणा सोमानी ने बताया कि धार्मिक यात्रा 31 सदस्यों के साथ वातानुकूलित बस में 16 जुलाई को प्रातः 5.30 बजे इंदौर से शुरू हुई। इस पूरी यात्रा को रोचक बनाए रखने के लिए सुलेखा मालपानी, उषा काबरा, मीरा बंग, दीप्ति भूतड़ा, शीला काबरा, नम्रता बियानी, पूनम मालपानी, सीमा मालपानी ने पूरे समय योगदान दिया। तंबोला, अंताक्षरी, सामाजिक समस्याओं पर संगोष्ठी, बॉलीवुड थीम पर कैटवाक, डांस आदि आयोजन करवाए गए। संस्था सचिव प्रमिला भूतड़ा ने सभी सदस्यों तथा संयोजकों का आभार माना। इसमें अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्ष सुशीला काबरा, प्रदेशाध्यक्ष निर्मला बाहेती, उर्मिला झँवर, ललिता मालपानी, रमा शारदा, राधा लड्ढा आदि का विशेष सहयोग रहा।

सेवा गतिविधियों के साथ मनी महेश नवमी

हैदराबाद. माहेश्वरी मंडल हैदराबाद (उत्तर), माहेश्वरी महिला समिति एवं माहेश्वरी युवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में महेश नवमी के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये। सर्वप्रथम 5 जून को माहेश्वरी गॉट टैलेंट के ऑडीशन्स अभिषेक भक्कड़, यश डागा व अजय मूंदड़ा के संयोजन में आयोजित किये गए। 8 जून को नुमाईश मैदान में मृगशीरा नक्षत्र के अवसर पर बत्तिनी परिवार द्वारा अस्थमा रोगियों के लिए मछली प्रसाद वितरण के उपलक्ष्य में अल्पाहार एवं जल का वितरण किया गया। 12 जून को अमीरपेट स्थित श्री बालाजी राजस्थानी भवन में माहेश्वरी मंडल हैदराबाद (उत्तर) एवं महेश फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। महेश नवमी 13 जून के दिन प्रातः 7.15 बजे भव्य शोभा व कलशयात्रा निकाली गई। कलशयात्रा के संयोजक श्यामसुंदर तोषनीवाल, ओमप्रकाश झँवर (फैन), संतोष झँवर, अर्चना मर्दा थे। श्री वेंकटेश्वर मंदिर में 21 दंपत्तियों द्वारा भगवान महेश का रुद्राभिषेक किया गया। सूरज करण मर्दा ने मुख्य यजमान के रूप में भाग लिया। पुरुषोत्तमदास सोनी एवं गोपाल तोषनीवाल के नेतृत्व में प्रसाद गोष्ठी की व्यवस्था की गई। नयना गार्डन में महिलाओं के लिए विभिन्न स्पर्धाएँ रखी गईं। सायं 5 बजे फ्री तंबोला के साथ सायंकालीन कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर रामेश्वरदयाल काबरा (आरआर ग्लोबल राम रत्न समूह के चेयरमैन एवं अखिल भारतीय वनबंधु परिषद के संरक्षक) मुख्य अतिथि के रूप में, नंदकिशोर घुरखा (एमडी थर्मोपैड लिमिटेड) विशेष अतिथि के रूप में तथा गोपाल बल्दवा उपस्थित थे। महेश बैंक चेयरमैन पुरुषोत्तमदास मानधना, मंडल के पूर्वाध्यक्ष ओमप्रकाश झँवर, राधेश्याम मूंदड़ा, मंडल के पूर्व मंत्री कमलकिशोर मर्दा, विजय राठी, श्रीकिशन बियाणी आदि मौजूद थे। कुकटपल्ली स्थित श्री सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल में 140 छात्रों को स्कूल बैग किट का वितरण किया गया।

निःशुल्क चिकित्सा शिविर सम्पन्न

उदयपुर. महेश शैक्षणिक विकास समिति के तत्वावधान में गत 17 जुलाई को माहेश्वरी भवन श्रीनाथ मार्ग में एक दिवसीय निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर के संचालन में गोपाल गादिया, प्रहलादराय सोमानी, रमेशचंद्र मूंदड़ा, घनश्याम काबरा, मोहनलाल देवपुरा एवं जानकीलाल मूंदड़ा सहित अनेक समाजजनों का पूर्ण सहयोग रहा।

सावन मेला सम्पन्न

निम्बाहेड़ा. स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा सावन व तीज त्योहारों के आगमन पर सावन मेला आयोजित किया गया। आयोजन आदर्श कॉलोनी स्थित स्वामी विवेकानंद सामुदायिक केंद्र (कम्यूनिटी हॉल) में 6 से 8 अगस्त तक हुआ। शुभारंभ समाज के वरिष्ठ नंदलाल आगार व बालूराम बाहेती ने किया। चंद्रप्रकाश शारदा, दशरथमल गुप्ता, सुरेशप्रकाश शारदा, समाज अध्यक्ष ललितप्रकाश शारदा, महामंत्री नरेंद्रप्रकाश धूत सहित वरिष्ठजन व महिला मंडल सदस्याएँ मौजूद थीं। मेले में महिलाओं व त्योहारों से संबंधित वस्तुओं व चटपटी स्वादों से भरपूर सामग्री की 29 स्टॉल लगाई गईं।

> "ऊँचा उठने के लिए
> पंखों की जरूरत
> केवल पक्षियों को ही पड़ती है
> मनुष्य तो जितना
> विनम्रता से झुकता है
> उतना ही
> ऊपर उठता है।"

राठी अध्यक्ष, मालपानी सचिव

रतलाम. स्थानीय माहेश्वरी महिला संगठन के निर्वाचन माहेश्वरी भवन कसारा बाजार में जिलाध्यक्ष चंदा भंसाली व निवर्तमान जिलाध्यक्ष कृष्णादेवी मंडोवरा की उपस्थिति में सर्वसम्मति से वरिष्ठ अध्यक्ष शिक्षाविद् राजादेवी राठी को चुना गया। उपाध्यक्ष रमादेवी मालपानी, सचिव शशिकला मालपानी, कोषाध्यक्ष चंदादेवी राठी, सहकोषाध्यक्ष पुष्पादेवी बाहेती, सहसचिव कलावती सोनी, संगठन सचिव पुष्पादेवी राठी व प्रसार प्रमुख रीना असावा चुनी गईं।

स्वतंत्रता दिवस पर्व का हुआ आयोजन

बरेली. जिला माहेश्वरी सभा द्वारा स्वतंत्रता दिवस पर जिला उपाध्यक्ष शंशाक चाँडक के निवास पर शिवकुमार माहेश्वरी अध्यक्ष जिला माहेश्वरी सभा बरेली ने ध्वजारोहण किया। कार्यक्रम का संचालन अजय माहेश्वरी ने किया। अरविंद राठी, अशोक माहेश्वरी, शशांक चाँडक, अंशु माहेश्वरी आदि ने संबोधित किया। धर्मेंद्र माहेश्वरी, समीर माहेश्वरी, सचिन माहेश्वरी, संदीप जाखेटिया, ममलेश माहेश्वरी, अनुज माहेश्वरी, निकुंज माहेश्वरी आदि कई गणमान्यजन मौजूद थे।

> "माला की तारीफ तो करते हैं सब क्योंकि मोती सबको दिखाई देते हैं तारीफ उस धागे की करो जिसने सबको जोड़ रखा है।"

''कहाँ ले जाएगा नवोन्मेष'' विमोचित

जोधपुर. अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के संयुक्त मंत्री जुगलकिशोर सोमाणी की आज के बदलते हुए परिप्रेक्ष्य पर लिखी पुस्तक 'कहाँ ले जाएगा नवोन्मेष' का विमोचन महासभा की षष्ठम कार्यसमिति की जोधपुर बैठक में हुआ। जोधराज लड्ढा, पद्मश्री बंशीलाल राठी, रामपालजी सोनी, रामकुमारजी भूतड़ा, श्याम जाजू, रमेशजी बंग, रतनलाल नोलखा, रामगोपाल मूंदड़ा, विनोदकुमार माहेश्वरी, कामलकिशोर चांडक, राजेंद्रकुमार मंत्री आदि मौजूद थे। पुस्तक का वितरण महासभा के समस्त कार्यकारी मंडल सदस्यों को किया गया।

वन भोज के साथ मना स्वतंत्रता दिवस

लखनऊ. स्थानीय माहेश्वरी समाज द्वारा श्रावण मास के अंतिम सोमवार व स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर समाज बंधुओं में प्रेम, स्नेह, आपसी मिलन (गेट टू गेदर) एवं समरसता हेतु सामूहिक रूप से पिकनिक रूपी वन भोज आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में नगर की विभिन्न कॉलोनियों में रहने वाले लगभग सौ परिवारों ने उत्साह से भाग लिया। वनभोज का कार्यक्रम प्रातः 11 से शाम 5 बजे तक चला। विभिन्न आयु वर्ग के सभी लड़के, लड़कियों, महिलाओं, पुरुषों तथा वरिष्ठजनों हेतु विभिन्न स्पर्धाएँ रखी गईं। महत्वपूर्ण स्वतंत्रता संग्राम से संबंधित कई रोचक प्रतियोगिताएँ भी आयोजित की गईं। इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक सम्पन्न करने में गोविंद माहेश्वरी के नेतृत्व में नितिन माहेश्वरी, पंकज तोषनीवाल, प्रवीन तोषनीवाल, हनुमानप्रसाद लोया, गौरव माहेश्वरी, अभिषेक अटल एवं आशीष माहेश्वरी आदि का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम की सफलता में माहेश्वरी महिला मंडल लखनऊ की अध्यक्षा मधु तोषनीवाल एवं मंत्री मीना अटल ने भी विशेष रूप से योगदान दिया।

स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजारोहण

देवास. स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में ताराणी कॉलोनी चौराहे पर जनप्रतिनिधियों के साथ डॉक्ट्र्स एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. प्रमोद माहेश्वरी, वरिष्ठ समाजसेवी कैलाश डागा, वैश्य महासम्मेलन के जिलाध्यक्ष अशोक सोमानी, किराना व्यापारी एसो. अध्यक्ष राकेश गुप्ता, भाजपा नेता भरत चौधरी ने ध्वजारोहण किया। राहुल डागा व अनिकेत सोमानी ने अतिथियों का स्वागत दुपट्टे पहनाकर किया।

सांसद ओमकृष्ण बिड़ला का अभिनंदन

बूंदी. माहेश्वरी पंचायत संस्थान की ओर से जैतसागर रोड स्थित माहेश्वरी भवन में आयोजित समारोह में सांसद ओमकृष्ण बिड़ला का अभिनंदन किया गया। निर्वाचन के बाद पहली बार सामाजिक कार्यक्रम में हिस्सा लेने पर ढोल व नगाड़ों के साथ जिला माहेश्वरी सभा अध्यक्ष रेवती रमन बिरला, पंचायत अध्यक्ष जगदीश जैथलिया, सहसचिव संजय लाठी, कोषाध्यक्ष द्वारका जाजू, प्रचार मंत्री नारायण मंडोवरा, विनोद मंत्री ने 21 किलो की फूलमाला पहनाकर, साफे व शॉल श्रीफल से श्री बिड़ला का स्वागत किया। मंचासीन आयकर विभाग, सूरत के सहायक आयुक्त अरुण नकलक, नवनिर्वाचित महिला मंडल अध्यक्ष प्रेरणा न्याती व सचिव सोनल मूंदड़ा का भी पंचायत की ओर से पुष्पगुच्छ भेंटकर अभिनंदन किया गया। स्वागत भाषण पंचायत अध्यक्ष जगदीश जैथलिया ने दिया। कार्यक्रम का संचालन सचिव विजेंद्र माहेश्वरी ने किया। इससे पूर्व माहेश्वरी पंचायत संस्थान कार्यकारिणी व विभिन्न समितियों सदस्यों के अन्य संगठनों के पदाधिकारी व विशेष आमंत्रित सदस्यों की बैठक भी पंचायत अध्यक्ष जगदीश जैथलिया की अध्यक्षता में आयोजित हुई।

सकारात्मकता के लिये लगाया शिविर

हरदा. स्थानीय माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा गत 7 अगस्त को हरदा डिग्री कॉलेज में सुबह 11 बजे से सकारात्मकता शिविर आयोजित किया गया। इसमें प्रदेश उपाध्यक्ष मप्र राज्य समिति अरविंदो सोसायटी भोपाल के मनोज शर्मा द्वारा समाज के युवा साथियों को मानसिक शारीरिक विकास, एकाग्रता तथा नकारात्मक विचारों से दूर रहने के उपाय बताये गये। शिविर में माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष जयप्रकाश राठी, महिला मंडल अध्यक्ष निश्चला राठी, युवा मंडल अध्यक्ष गिरिराज तोतला, मुरलीधर मूंदड़ा, कौशल काबरा, सुनील कोठारी, भरत हुरकट, गणेश कचोलिया एवं राघव तोषनीवाल आदि मौजूद थे।

श्रावणी तीज का हुआ आयोजन

काटोल. राजस्थानी महिला मंडल द्वारा छोटी तीज के उपलक्ष्य में महेश भवन में कार्यक्रम रखा गया। इसमें सर्वप्रथम कृष्ण लीला प्रतियोगिता रखी गई। इसमें सुदामा-कृष्ण चरित्र व रासलीला के साथ ही भाषण प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। प्रमुख अतिथि लक्ष्मी जोशी का श्रीफल व शॉल से स्वागत किया गया। प्रतिभावान छात्र कार्तिक चाँडल व कनक चाँडक का स्वागत किया गया। कार्यक्रम को सफल करने में कीर्ति भूतड़ा, सचिव सुधा राठी, रेखा मूंदड़ा, शीतल भूतड़ा, वंदना नबीरा, सुशीला अग्रवाल, नरेश चाँडक, विभा चाँडक आदि मौजूद थीं।

होगा सेवल्या माता का जागरण

भीलवाड़ा. सोनी कोठारी परिवार की कुलदेवी श्री सेवल्या माता का वार्षिक रात्रि जागरण 7 सितंबर को होगा। साथ ही भजन संध्या भी होगी। भजन गायिका सुमन सोनी भीलवाड़ा व गोविंद माहेश्वरी एलन ग्रुप कोटा द्वारा प्रस्तुति दी जाएगी। 8 सितंबर सुबह 9 बजे साधारण सभा व कार्यसमिति की बैठक होगी। तत्पश्चात महाप्रसादी होगी। बाहर से आने वाले आगंतुक परिजनों की आवास व भोजन व्यवस्था 'सेवल्या कुंज' मंदिर परिसर के पास होगी।

जिला संगठन के चुनाव सम्पन्न

रतलाम. अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन की कार्यकारी मंडल सदस्य चंदादेवी भंसाली ताल में सम्पन्न जिला संगठन की बैठक में सर्वानुमति से अध्यक्ष चुनी गईं। इस अवसर पर वरिष्ठ महिला समाजसेवी मधुकांता सोमानी का सचिव तथा प्रेमलता काबरा का कोषाध्यक्ष पद हेतु सर्वसम्मति से चयन हुआ।

"त्याग और आपसी समझ
इन दो कार्यों से
जब रिश्तों में निखार आता है
तो लोग सालों नहीं
जन्म तक
साथ रह सकते हैं।"

इरेशा को 94 प्रतिशत अंक

मिरहची. समाज के वरिष्ठ मनोरमा एवं उपेंद्र माहेश्वरी की सुपौत्री एवं लखनऊ निवासी रितु-अंशु माहेश्वरी की सुपुत्री इरेशा माहेश्वरी ने आईसीएसई बोर्ड की दसवीं की परीक्षा 94.6 प्रतिशत अंक के साथ उत्तीर्ण की। इरेशा बरेली निवासी कुमकुम एवं कृष्ण काबरा की दोहिती हैं।

रसिका को 98 प्रतिशत अंक

जलगाँव (महाराष्ट्र). समाज की प्रतिभा रसिका चाँडक ने सीबीएसई दसवीं की परीक्षा 98.8 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की। रसिका ख्यात नेत्ररोग विशेषज्ञ डॉ. पवन व डॉ. सविता चांडक की सुपुत्री हैं। पढ़ाई के साथ-साथ वह नृत्य में भी कत्थक की परीक्षाएँ उत्तीर्ण कर चुकी हैं।

योगेश को 99 प्रतिशत अंक

शिवाकाशी (त.नाडु). समाज सदस्य कांताप्रसाद-सुलोचना लखोटिया के सुपुत्र योगेशकुमार लखोटिया ने तमिलनाडु बोर्ड की कक्षा दसवीं की परीक्षा 99 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की।

विवेक का एमबीबीएस में चयन

राजुरा (चंद्रपुर). समाज सदस्य राजेंद्रकुमार झँवर के सुपुत्र विवेक झँवर ने 12वीं की परीक्षा 96 प्रतिशत अंक के साथ उत्तीर्ण की है। इन्हें नागपुर के शासकीय मेडिकल कॉलेज में भी एमबीबीएस प्रथम वर्ष में प्रवेश मिला है।

धीरज बने सीए

मदनगंज-किशनगढ़. समाज सदस्य राजेंद्र-ज्योति मूंदड़ा के सुपुत्र धीरज मूंदड़ा ने सीए की फाइनल परीक्षा प्रथम प्रयास में ही उत्तीर्ण कर ली है। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया है।

पूजा को 91 प्रतिशत अंक

पालधी. समाजसेवी अनिल बसंतीलाल सोमाणी की सुपुत्री पूजा सोमाणी ने 12वीं वाणिज्य की परीक्षा 91 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की। इसमें उन्होंने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

श्रेयांश को ए-1 ग्रेड

उदयपुर. समाज सदस्य हरीश व रिंकू अजमेरा के सुपुत्र श्रेयांश ने सीबीएसई की सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा कॉमर्स संकाय के साथ सभी विषयों में ए-1 ग्रेड के साथ उत्तीर्ण की है।

सुमित लखोटिया बने सीए

संगरिया. समाज सदस्य गजानंद लखोटिया व मंजू लखोटिया के सुपुत्र तथा दुलमेरा निवासी स्व. श्री शिवभगवान करवा के दोहित्र सुमित लखोटिया ने सीए की परीक्षा उत्तीर्ण की है। वर्तमान में वे मुंबई में जॉब कर रहे हैं।

शाकुंत बने सीए

ग्वालियर. समाज सदस्य और माहेश्वरी मित्र मंडल ग्वालियर के सचिव अश्विनीकुमार सोमानी व बिरला नगर माहेश्वरी महिला मंडल की उपाध्यक्षा सीमा सोमानी के सुपुत्र शाकुंत सोमानी से सीए की परीक्षा उतीर्ण की। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष जताया है।

दीपक का एमएस में चयन

राजुरा (अमरावती). प्रतिष्ठित अनाज व्यापारी राजेंद्रकुमार झँवर के सुपुत्र दीपक झँवर एमएस की पढ़ाई के लिए अमेरिका रवाना हुए। उल्लेखनीय है कि उन्होंने 20 साल की आयु में ही बीई भी पूर्ण किया है।

शिवम को 95 प्रतिशत अंक

अकोला। समाज सदस्य विजय रांदड के सुपुत्र शिवम रांदड ने 10वीं कक्षा की परीक्षा में 95 प्रतिशत अंक प्राप्त किये।

डॉ. पीयूष एमएस में चयनित

जलगाँव (महाराष्ट्र). समाज की प्रतिभा डॉ. पीयूष का एमबीबीएस उपरांत पहले ही प्रयास में एमएस ऑप्थेल्मोलॉजी (नेत्र रोग) के लिए मनिपाल यूनिवर्सिटी में मेरिट के आधार पर चयन हुआ है। आप जलगाँव के ख्यात नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. पवन चाँडक एवं डॉ. सविता चाँडक के सुपुत्र हैं।

सुरभि लखोटिया बनी सीए

संगरिया. समाज सदस्य गजानंद लखोटिया एवं मंजू लखोटिया की सुपुत्री व दुलमेरा निवासी स्व. शिवभगवान करवा की दोहिती सुरभि लखोटिया ने प्रथम प्रयास में चार्टर्ड अकाउंटेंट की फाइनल परीक्षा बिना किसी कोचिंग के उत्तीर्ण की है। वे वर्तमान में दिल्ली में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं।

रजत बने सीए

भंडारा (महाराष्ट्र). जिला माहेश्वरी संगठन के उपाध्यक्ष दिलीप राठी के सुपुत्र रजत राठी ने गत दिनों सीए की अंतिम परीक्षा उत्तीर्ण कर ली। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया है।

सीए बने आदित्य

आगरा. जिला माहेश्वरी सभा आगरा के पूर्व मंत्री व पश्चिम उत्तरप्रदेश माहेश्वरी सभा के वर्तमान उपाध्यक्ष महेंद्र डागा के सुपुत्र आदित्य डागा ने सीए की आईपीसीसी के दोनों समूह की परीक्षा एकसाथ उत्तीर्ण की। आदित्य ने ये सफलता प्रथम प्रयास में ही प्राप्त की है।

तुषार को 96 प्रतिशत अंक

अमरावती। स्थानीय व्यंकटेश्वर कालोनी निवासी मनीषा व राकेश सारडा के सुपुत्र तुषार सारडा ने कक्षा 10वीं की परीक्षा 96.60 अंकों से उत्तीर्ण की। तुषार भविष्य में सीए बनना चाहता है।

विजित करेंगे ऑस्ट्रेलिया से एमबीए

अमरावती. ख्यात शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. विजयठाकुरदास राठी एवं मधु राठी के द्वितीय सुपुत्र विजित राठी ने गत दिनों ऑस्ट्रेलिया प्रस्थान किया। वे वहाँ की डीकोन यूनिवसिर्टी मेलबोर्न से स्पोर्ट्स मैनेजमेंट में 2 वर्षीय एमबीए कर रहे हैं।

रजत बने सीएम

भंडारा (महाराष्ट्र). जिला माहेश्वरी संगठन के उपाध्यक्ष दिलीप राठी के सुपुत्र रजत राठी ने सीए की परीक्षा उत्तीर्ण की है। इस उपलब्धि पर स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया गया।

नुपूर बनी सी.ए.-सी.एस.

जोधपुर। नुपूर फोफलिया सुपुत्री पुखराज-सुधा फोफलिया ने मात्र 21 वर्ष की आयु में सी.ए. व सी.एस. की परीक्षा उत्तीर्ण कर समाज का गौरव बढ़ाया। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों से हर्ष व्यक्त किया।

अनुज बने सीए

इंदौर। समाज सदस्य अनिल-सुनीता माहेश्वरी के सुपुत्र अनुज माहेश्वरी ने सी.ए. के दोनों ग्रुप मे एक साथ सफलता प्राप्त की एवं उच्च अध्ययन हेतु न्यूयार्क (यू.एस.ए.) गए हैं। समाजजन एवं स्नेहीजनो ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया है।

प्रगति को 94 प्रतिशत अंक

तिवसा (अमरावती). इस छोटे से गांव से प्रगति राठी ने 10वीं की परीक्षा 94 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की है। प्रगति समाज के वरिष्ठ गोवर्धन राठी व सरलादेवी राठी की सुपौत्री व योगेश और अनुराधा राठी की सुपुत्री हैं।

धनश्री को 90 प्रतिशत अंक

अमरावती। एलआईसी एजेंट हेमंत व शारदा लड्ढा की सुपुत्री धनश्री लड्ढा ने कक्षा 10वीं में 90 प्रतिशत अंक हासिल किये हैं।

प्रविषा को पीएच.डी. की उपाधि

कन्नौद (देवास). समाज के वरिष्ठ पुरुषोत्तम धूत की पौत्रवधू एवं श्री माहेश्वरी समाज कन्नौद के अध्यक्ष राजेश धूत की पुत्रवधू प्रविषा-भरत धूत ने उदयपुर (राजस्थान) के महाराणा प्रताप विवि से हार्टिकल्चर में पीएचडी की उपाधि प्राप्त की। प्रवीषा को इसके लिए डिपार्टमेंट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी नई दिल्ली से इन्सपायर फैलोशिप प्राप्त हुई थी। श्रीमती धूत एम.एससी हार्टिकल्चर में भी गोल्ड मेडलिस्ट रह चुकी हैं।

अनंत को 96 प्रतिशत अंक

मेरठ. अखिल भारतीय वर्षीय माहेश्वरी महासभा के पूर्व कार्यकारी मंडल सदस्य गिरिराज किशोर मूना के पौत्र तथा प्रशांत-शालिनी मूना के सुपुत्र अनंत मूना ने आईसीएससी बोर्ड की दसवीं की परीक्षा 96.6 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की है।

वनीशा को पीएमटी में 2532वीं रैंक

मनासा. समाज सदस्य सुनील और नीता झँवर की सुपुत्री वनीशा झँवर ने पीएमटी की परीक्षा में ऑल इंडिया में 2532वीं रैंक प्राप्त की है। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया है।

वैष्णवी को मिला मैरिट में स्थान

अमरावती। परतवाड़ा निवासी समाज की प्रतिभा वैष्णवी राठी ने 10वीं की परीक्षा में मैरिट में स्थान प्राप्त किया। वह कम्प्यूटर व्यवसायी इंजीनियर महेंद्र राठी की सुपुत्री हैं। इसमें वैष्णवी ने 93.80 प्रतिशत अंक प्राप्त किये हैं।

यश को 96 प्रतिशत अंक

अमरावती। शेयर ब्रोकर अजय व अर्चना मंत्री के सुपुत्र यश मंत्री ने कक्षा 10वीं की परीक्षा 96.60 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। यश को गणित व संस्कृत में 100 में से 100 अंक मिले हैं।

राहुल बने सीएस

हैदराबाद। समाज सदस्य ओमप्रकाश-कान्तादेवी काकाणी के सुपुत्र राहुल काकाणी ने मात्र 22 वर्ष की उम्र में सीएस की फाइनल परीक्षा उत्तीर्ण की। राहुल समाजसेवी व "श्री माहेश्वरी टाईम्स" प्रतिनिधि लक्ष्मीनारायण-सन्तोषदेवी काकाणी के भतीजे हैं। काकाणी परिवार एवं समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया है।

अनिकेत बने सीए

काटोल (महाराष्ट्र). समाज सदस्य हरीश व ममता नबीरा के सुपुत्र तथा रमनलाल व तेजकंवर नबीरा के पौत्र अनिकेत ने सीए की परीक्षा में सफलता प्राप्त की। समस्त स्नेहीजनों ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया।

अंजना बनी सीए

देवास। समाज सदस्य संजय-रंजना परवाल की सुपुत्री अंजना परवाल ने सी.ए. फाइनल के दोनों ग्रुप की एक साथ परीक्षा उत्तीर्ण की। इस उपलब्धि पर सभी स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

आनंद बने सीए

देवास। समाज सदस्य अश्विन एवं अर्चना परवाल के सुपुत्र आनंद परवाल ने बिट्स पिलानी से बी.टेक की उपाधि प्राप्त की। वे आगे बोरचेस्टर पोलेटेक्निक इंस्टीट्युट बोस्टन, यू.एस.ए. से रोबोटिक्स मे एम.एस. करेंगे। समाज एवं स्नेहीजनों ने उनकी इस उपलब्धि पर हर्ष जताया।

प्रतीक बने सीए

चंद्रपुर। समाज सदस्य शिवराज सारडा के पोत्र व सीए दामोदर एवं दुर्गा सारड़ा के सुपुत्र प्रतीक सारडा ने सीए की परीक्षा उत्तीर्ण की। इनकी सफलता पर समाजजन एवं मित्रों ने हर्ष व्यक्त किया है।

लड़के-लड़कियों के रिश्ते ढूँढना हुआ बेहद आसान
हमारी वेबसाइट है
इसका सही समाधान

High Status,
Middle Status,
NRI, Manglik, Non Manglik,
Biodata MBA, MCA, Doctor,
Engg. Biodata, CA, CS,
ICWA Biodata

Graduate,
Post Graduate Biodata
Professional Biodata
Businessman Biodata
Service Class Biodata

माहेश्वरी समाज के लिए
60 हजार से अधिक

जैन समाज के लिए
70 हजार से अधिक

अग्रवाल समाज के लिए
1 लाख से अधिक

Website
www.maheshwari.org
www.jain2jain.org
www.agrawal2agrawal.org

Registration Free

Registration Free

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें-

39/1, Old Rajendra Nagar, New Delhi-110060
Phones :011-25746867, M. : 093129 46867

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के

चुनाव की सरगर्मी तेज

आगामी 18 दिसम्बर को होंगे 28 वें सत्र के लिये कोलकाता में चुनाव-तैयारियाँ प्रारंभ

समाज का शीर्ष संगठन अ.भा. माहेश्वरी महासभा २७ त्रैवार्षिक सत्रों का पड़ाव पार करते हुए २८ वें सत्र में प्रवेश करने जा रहा है। इसके लिये आगामी २८ दिसम्बर को कोलकाता में चुनाव होंगे और समाज को मिलेगा अपना नवीन नेतृत्व।

अ.भा. माहेश्वरी महासभा समाज का शीर्ष संगठन तो है ही। साथ ही देश का भी सबसे पुराना और ऐसा गौरवशाली समाज संगठन है, जिसने स्वतंत्रता पूर्व ही नहीं बल्कि उसके बाद भी देश की आजादी को नई राह दिखाई है। उसके इस योगदानों का इतिहास गवाह है। सामाजिक स्तर पर महासभा ने सदैव समाज को सम्बल प्रदान करते हुए एकता के सूत्र में पिरोने का कार्य किया है। वर्तमान में समाज के हर वर्ग के हित के लिये संगठन कई योजनाओं का संचालन कर रहा है। अतः समाज के हर वर्ग की भी महासभा से अत्यधिक अपेक्षा है। इसीलिए हर कोई बेसब्री से इंतजार कर रहा है कि समाज का नवीन नेतृत्व कैसा होगा? क्या वह शिथिल पड़ रहे संगठन को पुनः गति प्रदान कर पाऐगा।

सर्वसम्मति के कयास के बीच चुनावी तैयारी

जोधपुर में गत दिनों अ.भा. माहेश्वरी महासभा की कार्य समिति तथा कार्यकारी मंडल की बैठक सम्पन्न हुई थी। इस बैठक में मतदान के बिना सर्वसम्मति से चुनाव करवाने का मुद्दा उठा था। इसके लिये एक समिति भी गठित की गई थी, जिसे 15 अगस्त तक सहमति बनाने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। वैसे अभी तक सर्वसम्मति से चुनाव हो जाऐं, इस दिशा में कोई प्रगति दिखाई नहीं देती। खैर यदि सर्वसम्मति बने या मतदान हो दोनों ही स्थिति में आगामी 18 दिसम्बर को महासभा की कोलकाता में चुनावी बैठक होना तय है। यदि चुनाव होते हैं, तो इसमें अध्यक्ष पद हेतु उम्मीदवार के रूप में पूर्व महामंत्री श्याम सोनी, रामावतार जाजू, रमेश बंग व रामगोपाल मूंदड़ा के शामिल होने की संभावना है।

महामंत्री का पत्र बना चर्चा का विषय

कलकत्ता में आयोजित होने जा रही आगामी 18 दिसम्बर की चुनावी बैठक की तैयारियाँ अपने अंतिम दौर में हैं। कार्यकारी मंडल के निर्णयानुसार इसके आयोजन का निर्णय लिया गया। बताया जाता है कि कार्यकारी मंडल की बैठक के पश्चात किसी भी मुद्दे पर सदस्यों को सूचना प्रदान करने की जिम्मेदारी महामंत्री की होती है। इसके लिये महामंत्री को सिर्फ कार्यकारी मंडल जिम्मेदारी सौंपता है, सभापति आदेशित नहीं करते। लेकिन इस बार सभापति ने न सिर्फ महामंत्री बल्कि महासभा के समस्त पदाधिकारियों को ही पत्र प्रेषित कर समस्त सदस्यों को चुनावी बैठक में उपस्थित होने की सूचना देने के लिये "आदेशित" किया है। नियमानुसार समाज संगठन में आदेशात्मक भाषा का उपयोग कोई भी पदाधिकारी किसी के लिये भी नहीं करता है। महामंत्री ने भी सभापति द्वारा प्राप्त सूचना पत्र को सदस्यों को प्रेषित किया, लेकिन उसमें आदेशात्मक लहजे को हटाकर विनम्रता पूर्ण शब्दों के साथ।

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा

अग्रिम सूचना

महासभा चुनाव 18 दिस. 2016

आयोजक कौन?

अ.भा. माहेश्वरी महासभा द्वारा चुनावी बैठक कलकत्ता में आयोजित करने का निर्णय लिया गया है और इसी को लेकर सूचना पत्र भी प्रेषित किये गये हैं, लेकिन सूत्र बताते हैं कि कलकत्ता में इस बैठक का आयोजन कौन करेगा? अभी यह तय नहीं है। न तो किसी संगठन ने इसके लिये अभी तक आमंत्रित किया है और न ही आयोजन की जिम्मेदारी ली है। महासभा के चुनाव एक बहुत बड़ी चुनौती होते हैं। इसमें आयोजन की व्यवस्था, सुरक्षा तथा आर्थिक व्यवस्था बहुत मुश्किल कार्य होता है। इनके बावजूद एकदम बिना किसी तैयारी के स्थान का चयन कर लेना, अनुभवहीनता का द्योतक है। यदि कोई संस्था इस चुनावी बैठक की जिम्मेदारी लेने के लिए तैयार नहीं हुई, तो क्या महासभा स्वयं इस जिम्मेदारी को वहन कर पायेगी ?

सम्मान समारोह पर भी उठा प्रश्न

महासभा की जोधपुर में आयोजित बैठक में महासभा के इतिहास में प्रथम बार समाज की कुछ विशिष्ट विभूतियों को "माहेश्वरी रत्न" सम्मान से नवाजा गया। यह सम्मान समारोह भी चर्चा का विषय रहा। इस सम्मान के मुद्दे पर महासभा में पूर्व में न तो कोई चर्चा की गई और न ही इसके लिये चयन समिति गठित की गई। फिर इसमें मेजर आकाश तापड़िया को इस सम्मान से नवाजे जाने पर भी प्रश्न खड़ा हुआ कि महासभा की ही एक संस्था द्वारा अप्रतीम शौर्य के लिये "कोठारी बंधु शौर्य पुरस्कार" प्रदान किया जाता है। क्या ऐसी स्थिति में मेजर तापड़िया को इस सम्मान से सम्मानित करना "कोठारी बंधु शौर्य सम्मान" की गरिमा को कम करना नहीं हैं ? इतना ही नहीं महासभा के ही एक पदाधिकारी ने "महेश रत्न" अवार्ड को "चांदी का" कहकर सम्मान के प्रतीक चिह्न को मूल्य के तराजू में तोलने का प्रयास भी किया।

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा

सभी माहेश्वरी बन्धुओं को

टैक्स-फ्री पेंशन और लाइफ कव्हर फ्री

LIC

भारतीय जीवन बीमा निगम

LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA

* सदस्य *
अभिकर्त्ता के लिए
कॉर्पोरेट क्लब
* Member *
Corporate Club
For Agents

Top of the Table Member

Sangita Maheshwari

Corporate Agent
Lat (U.S.A.)

Office : 305, "Shiv Om" Building, M.G. Road, INDORE (M.P.)

Phone : 0731-2538447, Mobile : 90989 88447

E-mail : sangitamaheshwari2950@gmail.com

सेवा सदन में चुनावी समर

कमल किशोर चाण्डक V/S जुगलकिशोर बिड़ला

समाज का शीर्ष सेवा संगठन अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन फिर चुनाव के मोड़ पर आ खड़ा हुआ है। सदन के आगामी सत्र के लिये अध्यक्ष पद हेतु मुख्य रूप से सेवा सदन कोषाध्यक्ष जोधपुर के कमल किशोर चांडक तथा चित्तौड़ के जुगल किशोर बिड़ला में चुनावी जंग होगी। आईये डालें, दोनों प्रत्याशियों पर एक नजर।

कमल किशोर चांडक

अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन के अध्यक्ष पद के प्रत्याशी जोधपुर निवासी कमलकिशोर चांडक क्षेत्र या प्रदेश ही नहीं बल्कि राष्ट्र स्तर पर समाज के बीच एक जाना माना नाम है। उनका लगभग सम्पूर्ण जीवन ही समाज के विभिन्न संगठनों से संबद्ध होकर सेवा के प्रति समर्पित रहा है। उन्हें समाज में एक दबंग समाजसेवी माना जाता है। आप व्यावसायिक रूप से ट्रेडिंग व्यवसाय से संबंधित रहते हुए भी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा में लम्बे समय तक कार्यकारिणी सदस्य, संयुक्त मंत्री, उपाध्यक्ष व प्रदेशाध्यक्ष रहे हैं। अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन को मंत्री के रूप में सेवा दे चुके हैं और कोषाध्यक्ष के रूप में सतत तीन सत्रों से अपनी सेवा दे रहे हैं। महासभा के वर्तमान सत्र में महामंत्री के कार्यालय संयुक्त मंत्री के रूप में भी सेवा दे चुके हैं।

ऐसे बढ़े थे सेवा पथ पर कदम

20 मई 1953 को खींवसर जिला नागोर (राज.) में श्री लक्ष्मीनारायण व हरिबाई चांडक के यहां जन्मे श्री चांडक का सम्पूर्ण जीवन ही चुनौतियों से गुजरा। शून्य से प्रारम्भ कर व्यवसाय को सुस्थापित करने के बावजूद भी समाज सेवा की भावना दब न पायी।समाज सेवा की ओर रूझान का श्रेय श्री चाँडक पूर्व सभापति पद्मश्री बंशीलाल राठी व अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन अध्यक्ष रामकुमार भूतड़ा को देते हैं। वर्ष 1987 में श्री भूतड़ा नागौर के समाज अध्यक्ष बने, तो उन्होंने इनकी क्षमता को पहचानते हुए इन्हें सचिव का पदभार सौंप दिया। फिर क्या था, दिशा मिली तो समाज सेवा की यात्रा चलती ही रही। अपने गांव के उपसरपंच व सरपंच भी रहे। वर्ष 1987 से सतत रूप से अ.भा. माहेश्वरी महासभा के कार्यकारी मंडल सदस्य बने और आज भी हैं। श्री चाँडक आदित्य विक्रम बिड़ला व्यापार सहयोग केन्द्र को सदस्य के रूप में भी अपनी सेवा दे रहे हैं। इसके अतिरिक्त श्री बद्रीलाल सोनी ट्रस्ट, बालचंद छात्रावास एवं रामस्नेही सम्प्रदाय खेड़ापा में ट्रस्टी के रूप में अपनी सेवा दे रहे हैं। बाँगड़ वेलफेयर सोसायटी (ब्यावर), बद्रीलाल सोनी माहेश्वरी शिक्षा सहयोग केन्द्र व सेठ गंगाधर बंशीलाल राठी छात्रावास (पुणे) तथा श्रीमती सीतादेवी जयनारायण जाजू माहेश्वरी छात्रावास (इन्दौर) को सदस्य के रूप में सेवा दे रहे हैं। इसके साथ ही आप श्रीमती हरिबाई चाँडक नेत्ररोग निवारण समिति (खींवसर) को व्यवस्थापक, रामसुख राठी उच्च माध्यमिक विद्यालय (खेड़ापा-जोधपुर) को आजीवन सदस्य, रामस्नेही सत्संग समिति (खेड़ापा-

जुगलकिशोर बिड़ला

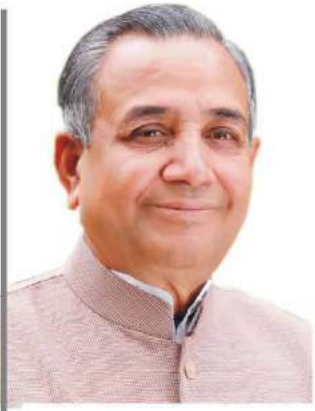

सेवासदन अध्यक्ष पद के दूसरे प्रमुख प्रत्याशी 66 वर्षीय चितौड़गढ़ (राज.) निवासी जुगलकिशोर बिड़ला समाजसेवी तो हैं ही लेकिन इसके साथ उनकी विशिष्ट पहचान एक उद्यमी के रूप में अधिक है। आप पूर्व के कार्यकाल में सेवा सदन को कई वर्षों तक एक कार्यकर्ता के रूप में अपना योगदान दे चुके हैं। आपकी विशिष्ट पहचान अ.भा. सेवा सदन के वर्तमान अध्यक्ष श्यामसुंदर बिड़ला के बड़े भाई होना भी है। अपने पारिवारिक समाजसेवा के माहौल व स्नेहीजनों के आग्रह ने श्री बिड़ला को सेवा पथ की ओर प्रेरित किया। इसी का नतीजा उनका इस चुनाव में अध्यक्ष के रूप में शामिल होना है।

उद्यम के साथ सेवा पथ

श्री बिड़ला ने वर्ष 1973 में बिट्स पिलानी से बी.ई. मेकेनिकल (ऑनर्स) की उपाधि प्राप्त की और वर्तमान में उद्यमी के रूप में "मीरा मार्बल्स प्रा.लि." चित्तौड़गढ़ का निदेशक के रूप में संचालन कर रहे हैं। श्री बिड़ला लघु उद्योग भारती चित्तौड़गढ़ शाखा के अध्यक्ष तथा विश्व हिंदू परिषद चित्तौड़गढ़ संभाग के कोषाध्यक्ष हैं। विहिप को आप जिला अध्यक्ष के रूप में अपनी सेवा दे चुके हैं। इसके साथ व्यावसायिक रूप से "मार्बल लघु उद्योग संस्थान चित्तौड़गढ़" के अध्यक्ष भी रहे हैं। अपनी इन व्यस्तताओं के कारण श्री बिड़ला समाज संगठनों को पद विशेष के द्वारा अपनी सेवा अधिक नहीं दे पाये, लेकिन प्रेरणा पारिवारिक माहौल सेवा का ही मिला। समाज संगठन में सक्रियता की सर्वप्रथम सेवा सदन में कोषाध्यक्ष रहे बड़े भाई नथमल बिड़ला से मिली। फिर वर्तमान में छोटे भाई श्यामसुंदर बिड़ला अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी भी निभा रहे हैं। इन स्थितियों ने श्री बिड़ला को भी सेवा पथ की ओर अग्रसर किया। वैसे किसी भी पद पर रहे बिना भी श्री बिड़ला किसी न किसी रूप में सेवा सदन सहित अन्य समाज संगठनों को भी अपनी सेवा देने का प्रयास करते रहे ही हैं।

जोधपुर) को अध्यक्ष, शाला सुधार समिति (खींवसर) को सदस्य तथा महेश गौसेवा समिति (खींवसर) को मंत्री के रूप में भी अपनी सेवा प्रदान कर रहे हैं।

व्यवस्थाओं को सुचारु बनाना ही लक्ष्य

अभी तक श्री चांडक के ग्रुप ने अपना घोषणा पत्र तैयार नहीं किया है लेकिन चर्चा में उन्होंने सेवा सदन की व्यवस्थाओं को चुस्त-दुरुस्त करने को अपनी प्रथम प्राथमिकता बताया। श्री चांडक ने बताया कि सर्वप्रथम सभी भवन का मेंटनेंस कर भोजन व्यवस्था आदि की कमियों को दूर किया जाएगा। इस नियंत्रण के लिये यह व्यवस्था की जाएगी कि सदन के पदाधिकारी नियमित रूप से भवनों का भ्रमण करते रहें, जिससे प्रबंधन पर नियंत्रण रहे। इसके लिए आधुनिकतम तकनीकों का भी उपयोग किया जायेगा। कमरों की आंतरिक व्यवस्था को और भी सुविधाजनक बनाते हुए 70 प्रतिशत कमरों को वातानुकूलित तथा टीवी से युक्त किया जाएगा। ऑनलाइन बुकिंग के बावजूद आम यात्रियों की सुविधा के लिये हर भवन पर स्क्रीन लगाई जाऐगी, जिस पर रिक्त कमरों की स्थिति प्रकट होगी। नये भवनों के निर्माण के प्रश्न पर श्री चांडक का कहना है कि हमारा लक्ष्य सर्वप्रथम तो अधूरे कार्यों को पूर्ण करना है। नासिक भवन को पूर्ण करते हुए नाथद्वारा में एक और भवन का निर्माण किया जाएगा। जोधपुर में एम्स के सामने निर्मित आरोग्य भवन को पूर्णकर उसे और भी सुविधाजनक किया जाएगा। दान में प्राप्त रामदेवरा भवन पर एक और मंजिल का निर्माण भी विचाराधीन है। यदि कार्यकाल में समय बचा तो तिरुपति व जगन्नाथपुरी में भवन निर्माण तथा पुष्कर में माहेश्वरी युनिवर्सिटी की स्थापना भी भावी योजना में शामिल है। कन्या संरक्षण के लिये संचालित प्रोत्साहन योजना में अभी तक मात्र 12 कन्याओं को एफडीआर प्रदान की गई है। 26 एफडीआर प्रदान करना बाकी है, जिन्हें सर्वप्रथम प्रदान करते हुए इस योजना को नियमित किया जाएगा।

यह है श्री चांडक की टीम

वरिष्ठ उपाध्यक्ष-
शरद मूंदड़ा (जोधपुर)
महामंत्री-
विष्णुगोपाल सोमानी (आमेट)
कोषाध्यक्ष-
भागीरथ हेड़ा (ब्यावरा)
उपाध्यक्ष-
रामअवतार जाजू (सूरत)
शंकर बाहेती (अहमदाबाद)
सत्यनारायण डाड (भीलवाड़ा)
अमरचंद रांदड़ (मकराना)
मंत्री-
ताराचंद सायला (बाड़मेर)
ओमप्रकाश लाहोटी (जोधपुर)
आज्ञाराम पेड़ीवाल (बीकानेर)
जगदीश राठी (रिया)
प्रचार मंत्री-
मधुसूदन मालू (पुष्कर)

श्री बिड़ला का सपना

श्री बिड़ला अपनी चुनावी तैयारी लगभग पूर्ण कर चुके हैं। इसके अन्तर्गत उन्होंने अपने सभी सहयोगियों के साथ मिलकर अपने तथा अपनी टीम के सदस्यों के सपनों को दिया है, घोषणा-पत्र का रूप। आइये डालें, इन पर एक नज़र...

- सेवा सदन में पारदर्शिता के साथ आधुनिक सोच के अनुसार सभी शाखाओं का रख रखाव व सुविधा जिससे समाज का अधिकाधिक आकर्षण सदन के प्रति हो।
- सेवा सदन के आजीवन सदस्यों को विशेष सुविधाएं मुहैया कराने के लिये निर्णय करके लागू करना।
- सेवासदन के अधिक से अधिक कार्य ऑनलाइन के माध्यम से किये जाएंगे, जिससे पारदर्शिता रहे जैसे ऑन लाईन बुकिंग, एकाउंटिंग, मेम्बरशिप डोनेशन, कमरों की बुकिंग। भविष्य में ऑनलाईन चुनाव कराने के लिये भी निर्णय करके लागू करवाना।
- सभी भवनों में अत्याधुनिक रेस्टोरेंट प्रारंभ करवाना जिससे यात्रियों व बंधुओं को गुणवत्ता युक्त भोजन व नाश्ते की उपलब्धता हो।
- तिरुपति व पुरी में भव्य भवनों का निर्माण
- अहमदाबाद में जोधपुर जैसा आरोग्य भवन का निर्माण।

बिड़ला पैनल के अन्य प्रत्याशी

वरिष्ठ उपाध्यक्ष-
शिवरतन मानधना (जोधपुर)
महामंत्री-
रमेश छापरवाल (मकराना)
कोषाध्यक्ष-
दिनेश झंवर (जोधपुर)
उपाध्यक्ष-
अमृतलाल मूंदड़ा (सिलवास)
प्रहलाद शाह (जोधपुर)
कैलाश मूंदड़ा (भीलवाड़ा)
मुरलीधर झंवर (नोखा)
मंत्री-
जयकिशन बल्दवा (ब्यावर)
सोहनलाल मूंदड़ा (सूरत)
कैलाश सोनी (जयपुर)
भगवान बंग (परबतसर)
प्रचारमंत्री-
राधेश्याम मणियार (अहमदाबाद)

श्री गट्टानी के निधन से चांडक पैनल में शोक की लहर

चुनावी तैयारी में जुटी कमलकिशोर चांडक की टीम को एक भारी आघात लगा है। उनकी टीम पूरे समर्पित भाव से चुनाव प्रचार में जुटी हुई थी, ऐसे में मंत्री पद के प्रत्याशी 66 वर्षीय नोखामंडी (बीकानेर) निवासी श्री बजरंगलाल गट्टानी का हृदयाघात से अचानक देहावसान हो गया। उस समय वे चुनाव-प्रचार के दौरान श्री चांडक के जोधपुर स्थित आवास पर रात्रि विश्राम के लिए रुके हुए थे। इस अकल्पनीय व असामयिक घटना ने पूरे ग्रुप को शोक की लहर में डूबो दिया। स्व. श्री गट्टानी अत्यंत हंसमुख व समर्पित समाजसेवी थे। वे वर्ष 2003 से अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन की कार्यकारिणी से संबद्ध होकर अपनी सतत सेवा दे रहे थे। नोखा नगर पालिका के पूर्व पार्षद भी रहे। राजनीतिक रूप से भारतीय जनता पार्टी से संबद्ध थे। समाजसेवा के अंतर्गत कई संगठनों से स्व. श्री गट्टानी समर्पित भाव से जुड़े हुए थे। स्व. श्री गट्टानी का अंतिम संस्कार देहावसान के अगले दिन 26 अगस्त को नोखा में हुआ। अ.भा. माहेश्वरी महासभा के महामंत्री रामकुमार भूतड़ा, कमलकिशोर चांडक, शरद मूंदड़ा, विष्णुगोपाल सोमानी, भागीरथ हेड़ा, अमृतचंद रांदड, सुनील मूंदड़ा, केशरीचंद तापड़िया, प्रदेशाध्यक्ष सोहनलाल गट्टानी, जिलाध्यक्ष रामेश्वरलाल भूतड़ा, नोखा नगर पालिका अध्यक्ष नारायणलाल झंवर, पूर्व मंत्री कन्हैयालाल झंवर आदि कई गणमान्यजनों ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए स्व.श्री गट्टानी को अंतिम विदाई दी। अ.भा. माहेश्वरी सभा के पूर्व सभापति पद्मश्री बंशीलाल राठी, पूर्व महामंत्री श्याम सोनी, कोठारी शौर्य स्मृति सम्मान समिति के प्रबन्ध न्यासी घनश्याम करनानी आदि ने भी श्री गट्टानी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

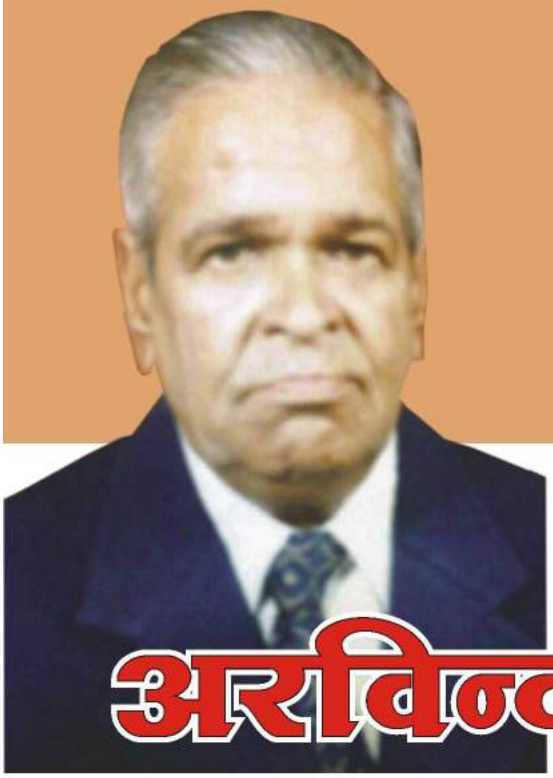

रक्तदान वह महादान है, जो अकाल मृत्यु के ग्रास बन रहे व्यक्ति को नवजीवन दे सकता है। इंदौर के अरविंदकुमार आगार ने २०१ बार रक्तदान कर रक्त की कमी से दम तोड़ते सैकड़ों लोगों को मौत के मुंह में जाने से बचाया। रक्त के इन महादानी का गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड ने भी नाम दर्ज कर सम्मान किया है। वे सम्पूर्ण विश्व में सर्वाधिक बार रक्तदान करने वाले के रूप में प्रतिष्ठित हो चुके हैं।

जीवनदान से बनाया गिनीज बुक रिकॉर्ड

अरविन्दकुमार आगार

माहेश्वरी समाज दान में हमेशा ही आगे रहा है। इसी शृंखला में जब रक्तदान की बात हो तो इसमें भी माहेश्वरी समाज ही अग्रणी है। संभवतः देशभर में रक्तदान करने वालों में अल्पसंख्यक होने पर भी सबसे आगे माहेश्वरी समाजजन ही हैं। इसमें भी यह समाज के लिए गर्व का विषय हैं इंदौर निवासी अरविंदकुमार राठी। श्री राठी एक ऐसे रक्त के महादानी हैं, जिन्होंने विश्व में सर्वाधिक बार रक्तदान करने का रिकॉर्ड बनाया है। इसके साथ ही लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में तो उनका नाम कई बार दर्ज हो चुका है।

पैतृक रूप से मिले सेवा के संस्कार

श्री आगार का जन्म 12 नवंबर 1939 को ख्यात समाज सुधारक स्व. श्री श्रीनिवास आगार के यहाँ हुआ। स्व. श्री आगार एक ऐसे समाज सुधारक थे, जिन्हें समाज द्वारा बहिष्कृत भी कर दिया गया, लेकिन वे अपने मार्ग से हटे नहीं। पिताजी से प्रभावित होकर काका श्रीराम आगार स्वतंत्रता आंदोलन में शामिल हो गए और कई बार जेल भी गए। देश के स्वतंत्रता आंदोलन में शामिल हो गए और कई बार जेल भी गए। देश के स्वतंत्र होने के बाद काका श्री आगार ने समाजसेवा का मार्ग चुन लिया। वे स्थानीय अस्पतालों से संबद्ध होकर वहाँ भर्ती जरूरतमंद रोगियों की सेवा करते थे।

काका से ही मिली रक्तदान की प्रेरणा

यह वह दौर था जब लोग अपने निकट संबंधियों के लिए भी रक्तदान करने में कतराते थे। ऐसे में रक्त की कमी होने पर रोगी की जान पर भी आ बनती थी। अस्पतालों में सेवा के दौरान काकाश्री को ऐसे जरूरतमंद रोगी भी मिलते थे। उन्होंने "लोग क्या कहेंगे" की परवाह किये बिना 15 बार रक्तदान किया। अपने काका के साथ श्री आगार ने भी अस्पतालों में रक्त की कमी से जूझते लोगों की पीड़ा को निकट से देखा। उनके अंदर यह भाव उत्पन्न हुए कि पीड़ित मानवता के लिए जो बने, वह अवश्य ही करना चाहिये।

जन्मदिवस पर किया प्रथम बार रक्तदान

12 नवंबर 1959 का दिवस श्री आगर के लिए यादगार है। इस दिन उनका 20वाँ जन्मदिवस था। आम तौर पर लोग पानी की तरह पैसा बहाकर जन्मदिवस मनाते हैं, लेकिन श्री आगार इस दिन भी अस्पताल में सेवा कार्य कर रहे थे। इसी दौरान उन्हें एक 8 वर्षीय बालक अस्पताल में भर्ती मिला, जो रक्त की कमी के कारण जीवन व मृत्यु के बीच संघर्ष कर रहा था। श्री आगार ने उस बालक के लिये प्रथम बार रक्तदान किया और इसके बाद उन्हें जो सुकून मिला उसी का परिणाम है कि यह रक्तदान की यात्रा सतत चलती ही चली गई। जब माता श्रीमती सावित्री देवी को इस बात का पता चला, तो उनकी प्रसन्नता की भी सीमा ही न रही। इन सभी स्थितियों ने उन्हें प्रोत्साहित किया। प्रेरणा की इस कड़ी में उनके मामाजी श्रीराम सोनी तथा धर्मपत्नी मनोरमा आगार भी शामिल हैं, जिन्होंने हर कदम पर सम्बल दिया।

राष्ट्र के लिये भी रक्तदान

रक्तदान का जो अभियान श्री आगार ने प्रारंभ किया, इसमें उनकी प्रेरणा से कई और लोग भी सम्बद्ध होते ही चले गये। देश पर आई विपदाओं के दौरान भी आपने रक्तदान कर उच्च कीर्तिमान स्थापित किये। वर्ष 1962 में हुए भारत-चीन युद्ध तथा वर्ष 1971 के भारत-पाक युद्ध के दौरान घायल सैनिकों के लिए न सिर्फ अपने साथियों सहित रक्तदान किया बल्कि इसके लिए अन्य लोगों को प्रेरित भी किया। वर्ष 1984 में भोपाल (मप्र) में भीषण गैस त्रासदी हुई, जिसने हजारों लोगों को मौत का ग्रास बना दिया और लाखों लोग बुरी तरह प्रभावित हुए। इस स्थिति में भी श्री आगर अपनी पूरी टीम के साथ लोगों को रक्तदान से जीवनदान देने में जुटे रहे। इसके साथ ही ऐसे कई अवसर रहे हैं, जब जीवन रक्षा के लिए रक्त की जरूरत पड़ी, तो ऐसी हर स्थिति में श्री आगार उपस्थित ही रहे। आपने स्वयं ने तो रक्तदान के साथ ही मरणोपरांत नेत्र व गुर्दा आदि अंगों के दान की घोषणा भी की है।

कई संस्थाओं ने किया सम्मान

समय-समय पर विभिन्न सामाजिक संस्थाओं द्वारा सम्मानित किया गया। इनमें श्री सत्यसाईं सेवा समिति (1986), इंदौर कल्चर्स क्लब, प्रतिभा मेला (1984), सिंधु सोशल आर्गेनाईजेशन, मानव सेवा समिति, नागरिक रक्तदान समिति वडोदरा, कर्नाटक सरकार के डायरेक्टोरेट ऑफ यूथ सर्विसेस एंड स्पोर्ट्स (1985), अखिल भारतीय कौमी एकता कमेटी यूथविंग, इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी उज्जैन, श्री माहेश्वरी युवजन सभा इंदौर, अंतरराष्ट्रीय युवा वर्ष के अंतर्गत देश के उद्योगपति स्व. श्री घनश्यामदास बिड़ला की स्मृति में अहिल्या अवार्ड, मानवता पर अहिल्या यूथ फेडरेशन द्वारा, जेसीस सनावद, महेश जयंती पर युवा संगठन माहेश्वरी इंदौर, लायंस क्लब देवास, स्टेट बैंक ऑफ इंदौर व देवास द्वारा माहेश्वरी युवा संगठन भोपाल, माहेश्वरी समाज जावद, नीमच, अहमदाबाद, न्यू बजरंग मंडल, आदर्श होल्कर विज्ञान कॉलेज इंदौर, महावीर जैन सेवा समिति, नेमीनगर गृह निर्माण मंडल, मालव जेसीज, लायंस क्लब इंदौर वेस्ट, लायंस क्लब बड़वाल, बदनावर आदि कई संस्थाएँ शामिल हैं। अक्टूबर 1993 को रजत पदक से पश्चिमी बंगाल के राज्यपाल केवीआर रेड्डी ने सम्मानित किया। इस भव्य आयोजन का प्रसारण कोलकाता दूरदर्शन एवं आकाशवाणी केंद्र से भी हुआ। आपका सम्मान जालंधर दूरदर्शन केंद्र से लुधियाना में भी किया गया। आकाशवाणी व दूरदर्शन द्वारा रक्तदान की प्रेरणा को लेकर कई बार श्री आगार के साक्षात्कार का प्रसारण भी हो चुका है।

रक्तदान का विश्व कीर्तिमान

वर्ष 1959 में प्रारंभ हुई श्री आगार की रक्तदान की यात्रा सर्वाधिक रक्तदान के लिये 5 बार वर्ष 1993, 94, 96,97 तथा 98 में लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्डस में दर्ज हो चुकी है। पुस्तक महल दिल्ली द्वारा प्रकाशित गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में तो वर्ष 1991-92 में ही आपका नाम दर्ज हो गया था। वर्ष 2000 में 197 बार रक्तदान के लिए "गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्डस" में भी नाम दर्ज हो चुका है। इस रिकॉर्ड के बाद भी आपकी रक्तदान की यात्रा थमी नहीं। अंतिम और 201वीं बार आपने लगभग 62 वर्ष की अवस्था में 30 जुलाई 2001 को रक्तदान किया। रक्तदान की अपनी पूर्ण यात्रा में श्री आगार कुल 84 किलो 450 ग्राम रक्त को जीवन रक्षा के लिए दान कर चुके हैं।

रक्तदान का जगाया अलख

श्री आगार ने संस्था आईसीएस, इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी, लायंस क्लब ऑफ इंदौर, रोटरी इंटरनेशनल, जेसीस, संस्था एक पहल, मप्र रक्त संचार समिति, इंदौर मप्र वालंटियर ब्लड डोनर एसोसिएशन तथा स्टेट बैंक ऑफ इंदौर (अब इंडिया) आदि के माध्यम से 5 लाख बॉटल रक्त एकत्र कर चुके हैं। इसके लिए विभिन्न संस्थाओं के माध्यम से आपने 5 हजार से अधिक रक्तदान शिविर आयोजित किये हैं। रक्तदान के लिये पूरे देश के लगभग 50 लाख से अधिक लोगों को संगठन से सम्बद्ध भी किया। विभिन्न सेमिनार, फिल्म शो, स्वास्थ्य कार्यक्रम, पोस्टर्स, स्टीकर्स आदि के द्वारा 3 करोड़ से अधिक लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित किया। एड्स के लिए हुए लगभग 4 हजार रक्त परीक्षणों में भी श्री आगार ने सहयोग दिया।

आगार के पदचिह्नों पर परिवार

श्री आगार का धर्मपत्नी मनोरमा आगार, पुत्र अभय व आशुतोष तथा पुत्री अनुभा शारदा व अनीता माहेश्वरी (भूतड़ा) तथा पौत्र-पौत्री व नाती-नातिन आदि का भरापूरा परिवार है। रक्तदान के उनके संस्कारों का असर पूरे परिवार पर है। पुत्र अभय व आशुतोष भी उनके ही पदचिह्नों पर चल रहे हैं। वे भी कई बार जरूरतमंदों की जीवन रक्षा में योगदान दे चुके हैं।

Net Protector
NP AV
Total Security
PC, Laptop, Tablet, Mobile
Total सुरक्षा
Call :
9272707050 / 9822882566
india antivirus .com

Computerised Horoscope
Most Advanced Mathematical Software in India
Windows based Software
- Accurate Calculations
- Accurate Charts
- Full Screen VIEW Facility
- Use any printer - Dot Matrix or Inkjet or Laser.

Choice of 6 Languages
English
Marathi
Hindi
Gujarati
Kannada
Telugu

Call : 9225664817
020-65601926
Kundali 2012
www.kundalisoftware.com

सोलह श्राद्ध शास्त्रों के अनुसार पितृ पर्व है, जिसमें पितृों को तृप्त कर सम्पूर्ण परिवार के मंगल की कामना की जाती है। यह वह पर्व है, जिसमें जीवन के सभी अमंगल को हरण करने की क्षमता है। वर्तमान दौर में भी यह पूर्ण वैज्ञानिक आयोजन है। आईये देखें कैसे?

पितृ आशीर्वाद से मंगलकामना का पर्व श्राद्ध पक्ष

सनातन धर्म की परंपराओं में भादौ महीने की पूर्णिमा से आश्विन माह की अमावस्या तक कुल 16 दिनों के श्राद्ध पक्ष में पूर्वजों को यादकर उनके सुख और शांति के लिए श्राद्ध कर्म कर उनसे स्वयं के जीवन के कष्टों को दूर करने की भी कामना की जाती है। इन 16 दिनों तक सामान्यतः अपने पितृ की मृत्यु तिथि के अनुसार श्राद्ध कर्म किया जाता है। इसके साथ ही उन्हें प्रसन्न कर सम्पूर्ण परिवार के मंगल की कामना की जाती है। यह श्राद्ध कर्म प्राचीन काल से सतत रूप से चला आ रहा है।

आधुनिक संदर्भ में श्राद्ध

वस्तुतः श्राद्ध अपने पूर्वजों तथा माता-पिता, मातामही एवं पितामह का श्रद्धापूर्वक स्मण करने का ही पर्व है। हिंदु शास्त्रों एवं अन्य धार्मिक ग्रंथ में माता-पिता के प्रति श्रद्धा के उपदेशों से भरे पड़े हैं। यह व्यावहारिक जगत का सत्य है। जिन माता-पिता ने प्रभु कृपा से यह शरीर दिया एवं अबोध व अवस्था से लेकर समझदार होने तक यथाशक्ति उचित शिक्षा एवं पालन पोषण का भार उठाया, यदि आप इसके लिए उन्हें उचित सम्मान भी जीवन में नहीं दे पाये तो स्पष्ट है, आप, आपके पुत्र एवं प्रपौत्र भी आपकी वृद्धावस्था में यही प्रतिफल देंगे। इससे पृथक् आशा करना व्यर्थ ही है।

शास्त्रों के आइने में श्राद्ध

सनातन धर्म की मान्यता है कि मानव शरीर पंच तत्वों-आग-पानी, पृथ्वी, वायु, आकाश व पांच कर्म इन्द्रियों हाथ-पैर आदि सहित 27 तत्वों से बना है। किंतु जब मृत्यु होती है तो शरीर पंचतत्व और कर्मेन्द्रियों को छोड़ देता है। किंतु शेष 17 तत्वों से बना अदृश्य और सूक्ष्म शरीर इसी रूप में रहता है। हिंदू शास्त्रों की मान्यता है कि सांसारिक मोह और लालसाओं के कारण यह सूक्ष्म शरीर कम से कम 1 साल तक मूल स्थान, घर और परिवार के आसपास ही रहता है। किंतु शरीर न होने से उसे किसी भी सुख का आनंद नहीं मिलता और इच्छा पूर्ति न होने के कारण वह अतृप्त रहता है। यही कारण है कि मृत्यु के बाद वर्षभर और उसके बाद भी मृत परिजन को तृप्त करने और जन्म-मरण के बंधन से मुक्त करने के लिए श्राद्ध कर्म किया जाता है। श्राद्ध के द्वारा भोजन के साथ अन्य सुख, रस सूक्ष्म रूप में मृत जीव आत्मा या अलग-अलग योनि में घूम रहे पूर्वजों को मिलते हैं और वह तृप्त हो जाते हैं। खासतौर पर पितृपक्ष काल में यह माना जाता है कि पूर्वज इस विशेष काल में अपने परिजनों से मिलने जरूर आते हैं।

पंचमहा यज्ञों में से एक पावन कर्म है श्राद्ध

शास्त्रों में किसी भी व्यक्ति के लिए 5 कर्म-धर्म अर्थात पंचमहायज्ञ जरूरी बताए गए हैं। ये भूतयज्ञ, मनुष्य यज्ञ, पितृयज्ञ, देवयज्ञ व ब्रह्मयज्ञ के रूप में जाने जाते हैं। इनमें सारे जीवों के लिए अन्न-जल-दान 'भूतयज्ञ', घर आए अतिथि की सेवा 'मनुष्य यज्ञ', स्वाध्याय व ज्ञान का प्रचार-प्रसार 'ब्रह्मयज्ञ' और पितरों के लिए तर्पण व श्राद्ध करना 'पितृयज्ञ' कहलाता है। इनको महायज्ञ कहा गया है और इनसे किसी तरह का दोष नहीं लगता। किंतु पितृयज्ञ से ही पितृऋण से छुटकारा मिलता है। पितृदोष से मुक्ति के लिए श्राद्ध जरूरी बताया गया है। हिंदू धर्मग्रंथों में कई तरह के श्राद्ध अवसर विशेष पर करने का महत्व बताया गया है। इनमें खासतौर पर तिथि और पार्वण श्राद्ध का विशेष महत्व है। तिथि श्राद्ध हर साल उस तिथि पर किया जाता है, जिस तिथि पर किसी व्यक्ति की मृत्यु हुई हो। यह पार्वण श्राद्ध हर साल पितृपक्ष में ही किए जाते हैं। इसे महालया या श्राद्ध पक्ष भी पुकारा जाता है। हर साल भादौ महीने की पूर्णिमा और आश्विन माह के कृष्ण पक्ष के 15 दिन सहित 16 दिन की अवधि श्राद्ध पक्ष कहलाती है।

क्या कहते हैं शास्त्र

स्कंदपुराण में लिखा है कि मृत्यु तिथि पर श्राद्ध न करने वाले व्यक्ति को उसके पितृगण श्राप देकर पितृलोक चले जाते हैं। ऐसे व्यक्ति के परिवार को पितृदोष लगता है और वहाँ रोग, शोक, दरिद्रता, दुःख व दुर्भाग्य का सामना करना पड़ता है। ब्रह्म और ब्रह्मवैवर्तपुराण में लिखा है कि धन बचाने की लालसा से श्राद्ध न करने वाले का पितृगण रक्त पीते हैं। वहीं सक्षम होने पर श्राद्ध न करने वाला रोगी और वंशहीन हो जाता है। इसी तरह विष्णु स्मृति के मुताबिक श्राद्ध न करने वाला नरक को प्राप्त होता है। वायुपुराण के मुताबिक पितरों के लिए किए जाने वाले श्राद्ध, देवताओं की प्रसन्नता के लिए किए जाने वाले यज्ञ आदि धर्म-कर्मों से भी ज्यादा शुभ फल देते हैं। श्रद्धा से किये श्राद्ध से कई पीढ़ियों के पितृगण प्रसन्न होकर व्यक्ति को

आयु, धन-धान्य, संतान और विद्या से संपन्न होने का आशीर्वाद देते हैं। गरुड़ पुराण के मुताबिक इस पक्ष में श्राद्ध से पितरों को स्वर्ग मिलता है। यहीं नहीं जिनका श्राद्ध किया जाता है, उनको प्रेत योनि नहीं मिलती है और वे पितर बन जाते हैं। ये पितर तृप्त हो संतान के मनचाहे काम पूरे कर धर्मराज के मंदिर में पहुंच बड़ा ही सुख-सम्मान पाते हैं। गुरुड़ पुराण में यह भी बताया गया है कि श्राद्ध करना पवित्र कार्य है क्योंकि मृत्यु होने पर धर्मराजपुर में जाने के चार रास्ते हैं-पूर्व, पश्चिम, उत्तर व दक्षिण। पितरों का श्राद्ध करने वाले को स्वयं धर्मराज अपनी सभा में पश्चिम द्वार से ले जाते हैं और स्वयं खड़े होकर उनका स्वागत व स्नान करते हैं।

कब करें किनका श्राद्ध

पक्ष में मृत्यु तिथि के मुताबिक किसी भी व्यक्ति को पितरों के लिए जल का तर्पण व श्राद्ध करना चाहिए। तिथि न मालूम होने या तिथि विशेष पर श्राद्ध चूकने पर इसी पक्ष में आने वाली सर्वपितृ अमावस्या या महालया पर पूर्वजों के लिए श्राद्ध, दान व तर्पण करना चाहिये। किसी भी दिवंगत परिजन का प्रथम श्राद्ध मृत्यु के वर्ष से तृतीय वर्ष में पूर्णिमा को ही पूरे धार्मिक नियमों के साथ किया जाता है। जिन व्यक्तियों की सामान्य एवं स्वाभाविक मृत्यु चतुर्दशी को हुई हो, उनका श्राद्ध चतुर्दशी तिथि को कदापि नहीं करना चाहिए, बल्कि पितृपक्ष की त्रयोदशी अथवा अमावस्या के दिन करना चाहिए। जिन व्यक्तियों की अपमृत्यु हुई हो अर्थात् किसी प्रकार की दुर्घटना, सर्पदंश, विष, शस्त्राघात, हत्या, आत्महत्या या अन्य किसी प्रकार की अस्वाभाविक मौत हुई हो, तो उनका श्राद्ध मृत्यु तिथि वाले दिन कदापि नहीं करना चाहिए। अपमृत्यु वाले व्यक्तियों का श्राद्ध केवल चतुर्दशी तिथि को ही करना चाहिए, चाहे उनकी मृत्यु किसी भी तिथि को क्यों न हुई हो। सौभाग्यवती स्त्रियों अर्थात पति के जीवित रहते हुए मरने वाली सुहागिन स्त्रियों का श्राद्ध भी केवल पितृपक्ष की नवमी तिथि को ही करना चाहिए। संन्यासियों का श्राद्ध केवल पितृपक्ष की द्वादशी को ही किया जाता है, चाहे उनकी मृत्यु किसी भी तिथि को हुई हो। नाना तथा नानी का श्राद्ध भी केवल आश्विन शुक्ल प्रतिपदा को ही करना चाहिये, चाहे उनकी मृत्यु किसी भी तिथि में हुई हो।

कैसे करें श्राद्ध

यथासंभव श्राद्ध अपने घर पर ही किया जाना चाहिए। संभव न हो तो किसी भी तीर्थ या जलाशय के किनारे भी किया जा सकता है। दक्षिणायन में चूंकि पितरों का प्रभाव ज्यादा होता है। इसलिए श्राद्धकर्म के लिए हरसंभव स्थिति में दक्षिण की तरफ झुकी हुई जमीन का उपयोग ही करना चाहिए। शास्त्रों के मुताबिक पितृगणों को ऐसी जगह भाती है, जो पवित्र हो और जहां लोगों का ज्यादा आना-जाना होता है। नदी का किनारा भी पितरों की पसंद है। ऐसी जगह पर गोबर से जमीन को लीपकर श्राद्ध करना चाहिए। काले तिल और कुश तर्पण श्राद्धकर्म में जरूरी है। ऐसा माना जाता है कि ये भगवान विष्णु के शरीर से निकले हैं और पितरों को भी भगवान विष्णु का ही स्वरूप माना गया है। अतः इनके बिना पितरों को जल भी नहीं मिलता। श्राद्ध के एक दिन पहले श्राद्ध करने वाला विनम्रता के साथ साफ मन से विद्वान ब्राह्मणों को भोजन के लिए आमंत्रण दें, क्योंकि ब्रह्मपुराण के मुताबिक ब्राह्मणों की देह में पितृगण वायु के रूप में मौजूद होते हैं।

कौन है श्राद्ध का अधिकारी

श्राद्ध का पहला अधिकार पुत्र का होता है। पुत्र न होने पर पुत्री का पुत्र यानी नाती श्राद्ध करें। जिनके कई पुत्र हों तो वहां सबसे बड़ा पुत्र श्राद्ध करें। पुत्र के उपस्थित न होने पर पोता और पोता भी नहीं होने पर परपोता श्राद्ध कर सकता है। पुत्र व पोते की अनुपस्थिति में विधवा औरत को भी श्राद्ध का हक है। पुत्र के न होने पर पति, पत्नी का श्राद्ध कर सकता है। लेकिन पुत्र होने पर उसे ही माता का श्राद्ध करना चाहिए, पति को नहीं। पुत्र, पोते या दामाद के न होने पर भाई का पुत्र भी श्राद्ध कर सकता है। यहां तक की दत्तक पुत्र या किसी उत्तराधिकारी को भी श्राद्ध करने का हक है।

अब आयेंगे रिश्ते आपके द्वार...

शीघ्र प्रकाशित होकर आपके हाथों में होगी

विवाह योग्य युवक-युवतियों की विश्वस्तरीय डायरेक्ट्री

श्री माहेश्वरी मेलापक

फिर लिखेगी सफलता का नया इतिहास

बॉयोडाटा प्रकाशन का अन्तिम अवसर
शीघ्रता करें
कहीं मौका चूक न जाए.

पृथक् से प्रति बुक करवाने के लिए
शुल्क 500/- (डाक खर्च अतिरिक्त)
अब रिश्ते आयेंगे आपके द्वार

90, विद्या नगर (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे), साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.)
दूरभाष : 0734-2526561, 2526761, मोबाइल : 094250-91161
E-mail : srimaheshwarimelapak@gmail.com

वर्तमान में वैसे तो माहेश्वरी युवा हर क्षेत्र में अपनी सफलता का ध्वज फहरा रहे हैं। फिर भी आईएएस व आईपीएस जैसी शीर्ष प्रशासनिक सेवाओं में माहेश्वरी समाज का वर्चस्व अभी भी कम है। इसी को देखते हुए अहमदाबाद में हमने प्रारंभ किया है "दिल्ली इंस्टिट्यूट ऑफ सिविल सर्विस" जो यूपीएससी की सिविल सर्विस परीक्षा के लिये दिलवाएगा देश के चुनिंदा विशेषज्ञों से मार्गदर्शन।

▸▸ रामनिवास राठी, अहमदाबाद

हर युवा का सपना
प्रशासनिक सेवा

संघ लोक सेवा आयोग द्वारा शीर्ष प्रशासनिक पदों के लिये सिविल सेवा की परीक्षा हर साल तीन चरणों में आयोजित की जाती है। तीनों चरणों (प्रारंभिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा और साक्षात्कार) में सफल अभ्यर्थी को प्राथमिकता और वरीयता के हिसाब से आई.ए.एस., आई.पी.एस, आई.एफ.एस, आई.आर.एस. तथा अन्य केंद्रीय सेवाओं के लिए चुना जाता है। अंतिम चयन में स्थान बनाने के लिए अभ्यर्थी को कड़ी मेहनत और नियमित अध्ययन की आवश्यकता होती है। चूंकि चुने जाने के बाद प्रशासनिक अधिकारी के तौर पर काम करना होता है। अतः आयोग ऐसे अभ्यर्थी को चुनने का प्रयास करता है, जो पद की चुनौती और गरिमा के अनुकूल हो।

भारतीय प्रशासनिक सेवा (आई.ए.एस.)

अखिल भारतीय सेवाओं में भारतीय प्रशासनिक सेवा आई.ए.एस. सर्वोच्च स्थान रखती है। प्रत्येक वर्ष करीब एक हजार रिक्तियों में से वही अभ्यर्थी आई.ए.एस. के लिये चुने जाते हैं। जिनका रैंक 100 के ऊपर रहता है। आई.ए.एस. केंद्र व राज्य में महत्वपूर्ण ओहदों पर कार्य करते हैं। प्रारंभिक चरण में नियुक्ति के तुरंत बाद इन्हें अनुमंडल या जिलों में नियुक्त किया जाता है। इसके बाद पदोन्नत (प्रमोशन) होते-होते ये राज्यों में विभागीय सचिव के पदों तक पहुंचते हैं। एक आई.ए.एस. संपूर्ण सेवा अवधि में लगभग आधा समय राज्यों में बीताता है। उसके बाद वह केंद्र में सेवाएँ देता है। राज्य में सर्वोच्च पद मुख्य सचिव का होता है, जिस पर आई.ए.एस. की ही नियुक्ति होती है, जबकि केंद्र में कैबिनेट सचिव का। कैबिनेट सचिव संपूर्ण भारतीय प्रशासनिक व्यवस्था का सबसे वरिष्ठ अधिकारी होता है।

क्या है भारतीय राजस्व सेवा (आई.आर.एस.)

भारतीय राजस्व सेवा केंद्रीय सेवाओं में से एक है। यह सेवा (या इसके अधिकारी) वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग के अधीन कार्य करते हैं, जो केंद्र सरकार के प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर संग्रहण के लिए जिम्मेदार होता है। भारतीय राजस्व सेवा की दो शाखाएँ हैं, सीमा शुल्क एवं उत्पाद शुल्क तथा आयकर (एक्साईज ड्यूटी, कस्टम एंड रेवेन्यू)। इन दोनों शाखाओं पर दो वैधानिक संस्थाओं, केंद्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क (सीबीईसी) तथा केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) द्वारा नियंत्रण एवं निर्देशन किया जाता है। भारतीय राजस्व सेवा के अधिकारी सहायक आयुक्त (असिस्टेंट कमिश्नर) के पद से अपनी सेवा की शुरुआत करते हैं एवं सामान्यतः वे मुख्य आयुक्त (चीफ कमिश्नर) के पद तक पहुंचते हैं। इस सेवा के सबसे वरिष्ठ सदस्य केंद्रीय प्रत्यक्ष कर (सीबीडीटी) केंद्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क बोर्ड, सीमा उत्पाद एवं सेवा कर अपील न्यायाधिकरण एवं आयकर अपील न्यायाधिकरण की भारतीय राजस्व सेवा केंद्रीय सेवाओं में से एक है। यह सेवा या इसके अधिकारी वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग के अधीन कार्य करते हैं, जो केंद्र सरकार के प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर संग्रहण के लिए जिम्मेदार होता है। अधिकारियों को राष्ट्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड अकादमी, नागपुर में प्रशिक्षण दिया जाता है।

भारतीय पुलिस सर्विस (आईपीएस)

भारतीय पुलिस सेवा आई.पी.एस. तीन अखिल भारतीय सेवाओं में से एक है। नियुक्ति के बाद इन्हें राज्य काडर दिए जाते हैं, जहां जिला पुलिस अधीक्षक के कार्यालय में इन्हें दो वर्ष की ट्रेनिंग दी जाती है। इसके बाद उन्हें सहायक पुलिस अधीक्षक (ए.एस.पी.) के रूप में तीन स्टार बैज प्रदान किया जाता है। इसके बाद की पदोन्नति क्रमशः पुलिस अधीक्षक (सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस-एस.पी.), वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (सीनियर सुपरिटेंडेट-एस.एस.पी.), उप महानिरीक्षक (डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल-डी.आई.जी.), महानिरीक्षक (इंस्पेक्टर जनरल-आई.जी.), पुलिस महानिदेशक (डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस -डी.जी.पी.) जैसे शीर्ष पद तक होती है। कई महानगरों जैसे दिल्ली, बैंगलुरु, मुंबई आदि में कानून व्यवस्था की पूर्ण जिम्मेदारी पुलिस बल की होती है। इन महानगरों में सहायक पुलिस अधीक्षक (ए.एस.पी.), पुलिस अधीक्षक (एस.पी.), उप महानिरीक्षक (डी.आई.जी.) को सहायक पुलिस आयुक्त

(एसीपीओ), उप पुलिस आयुक्त (डीसीपी) एवं पुलिस आयुक्त (सीपी) कहा जाता है। भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारियों को खुफिया ब्यूरो (आईबी), अनुसंधान एवं विश्लेषण संस्था (रॉ) तथा केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) में नियुक्त किया जाता है।

कैसे होती है परीक्षा

सिविल सेवा परीक्षा तीन चरणों में सम्पन्न होती है। प्रारंभिक, मुख्य एवं साक्षात्कार। प्रारंभिक परीक्षा इस त्रिस्तरीय सिविल सेवा परीक्षा का पहला एवं सबसे महत्वपूर्ण चरण है। प्रारंभिक परीक्षा की प्रकृति वस्तुनिष्ठ होती है, जिसमें दो पत्र होते हैं। जिनमें प्रथम पत्र 100 प्रश्न व 200 अंक तथा द्वितीय पत्र 80 प्रश्न व 200 अंकों का होता है। प्रथम प्रश्न-पत्र सामान्य अध्ययन का होता है, जिनमें इतिहास, भूगोल, राजनीति विज्ञान, विज्ञान, सामायिक घटनाओं से संबंधित प्रश्न पूछे जाते हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए दो अंक निर्धारित हैं। प्रत्येक गलत उत्तर के लिए 1/3 अंक काटे जाते हैं।

मुख्य परीक्षा

सिविल सेवा परीक्षा के इस द्वितीय एवं सर्वाधिक महत्वपूर्ण चरण में अभ्यर्थियों के ज्ञान की वास्तविक परीक्षा होती है। इसमें कुल 9 प्रश्न पत्र होते हैं। वर्ष 2013 में संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने मुख्य परीक्षा के ढांचे में अमूल चूल परिर्वतन किया। अब सामान्य अध्ययन पूर्व के 600 अंक की बजाय 1000 अंक का हो गया है। वैकल्पिक विषय पूर्व में दो थे (कुल 1200 अंक) अब सिर्फ एक वैकल्पिक विषय अभ्यर्थियों द्वारा चुना जाता है, जो कुल 500 अंकों का होगा।

1. निबंध 250, 2. सामान्य अध्ययन- (भारतीय विरासत एवं संस्कृति, भूगोल, अन्य) 250, सामान्य अध्ययन- (प्रौद्योगिक, आर्थिक विकास, जैव-प्रौद्योगिकी अन्य) 250, सामान्य अध्ययन- (नैतिकता, अभिरुचि, योग्यता) 250, वैकल्पिक विषय पत्र-1, 250 अंक, वैकल्पिक विषय पत्र-2 500 अंक कुल 1750 अंक।

साक्षात्कार

मुख्य परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों को आयोग द्वारा परीक्षा के अंतिम चरण यानि साक्षात्कार में बुलाया जाता है। साक्षात्कार सिविल सेवा परीक्षा का अंतिम चरण होता है। इसमें अभ्यर्थियों के बायो-डाटा, उनके एच्छिक विषय, अभिरुचियों, सामयिक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय घटनाओं से संबंधित प्रश्न पूछे जाते हैं। 30-35 मिनट तक चले साक्षात्कार को काफी अच्छा माना जाता है। संघ लोक सेवा आयोग ने 2013 से मुख्य परीक्षा की पद्धति एवं सिलेबस के साथ-साथ साक्षात्कार के अंकों में भी बदलाव किया है। पहले साक्षात्कार 300 अंकों को होता था। अब इसे घटाकर 275 अंकों का कर दिया गया है।

माहेश्वरी विद्यार्थियों के लिए कई सुविधाएँ

अहमदाबाद में प्रारंभ किये गये सिविल सर्विस की कोचिंग के "दिल्ली इंस्टिट्यूट ऑफ सिविल सर्विस" की स्थापना का लक्ष्य ही उत्कृष्ट मार्गदर्शन प्रदान करना है। इसमें माहेश्वरी विद्यार्थियों के लिये कई उच्च स्तरीय सुविधाऐं रहेंगी। इससे मात्र दो मिनिट की दूरी पर ही है, माहेश्वरी होस्टल, जिसमें रहने, खाने आदि की सर्वसुविधायुक्त व्यवस्था है। मात्र 2-3 कि.मी. के दायरे में ही कई लायब्रेरी मौजूद हैं। गरीब लेकिन प्रतिभावान विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति तथा फीस में छूट प्रदान की जाएगी। यदि 30 विद्यार्थियों का ग्रुप आता है, तो आधी फीस ही ली जाएगी। देश की सुप्रसिद्ध फैकल्टी इसका संचालन करेंगे। दिल्ली व अन्य जगह से भी विशेषज्ञों को आमंत्रित किया जाएगा। अधिक जानकारी के लिये संचालक रामनिवास राठी मो.-98250-66687 तथा प्रियांक लाहोटी मो.-96621-11144 आदि से सम्पर्क किया जा सकता है।

श्री माहेश्वरी टाईम्स
की सौगात

जिसमें आप पायेंगे, समाज की ताजातरीन 'खबर'. इसमें आपको सिर्फ
आपके क्षेत्र के समाज प्रसारण के लिए
अपनी गतिविधि का विडियो हमें लिखित जानकारी सहित
smt4vdnews@gmail.com पर ई-मेल करना होगा।
बस आपकी गतिविधि पहुँचेगी, हर अपने तक.

SMT NEWS

90, विद्या नगर, साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.) - 456010 | फोन : 0734-2526561, 2526761, मो. 94250 91161

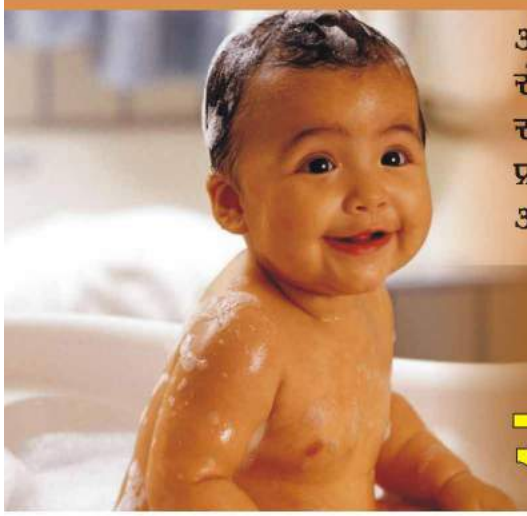

अंग्रेजी अर्थात एलोपैथी चिकित्सा पद्धति में जो वैक्सीन हैं, वे किसी रोग विशेष से ही बच्चे की रक्षा करते हैं, लेकिन स्वर्णप्राशन संस्कार आयुर्वेद का वह वरदान है, जो बच्चों की सम्पूर्ण रोग प्रतिरोधक क्षमता को इस तरह बढ़ा देता है कि बच्चा आजीवन आसानी से रोगों की गिरफ्त में नहीं आता।

वैद्य विनोद बैरागी, उज्जैन

आयुर्वेद का वरदान
स्वर्णप्राशन

स्वर्णप्राशन संस्कार क्या है?

बाल्यावस्था में किए जाने वाले मुख्य 16 संस्कारों में से स्वास्थ्य की दृष्टि से स्वर्णप्राशन बेहद महत्वपूर्ण संस्कार है। आयुर्वेद शास्त्र में स्वर्ण बिंदु प्राशन या स्वर्णप्राशन के रूप में यह उल्लेखित है। अंग्रेजी चिकित्सा प्रणाली में जिस प्रकार से बच्चे में संक्रामक बीमारियों से बचने हेतु वैक्सीन का प्रयोग होता है। ठीक वैसे ही आयुर्वेद शास्त्र में बच्चों की रोगप्रतिरोध शक्ति (Immunity) बढ़ाने हेतु एक तरह से यह आयुर्वेदीय टीकाकरण (immnization) की विशिष्ट प्रक्रिया है। हजारों बरस पहले खोजा गया यह फार्मूला आज भी अत्यंत कारगर है। यह बच्चों में हर प्रकार के रोग से लड़ने की क्षमता पैदा कर देता है।

शास्त्रों में स्वर्णप्राशन

महर्षि काश्यप ने अपनी संहिता में लिखा है-

"सुवर्ण प्राशनं हि एतत मेधाग्नि बलवर्धनम्।
आयुष्यं मंगलम पुण्यं वृष्यं वर्ण्य ग्रहापहम्।।
मासात, परममेधावी व्याधिभिर्न च धृष्यते।
षड्भिर्मासैः श्रुतधरः सुवर्ण प्राशनाद्भवेत्।।

(कश्यप संहिता/सूत्रस्थान/लेहनीय अध्याय)

अर्थात् स्वर्णप्राशन। मेधा (Intellect) बुद्धिवर्धक, अग्नि (Appetizer) वर्धक, बलवर्धक (Stemina) ऊर्जावान, आयुष्य (Longevity) दीर्घायु, मंगलकारी (Spiritual) कल्याणकारी, पुण्यकारी (Auspicious) पवित्रता/पावक (शुचितायुक्त), वृष्यकर (Attiractive) आकर्षक, वर्ण्य (Tone up colour & coplexion) अर्थात् सुंदर बनाता है। उपरोक्त गुणों के साथ इसके सेवन करने वाला एक मास में मेधावी होकर रोगी नहीं होता एवं छह मास में श्रुतधर यानि एक बार में सुनकर सदैव याद रखने वाली भीतरी शक्ति बच्चे में उत्पन्न होती है।

क्या है स्वर्णप्राशन औषधि

स्वर्णप्रशासन में बच्चों को ऐसी औषधि का मिश्रण दिया जाता है जो रोगप्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है। स्वर्णप्राशन संस्कार पंचकर्म चिकित्सा केंद्रों में पूर्व पंजीयन कराकर निर्धारित तिथियों में चिकित्सक से परामर्श/परीक्षण पश्चात विधिपूर्वक ही किया जाना अनिवार्य है। स्वर्ण भस्म, ब्राह्मी, शंखपुष्पी, आंवला, गिलोय बहेड़ा, शहर एवं गोघृत आदि औषधि के मिश्रण से यह संस्कार कल्प तैयार होता है। यह कल्प बूंद-बूंदकर प्रातःकाल मंत्रोच्चार के साथ चिकित्सक के समक्ष दिया जाता है।

बच्चे को कब करवाएँ स्वर्णप्राशन

- जन्म से लेकर 16 वर्ष तक आयु को बच्चों में स्वर्णप्राशन किया जाता है।
- बच्चों में बुद्धि का 90 प्रतिशत विकास 05 वर्ष की आयु तक हो जाता है। इसलिए जन्म के बाद जितनी जल्दी प्रारंभ किया जावे, उतना ही लाभकारी होता है।
- स्वर्णप्राशन 3 माह तक लगातार प्रतिदिन दिया जा सकता है।
- प्रत्येक पुष्य नक्षत्र में चिकित्सकीय सलाह पर दिया जाता है।
- अगर बच्चा ज्यादा बीमार हो तो ये औषधि न पिलायें।
- स्वर्णप्राशन करने के आधे घंटे पहले और आधे घंटे बाद तक कुछ भी खाने व पीने को न दें।

कब दी जाती है कितनी मात्रा

इसके अंतर्गत बच्चे को पुष्य नक्षत्र के दिन व प्रतिदिन क्रमशः आयु अनुसार 0 से 2 माह तक 2 तथा 1 बूंद, 2 से 6 माह तक 3 तथा 2 बूंद, 6 से 12 माह तक 4 तथा 2 बूंद, 1 से 5 वर्ष तक 6 तथा 3 बूंद एवं 5 से 16 वर्ष की आयु तक पुष्य नक्षत्र में 7 तथा प्रतिदिन 4 बूंद स्वर्णप्राशन औषधि की मात्रा दी जाती है।

(लेखक ख्यात आयुर्वेद व पंचकर्म विशेषज्ञ हैं। सम्पर्क मो 9425092284)

॥ जय श्रीराम ॥
राजेश दरगड़
94625 81000
फैन्सी सुपर नेट, कॉटन, डोरिया
साड़ियों के होलसेल विक्रेता
शरद भदादा
99297 62487, 97825 55706
राधिका साड़ीज
शॉप नं. 6, प्रथम फ्लोर, मंगल प्लाजा, आजाद चौक (नानक की दुकान के सामने), भीलवाड़ा (राज.)

With Best Compliments From

Purushottam R. Somani

- **Chairman**
  Maheshwari Charitable Trust Nizamabad
- **Managing Committee member**
  Shri Adiya Vikram Birla Memorial Vyapar Sahyog Kendra
- **Founder President**
  The Nizamabad Chamber of Commerce & Industry
- **Past President**
  Nizamabad District Two Wheeler Association
- **Member**
  All India Maheshwari Mahasabha Karyakari Mandal
  A.P Maheshwari Sabha Trust
- **Life Member**
  Nizamabad Officers Club, Nizamabad

Concerns-

- **M/s. Sarang Hi-Tech Cold Storage (P) Ltd.**
- **M/s. Sarang Automotives (P) Ltd.** (Dealer for Suzuki)
- **M/s. Sham Agencies** (Dealer for Swaraj Tractors)
- **M/s. Sham Autolines** (Dealer for BPC Pump)
- **M/s. Sham Leasing & Finance Corporation** (Finance)

Hyderabad Road, NIZAMABAD (AP) 503 003
Mob. 098480-71036

पिताजी का 'डैडी' संस्करण

वे न मेरे डैडी हैं, न पापा, शुद्ध पिताजी हैं। कहीं 'काका' तो कहीं 'बापू'। ठेठ गँवई। न जमाने का रंग चढ़ा है, न जमाने को अपने रंगतदार होने दिया है। यों कानों में अँग्रेजी उच्चारण पड़ते-पड़ते कुछ शब्द उनकी जबान पर हवा हो गये हैं। चाय-वाय से सुबह का स्वाद बन जाता है, मेहमानों के लिए चाय की मनुहार सिर पर चढ़कर बोलती है। केशरिया पकड़ी, हल्की पीली झाँई देते धोती-कुर्ते, पाँवों में चमरौंधी पगरखी और साठ का पाठ पढ़ाती छड़ी। अबकी बार पिताजी ने हुलस कर कहा, 'बेटे, तूने मकान खरीद लिया है, कार भी ले ली है, तो तेरी 'बई' के साथ देखने आने की इच्छा है।

इधर जिस गुलमोहरनुमा कॉलोनी में मैंने फ्लेट खरीदा है, उसमें मिलने वालों के बीच मैंने डैडी का ही परिचय दिया है। और अब 'पिताजी' आ रहे हैं, बई के साथ। मेरे दिमाग में भँवर-सा पड़ गया है। जैसे कॉलोनी की रोशनाई नदी के प्रवाह में 'पिताजी और बई' चट्टान की तरह अड़ गये है। जैसे गँवई धुँधलका मल्टी और अपार्टमेंट की कंकरीट-सभ्यता का प्रश्नवाचक लगा रहा है। खुले-खुले बाड़े में रहने वाले वे, फ्लैट के नौ सौ वर्गफूट के क्षेत्रफल मैं कैसे समा पाएँगे? सुबह-शाम ओटले या दुकान के पटिये पर बैठकर ठहाके लगाने वाले कैसे इस भूगोल में अटक पाएँगे? मगर इन सबसे अलहदा मेरी एक चिंता है। इस पॉश-कॉलोनी में मेरे मित्रों के बीच हैलो-हाय के औपचारिक रिश्तों के बीच मैंने 'पिताजी' के डैडीय संस्करण का प्रकाशन कर रखा है। 'बई' को 'मॉम' ही प्रचारित कर रखा है। अब एकाएक कॉलोनी के 'डैडी' को गँवई पिताजी में डिकोड करना कोई मशीनी अभ्यास तो है नहीं? सभ्यता का भूचाल मुझे प्रकंपित कर रहा है।

इस पॉश कॉलोनी में रहने का अपना गौरव है। सभ्यता के पिछले अवशेषों से नितांत दूर, किसी द्वीप की तरह झिलमिलाती रोशनियों से रंगीन सम्मोहक परदों के भीतर एक निजी संसार, भौतिक उपकरणों में ऐंठन दिखाती स्वायत्तता, गर्व में मदमाती पर्सनेलिटीज, कारों में दौड़ती अस्मिता, ठहाकों से दूर, मुस्कराहटों में जीने वाले, खान-पान की आधुनिकताओं से आधुनिक दिखने वाले। इस 'मल्टी' में बई और पिताजी आएँगे, ठहरेंगे, तो लोग उन्हें कितना अजनबी समझेंगे? यों कॉलोनी 'बनासी' साड़ी में तो इतराती है, मगर मेवाड़ी शान वाली केशरिया पगड़ी म्यूजियम की चीज बन गई है। वह किसी प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री के सिर पर चढ़कर वतन की शान और लोकप्रियता का मान भले ही बन जाए, मगर कॉलोनी के लिए तो अजायब है। मुझे डर है कि कही वे 'लोहे की पेटी' कनस्तर का डिब्बा 'लेकर ठेठ गँवई अंदाज में न आ जाएँ। वर्ना कार से उन्हें उतार कर लिफ्ट के हवाले लोगों की नजर गुजारते हुए फ्लैट में पहुँचाना कितना कठिन होगा?' कॉलोनी तो कवर में सजती है,परदों में निखरती है। गिफ्ट कवर में सभ्यता की भंगिमाएँ बिखराती हैं। लोहे की पेटी और कनस्तर का डिब्बा... इन्हें गिफ्ट आइटम की तरह सजाकर कैसे लाया जाए? पिताजी और बई आ गए तो मुझे लगा कि मल्टी की सभ्यता का पारा नीचे आ रहा है। पिताजी का खुला आकाश, फ्लैट की गैलरी में समा नहीं पा रहा है। ताजी हवाओं का संसार पंखे-कूलर के दबाव में घुटा जा रहा है। एकाएक उन्होंने खिड़की का परदा खींच लिया तो लगा कि ऑपरेशन के लिए चमड़ी को चीर-सा दिया गया है। मेरे गद्देदार सोफा प्रतीक्षा करता रह गया, मगर वे कालीन पर जम गये। पोते ने टी.वी. चला दी, तो दादाजी बोल पड़े, 'आगो बाळ टीबा-टीबी ने, आ जा थारा से बात करुँ।' फिर वे पोते को गोद में बिठाकर सहलाने लगे और सभ्यता के औपचारिक रंगों में ढलता पोता नेह के इन ठेठ रंगों को अजायब आँखों से घूरता कसमसाता रहा।

पिताजी और बई आ गए तो मुझे लगा कि मल्टी की सभ्यता का पारा नीचे आ रहा है। पिताजी का खुला आकाश, फ्लैट की गैलरी में समा नहीं पा रहा है। ताजी हवाओं का संसार पंखे-कूलर के दबाव में घुटा जा रहा है। एकाएक उन्होंने खिड़की का परदा खींच लिया तो लगा कि ऑपरेशन के लिए चमड़ी को चीर-सा दिया गया है। मेरा गद्देदार सोफा प्रतीक्षा करता रह गया, मगर वे कालीन पर जम गये।

▸▸ बी.एल. अच्छा, उज्जैन

मैं कितनी कोशिश करता हूँ कि कोई विजिट देने आए तो पिताजी और बई मेरे बैडरूम की लक्ष्मण-रेखा न लाँघ पाए। वर्ना इस फ्लैट की सभ्यता की सीता का अपहरण होते क्या देर लगेगी? चाहता हूँ कि अतिथि को मेरा यह आधुनिक सजा-सँवरा फ्लैट सोने के मृग की तरह कुलाँचे भरता नजर आए। पर भी ड्राइंग रूम में आ गए। कोई मेहमान आए और अनमिले-बिन बतियाये चला जाए, यह तो उनके आतिथ्य-धर्म में लांछन की तरह है। पर उनके आते ही सोने के हरिण का रंग उड़ गया। अतिथि के कान में मेरी जबान का 'डैडी' शब्द ही पड़ा था। आँखों में 'डैडी-तस्वीर' ही उगी थी। पर सकुचाते हुए मैंने कहा, 'पिताजी है, कल ही आए हैं। अतिथि की आँखों में मेरी पर्सनेलिटी उल्ट-पुल्ट हो गई। अतिथि-सत्कार में मैंने करीने से सजी काजू-बादाम का झंडा गाड़ती मिठाइयाँ सामने रखवा दी थीं। पर वे बोले, 'अभी तो ब्रेक फास्ट लेकर ही आ रहा हूँ।' आखिर कॉलोनी का भी एक 'दिखाऊँ... पर न खाऊ' संस्कार भी होता है। रखने को चार मिठाइयाँ और सामने न खाने वाली सभ्य मुख-मुद्रा। दबाव बना तो जरा सा कुतर लिया। तभी पिताजी को कुछ लगा, बोले-'अरे बेटा, भैय्या के लिए घर से लाई बेसन की चक्की ले आ, अगर ये न भाए। शुद्ध देशी घी की बनी है।' सभ्यता के पाँवों की जमीन खिसकी जा रही थी। सारे रंग-रोगन इस गँवई प्यार की सीलन से उखड़े जा रहे थे। कितने दिनों से फ्लैट में रहते हुए सभ्यता का सिंदूरी चोल चढ़ाता जा रहा हूँ, पर ये पपड़ियाँ निकलती ही जा रही हैं। सामने सभ्य संसार का चकमक प्रतिनिधि इस स्पंजदार सोफे पर बैठा है और दूसरी तरफ भोले गँवई स्नेह की प्रतिमा के रूप में 'एंटिक' की तरह पिताजी।

मैं चाहता हूँ कि इस फ्लैट की हर चीज मेरी हैसियत से इठलाती नजर आए। मैडम साड़ी पहन कर निकलें, तो लोग कीमत का अंदाजा लैबल पर पड़ी रेट की तरफ चिपका लें। पर कहीं पिताजी किसी के सामने ऐसा न कह बैठें, जो गँवई पिता लड़के के अफसर बन जाने पर गर्व-गौरव से कह बैठते है। मगर वही हुआ। कम्पनी के एक डायरेक्टर साहब के सामने घर का सजीला चित्र खींच रखा था। पिताजी उनसे बतियाते रहे। घर आया तो मुस्कराते हुए बोले- 'आपके पिताजी से खूब बातें हुईं। आपने भी जमीनी संघर्ष करते हुए इस उँचाई को पाया है।' मैं तरबतर हो गया। इस असलियत से मेरी स्नॉबरी को जमीन पर ला पटक दिया। अब तक आँखों में बराबरी थी। हलो-हाय में भी देखा-परखी। पर आज ऐसा लगा, जैसे गाय ने मार्बल के फर्श पर गोबर कर दिया हो।

इस पॉश कॉलोनी के शनदार फ्लैट में स्नेह के इस गँवई स्पर्श से टकराकर यह सभ्यता कितना आहत महसूस कर रही है। सभ्यता के सुनहरी आवरण पर गँवई रंगों के फफोले उग आए हैं। मन आज भी बई और काका में रमा है। पर प्रतीक्षा कर रहा हूँ कि वे जाने की तारीख बताएँ, तो रिजर्वेशन करवा दूँ।

लगभग ६०-७० वर्षों से रोगों की रफ्तार व संख्या तेजी से बढ़ गई है। इसका कारण परिवर्तित रहन-सहन तो है ही, साथ ही सबसे बड़ा कारण खानपान भी है। हम प्रतिदिन अपने भोजन में तीन घातक जहर ले रहे हैं शक्कर, आयोडाईज्ड नमक तथा रिफाईंड तेल। अपने शोध से यह दावा कर रहे हैं, ख्यात होम्योपैथ औरंगाबाद के डॉ. रामगोपाल तापड़िया।

हम रोज भोजन में लेते हैं 3 घातक ज़हर

प्रथम धीमा जहर है शक्कर

हम यह खूबसूरत सफेद दानेदार पदार्थ जो मिठास का पर्याय बन गया है, गुड़, मिश्री, पिंडखजूर की जगह ले रहे हैं। वैज्ञानिक निष्कर्ष सतत बता रहे हैं शहद के सिवाय हर मीठी चीज जहर है। किसी जानवर को यदि प्रतिदिन केवल शक्कर खिलाई जाए तो वह एक सप्ताह में मृत्यु की गोद में चला जाएगा। वैज्ञानिकों ने भी देखा कि रिफाइंड शुगर का इस्तेमाल करने वाले डॉयबिटीज रोग से अधिक पीड़ित हैं। वहीं जो लोग गन्ना खाते हैं, उनमें अपवाद स्वरूप से डायबिटीज है। शुगर को नेकड कैलोरी कहा जाता है। इसमें कोई प्राथमिक खनिज या पोषण द्रव्य नहीं होते, इस कारण पाचन पूर्ण या ठीक से नहीं होता। ये अधपचा कार्बोहाइड्रेड जहरीले तत्वों का निर्माण करता है, जैसे कि पायरुविक एसिड और विकृत शर्करा। इसमें 6 की जगह 5 कार्बन एटम होते हैं। पायरुविक एसिड मस्तिक और तंत्रिकाओं में जमा होता है। विकृत शर्करा से हमारी आरबीसी व हमारा मस्तिष्क क्षतिग्रस्त हो जाता है। अन्य कोशिकाओं को ऑक्सीजन नहीं मिलती तो उनका क्षय होकर हमारा शरीर बूढ़ा दिखने लगता है या अन्य अंग क्षतिग्रस्त हो जाते हैं। लगातार शुगर के सेवन से रक्त में एसिड का निर्माण होता है। अधिक बने एसिड से बचाने के लिए रक्त हड्डियाँ और दांतों से कैल्शियम को निकालकर खुद जम जाती है। जिससे हड्डियाँ कमजोर और दांत सड़ने लगते हैं। अचानक से शक्कर के रूप में मिली कैलोरी की वजह से शरीर में कैलोरी का विस्फोट होता है। इस विस्फोट से हमारे शरीर के अंग प्रत्यंग हक्के-बक्के रह जाते हैं। ऐसे में अतिरिक्त कार्बोहाइड्रेट वसा के रूप में हमारे लीवर में स्टोर होने लगते हैं और फैटी लीवर बनने लगता है। इस कारण लीवर का कार्य प्रभावित होता है। पेट फूलना, पेट में सीधे हाथ की तरफ दर्द होना, भारी लगना, जी मचलाना या उल्टी जैसे एसीडिटी के लक्षण नजर आने लगते हैं। असल में शक्कर का रंग पीला या भूरा होता है। इसे सफेद और चमकदार बनाने के लिए गन्ने के रस को उबालते समय सल्फर डायऑक्साइड मिलाया जाता है। यही प्रक्रिया इसे सफेद जहर बना देती है।

द्वितीय आयोडाईज्ड नमक भी हानिकारक

ठंडे प्रदेशों और पहाड़ी में रहने वाले लोगों में कहीं-कहीं आयोडीन की कमी देखी जाती है। इस कारण घेंघा या गॉयटर नामक रोग होता है। इस रोग से बचाने के लिए अमेरिका जैसी ठंडी जलवायु वाले देशों में आयोडाइज्ड नमक की जरूरत होती है, लेकिन कुछ कार्पोरेट संस्थाओं ने सरकार के साथ हाथ मिलाकर सभी देशों में आयोडाइज्ड नमक अनिवार्य कर दिया। इस प्रकार हमारे देश में स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ शुरू हो गया। लंबे समय तक लेने के परिणामस्वरूप हायपोथॉयइडिज्म, थॉयरोटॉक्सीकोसिस या थॉयराइड में गठान होना, साइनुसाइटिस या सर्दी होना, सिरदर्द, डायरिया या दस्त, मुंह में धातु का स्वाद आना, जोड़ों की समस्या, लिम्फनोड का बढ़ना, मसूड़ों में सूजन, डिप्रेशन, चर्मरोग आदि होने लगे हैं। सेंधा नमक व खड़ाया देसी नमक खाने से दुष्परिणामों से बचा जा सकता है। प्राकृतिक स्त्रोत्र सब्जियाँ, फल, मांस आदि स्वयं नमक युक्त होते हैं। वास्तव में भारत आयोडिन की कमी वाला देश नहीं है, लेकिन दुर्भाग्य से हमारे लोग दुनिया में सबसे ज्यादा आयोडीन नमक खा रहे हैं।

तृतीय घातक जहर रिफाइंड तेल

रिफाइंड तेल यह तीसरा घातक जहर है। रिफाइंड तेल के प्रचलन से हमारे शरीर में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा काफी बढ़ी है। इससे हार्ट अटैक के केस बहुत ज्यादा बढ़ गए हैं। हमारे पूर्वज रोजाना 100 से 200 ग्राम देसी घी खाते थे किंतु उनका कोलेस्ट्रोल सामान्य रहता था। लेकिन आज हम घानी का तेल छोड़कर रिफाइंड तेल खाते हैं, जो कोलेस्ट्रॉल को दिन-प्रतिदिन बढ़ा रहा है। प्राकृतिक तेल को रिफाइंड किया जाता है। इसमें पानी से धोना, साबुन का मिलाना, वैक्यूम में बहाना, गर्म करना, ठंडा करना, फिल्टर करना फिर ऑइल को रंग करना तथा उसमें उच्च दबाव में भारी धातु जैसे निकील की मौजूदगी में हॉयड्रोजिनेशन करना शामिल है। अंत में सब प्रक्रिया से तेल रिफाइंड होता है। निकील जैसे धातु की मौजूदगी में तेल खाने से फेफड़ों के रोग लीवर की खराबी, त्वचा रोग उपापच्य की गड़बड़ी और गर्भस्थ शिशु पर घातक प्रभाव होता है। हमारे कोमल अंगों को यह प्रभावित करते हैं। जो तेल जितना खूबसूरत दिखे, समझें उतना ही घातक है। कैंसर, हृदय रोग, किडनी के रोग, एलर्जी, जल्दी बुढ़ापा, नपुंसकता, कोलेस्ट्रॉल बढ़ना तथा जोड़ों की जानलेवा समस्याएँ उत्पन्न हो जाती है। शुद्ध घी, जैतून का तेल कच्ची घानी का तेल रॉइस ब्रॉन क्रॉन ऑयल के सेवन से हानि की बजाए लाभ अधिक होंगे।

मंगल श्राद्ध हों या मृत्यु भोज, वास्तव में इनका आयोजन दिवंगत की आत्मा की शांति के लिए होता है। लेकिन यदि देखा जाए तो ये अपने मूल स्वरूप से भटक रहे हैं। इनका लक्ष्य दिखावा व वैभव प्रदर्शन अधिक हो गया है। इसी स्थिति को अपने विचारों का आईना दिखा रहे हैं ख्यात वरिष्ठ समाजसेवी जीरापुर निवासी ओमप्रकाश मूंदड़ा।

कहीं मार्ग से भटक तो नहीं रहे मंगल श्राद्ध

मंगल श्राद्ध के कार्यक्रमों में शामिल होना एक सामाजिक जिम्मेदारी है क्योंकि ऐसी स्थिति में शोक संतृप्त परिवार को हमारी सांत्वना की सर्वाधिक आवश्यकता होती है। लेकिन ऐसे आयोजनों में शोक संतप्त परिवार के पुरुषों को कलफ लगे श्वेत कुर्ते-पजामों में सजे और महिलाओं को कीमती सिल्कनुमा साड़ियाँ धारण किए देख मैं हतप्रभ रह जाता हूँ। कभी-कभी दिवंगत का श्राद्ध छोटे-मोटे जश्न सा अहसास करा जाता है तथा ऐसे में मानवीय संवेदना के ह्रास के एक दुःखद अनुभव से गुजरने का सा महसूस होता है। पगड़ी रस्म का आयोजन मेरी बेचैनी और भी बड़ा देता है, जब रिश्तेदारों व आगंतुकों का कतारबद्ध शोक संतृप्त परिवार के सदस्यों के समक्ष जाकर वस्त्र या नकद राशि देने का उपक्रम व संबंधियों द्वारा इसे अस्वीकार करने का क्रम काफी देर चलता है। इस प्रक्रिया के उपरांत शैया दान सामग्री के आसपास पद-दान (वस्त्र, छाता, चप्पल, आसन माला पात्रादि) का सामान, जो सुसज्जित कर रखा होता है, उसके वितरण का तरीका ऐसा परिलक्षित होता है, मानो कोई पुरस्कार/सम्मान समारोह हो। शोकाकुल परिवार के दामाद या भांजे आदि का जोर से नामोल्लेख होते ही संबंधितों के उपस्थित होने पर ये वस्तुएँ उन्हें ऐसे दी जाती हैं जैसे कोई पुरस्कार दिये जा रहे हों। दूसरी ओर महिलाओं के समूह में प्लेट, ब्लाउज पीस आदि का वितरण भी इसी पद्धति से जारी रहता है। अनुपस्थितों के लिये ये सामग्री अन्य किसी को पहुँचाने हेतु भी सौंपी जाती हैं। यह सब एक दिखावा, एक आडंबर सा लगता है।

शास्त्रोक्त विधान से भी परे

उत्तर क्रिया के अंतर्गत ग्राम/जाति भोज देना सामान्य बात हो गई है। इस संबंध में शास्त्रोक्त विधान या सीमा के बाहर जाकर कार्यक्रम करने के विरुद्ध हमारे समाजसेवी प्रयास कर रहे हैं। परंतु परिणाम नगण्य हैं। ब्रह्मभोज/मंगल श्राद्ध के नाम पर आयोजित भोजन व्यवस्था अब एक प्रकार से स्वरुचि भोज का रूप लेने लगी है। ऐसे अधिकांश अवसरों पर लेन (स्मृति पात्र) का वितरण भी मात्र प्रदर्शन होकर रह गया है। अनेक मिष्ठानों, व्यंजनों को देखकर नहीं लगता कि इससे गतात्मा संतुष्ट होती होगी? ऐसे आडम्बरयुक्त प्रदर्शनों के कारण आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्ति भी अपनी हैसियत के बाहर जाकर ऐसी व्यवस्था जुटाने का येन केन प्रकारेण प्रयास करता है। मृत्यु अटल है। शरीरांत होने पर अंत्येष्टि संस्कार उपरांत आत्मशांति के निमित्त आगामी यात्रा को शुभ और सुगम बनाने के प्रयोजन से बारह दिन तक क्रिया कर्म होता है। संतृप्त परिवार के मामा/ससुराल पक्ष की ओर से पगड़ी धारण करवाई जाती है। उत्तराधिकारी को अंत्येष्टि के समस्त संस्कार श्रद्धापूर्वक करने चाहिए। वस्तुतः यह अवसर शोकाकुल परिवार को दुखद परिस्थिति का सामना करने हेतु सांत्वना देने हुए संवेदना व्यक्त करने का ही होता है।

समाज सुधार भी बना सिर्फ दिखावा

उत्तर कर्म हेतु आजकल जो सचित्र शोक-पत्र मुद्रित कराए जाते हैं, उनमें मंगल श्राद्ध के एक दिवस पूर्व मेहमान आगमन तथा नीचे यह टिप्पणी अंकित होती है "पगड़ी केवल मामा पक्ष की मान्य/कपड़ा नाड़ा-प्लेट प्रथा बंद" परंतु ऐसा होता नहीं है। यह सूचना मात्र औपचारिकतावश ही होती है, क्योंकि अधिकांश स्थानों पर इनका पालन अंशतः ही हो पाता है। उपरोक्त परिदृश्य प्रस्तुत करने के पीछे मेरा मंतव्य हमारी परंपराओं व रीति-रिवाजों का विरोध करने का कदापि नहीं है। तथापि मेरा साग्रह निवेदन है कि ऐसे संवदेनशील अवसर पर संस्कारों के नाम पर जो भी आयोजन हों उसके पीछे कोई तार्किक अवधारणा या सोच तथा शास्त्रोक्त अंतर्निहित मूल भावना का ध्यान अवश्य रखा जाना चाहिए। तीसरे दिन अस्थि संचय करने के उपरांत 'इसके आगे मृतक के लिए भी कर्म-कर्तव्य नहीं है। "भस्मांत शरीरम्" यजुर्वेद के मंत्र के प्रमाण से स्पष्ट है कि दाहकर्म और अस्थि संचयन से पृथक् मृतक के प्रति दूसरा कोई भी कर्तव्य नहीं है।

जनसेवा से बड़ा पुण्य नहीं

वास्तव में देखा जाए तो ऐसे अवसर पर शास्त्रोक विधानानुसार, वेद विद्या, वेदोक्त धर्म का प्रचार आदि कार्य जनहित में किये जाने चाहिये। इसके अंतर्गत व्यक्ति अपने जीवनकाल में भी जनहित के ऐसे कार्यों को प्रारंभ कर सकता है, जिनसे जरूरतमंदों की सेवा तो होती ही है, वे स्वयं की कीर्ति को भी अक्षुण्य रखते हैं। यदि ऐसा संभव न हो तो उनके रिश्तेदार भी ऐसा कर सकते हैं। इसके अंतर्गत यदि ऐसे स्कूल प्रारंभ करवाएं जाएं जो गरीब व जरूरतमंदों को शिक्षा प्रदान करें, प्यासों को पानी पिलाने के लिए प्याऊ की स्थापना की जाएं या गौरक्षा के लिये गौशाला आदि का संचालन किया जाए तो निश्चय ही ये मृतात्मा की आत्मा को इस "दिखावे" से अधिक शांति प्रदान करेंगे।

आपणी बोली

- स्वाति जैसलमेरिया, जोधपुर

प्रेम करणो भी गुनाह

खम्मा घणी सा हुक्म आपने थोड़ा दिन पेला रो किस्सों सुणाऊँ म्हारे पड़ोस शर्माजी रह्वे दुःखी चेहरों लेने म्हारे घरे आय बोलिया- एक दुविधा में आ ग्यो हूँ। म्हे बोली- कांई हो ग्यो। शर्माजी बोलिया- कांई बताऊँ बेटे ने प्रेम हो ग्यो है और बिरादरी में शादी करण सुं इंकार करे बस आपरे प्रेम-प्रेम री रट लगाये है। म्हे बोली-या तो अच्छी बात है कि आपरे बेटे ने प्रेम हो ग्यो है आज रे युग में प्रेम ही है, जो इंसान ने नहीं मिले। प्रेम तो जीवन है। प्रेम में रस है। प्रेम में अमृत है। ईश्वर सुं भक्ति रो मार्ग भी प्रेम ही है। म्हारी बात सुण शर्माजी आग बबूला हूँ ग्या, बोलिया- स्वातिजी आप लिखण में माहिर हो तो म्हे सोच्यो आप समझदार हुवोला पर आप तो उल्टी बातां करने ने छोरे ने और बिगाड़ रिया हो। म्हे बोली- शर्माजी यान की कौनसी बात कह दी? आप ही बताओ प्रेम करणो तो अच्छी बात है। वे बोलिया- प्रेम ही तो झगड़े री जड़ है, क्योंकि प्रेम ही जीवन में मुसीबता पैदा करे। विवाह री बात तो समझ में आवे जिको रास्तो साफ़ सुथरो है पर प्रेम एक तरह रो उपद्रव है, एक खाई है जिको एक बार इण प्रेम खाई में गिरे तो चकनाचूर हूँ जावे।

म्हे बोली- शर्माजी आप सही फ़रमा रिया हो। प्रेम व्यक्तिगत है विवाह सामाजिक। प्रेम री दुनिया में कोई कानून री किताब नहीं चले। पर शादी एक क़ानूनी कैद री तरह है जिन्हें तोड़ दियो तो वकील, अदालत, गवाह, शादी में शरीक सब परिवारजन, मित्र, पंडित, हलवाई, बैंडबाजा, ढोल वाला, पानवाला और भी न जाणे बहुत... जीनो जिंदगी में दोबारा देखण को भी काम नहीं पड़े। पर पति- पत्नी में अगर शादी रे बाद प्रेम नहीं हूँ पावे तो इनमे सुं एक भी प्रेम नहीं करा सके और लड़-लड़ ने या तो जीवन काटे या तलाक रा किस्सा सामने आवे। पर जो प्रेम आपरो बेटों कियो जिनमें सिर्फ दो जन हुवे। सॉरी दो भी नहीं एक-कबीर बहुत खूब कयो है की 'प्रेम गली अति सांकरी जामे दो न समाय। क्योंकि प्रेम में 'दो' दो नहीं रह्वे। प्रेम में सिर्फ बच्चा पड़ सके बुढ़ा नहीं क्योंकि बुढ़ा व्यक्ति अनुभवी हूँ जावे और अनुभव आते ही अहंकार आ जावे और अहंकारी ने कदैई प्रेम नहीं हुवे। शर्माजी अगर आपरो बेटे सच में किनहुँ प्रेम कियो है तो म्हे सलाम करूँ क्योंकि प्रेम रो सूत्र ही यो है- डुबणो, मिटनो, पिघलनो और अपने आपने खोदेणे ।

- जुगलकिशोर सोमानी, जयपुर

राजिया रा दूहा

राजिया रा दुहा ..... प्रसिद्ध राजस्थानी कवि स्व. किरपा रामजी खिडिया की रचना ....

ऊंचै गिरवर आग जलती सौ देखे जगत;
पण जलती निजपाग रत्ती न सूझै, राजिया ....

अर्थ : ऊंचे पहाड़ पर लगी आग सबको दिखती है परन्तु अपनी स्वयं के पगड़ी में लगी आग दिखाई नहीं देती .....

आज के सन्दर्भ में : एक-दूसरे पर कीचड़ उछालने में लगे है - आज के राजनीतिज्ञ जबकि स्वयं पर लगा कीचड़ दीखता ही नहीं है !

ओगणगारा और दुखदायी सारी दुनिया;
चोदु चाकर चोर रांधे छाती, राजिया ....

अर्थ : बिना गुण वाले भीरु सेवक, चोर आदि पूरी दुनिया में अहित ही करने वाले होते हैं ....

आज के सन्दर्भ में : बिना गुण के कोई भी नीति सफल नहीं हो सकती, राजनीति भी नहीं .

कहणी जाय निकाम आछोड़ी आणी उकत;
दामां लोभी दाम रंजे न बातां , राजिया .....

अर्थ : जो दमड़ी का लोभी होता है, उसे अन्य किसी बात में रस नहीं आता है, कितना ही समझाओ - सब व्यर्थ जाता है , बस सिर्फ दाम ही दाम ....

आज के सन्दर्भ में : जिन लोगों के मुंह काली कमाई का चस्का लग गया है उन्हें तो बस पैसे बनाने में ही 'आनंद' आता है - चाहे जितना समझा दो ... कड़े क़ानून का चाबुक ही ऐसे लोगों का इलाज है.

काज सरै न कोय बल प्राक्रम हिम्मत बिना;
हळ कार्यां के होय रंग्या स्याळ, राजिया .....

अर्थ : रंगे हुए सियार से किसी तरह की उम्मीद करना व्यर्थ है. बल, पराक्रम और हिम्मत के बिना किसी भी कार्य में सफलता नहीं मिल सकती.

आज के सन्दर्भ में : वर्तमान राजनीति परिपेक्ष्य तो अत्यंत निश्तेज, धुमिल, गवारा हो चुका है . देशभक्तों के जोश से ही पुनः इस क्षेत्र में रक्त संचार हो सकता है - इतिहास उठा कर पढ़ लें.

खुश रहें... खुश रखें...

बिना शीलवान बने ... गृहस्थी में प्रवेश नहीं करें

■ पं. विजयशंकर मेहता
(जीवन प्रबन्धन गुरु)

सुगंध के प्रति सबका आकर्षण होता है, फिर मनुष्य जीवन तो अपने आप में एक महक है। उसमें दुर्गंध के झौंके तो बाद में हम प्रवेश कराते हैं। गौतम बुद्ध कह गए हैं कि संसार की सारी सुगंधों में श्रेष्ठ है, शील की सुगंध। यह तब ही होगी जब हम शीलवान होंगे। चरित्रवान और शीलवान होने में फर्क है।

शंकरजी के जीवन के एक प्रसंग में प्रवेश करें तो बात सरलता से समझ में आएगी। पार्वतीजी से विवाह करने हेतु शंकरजी दूल्हा बने और बारात जाने के लिए तैयार थी। दृश्य विचित्र था। भूत-प्रेत, विचित्र आकृतियों के गण बाराती के रूप में थे। इस दृश्य को देख देवताओं की पत्नियों ने व्यंग्य कस दिया था। ताने से गुजरने के बाद शिवजी पार्वती के पिता हिमालय के द्वार पर खड़े थे। पार्वतीजी की माँ मैना ने दूल्हे को देख दुःख और कोप प्रकट कर शिवजी का घोर अपमान कर डाला। "जो पलुचहिअ सुरतरुहिं, सो बरबस बबूरहिं लागा।" जो फल कल्पवृक्ष में लगना चाहिए, वह जबर्दस्ती बबूल में लग रहा है। यानी पार्वतीजी के योग्य शंकरजी नहीं हैं। मैना के इस रोष और उपहास भरी टिप्पणी के बाद भी दूल्हा बने शिव प्रसन्नता और विनम्रता नहीं छोड़ते हैं। यहीं से शिव के शील के दर्शन होते हैं। धैर्य और निरहंकारिता शील के आभूषण हैं। ऐसी स्थिति कभी-कभी हमारी गृहस्थी में भी बन जाती है।

ध्यान रखें चरित्र हमारे द्वारा खोदे गए कूप के जल के समान है और शील ईश्वर द्वारा उतारी गई गंगा है। शंकरजी ने अपने दांपत्य के आरंभ के दृश्य में यह संकेत दे दिया कि बिना शीलवान बने यदि गृहस्थी में प्रवेश करोगे, तो अशांति की संभावना बनाओगे।

श्री द्वारिकाधीश विजयते

भगवान श्रीकृष्ण की कर्मभूमि

द्वारकाधाम

में 'श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट' द्वारा संचालित
अत्याधुनिक सुविधायुक्त एकमात्र माहेश्वरी अतिथि गृह

माहेश्वरी सेवा कुंज

21, द्वारकेश पार्क सोसायटी (अम्बुजा प्लाट), नागेश्वर रोड, देवभूमि द्वारका-361335 (गुजरात),
दूरभाष- 02892-235553 / 235554, मो. 097271-22111
E-mail : maheshwarisewakunj@gmail.com

आप अपना आरक्षण ई–मेल अथवा फोन से करवा सकते हैं

उपलब्ध सुविधायें

- ए.सी. व टी.वी. से सुसज्जित 47 डबल बैडरूम (अटैच्ड लैट, बॉथ)।
- 4 फैमिली ए.सी. हॉल (6 व्यक्तियों की क्षमता वाले)।
- अत्याधुनिक किचन के साथ वातानुकुलित भोजनशाला।
- वाई–फाई सुविधा से युक्त पूरा भवन
- विभिन्न मंजिलों पर जाने के लिये दो लिफ्ट की सुविधा।
- स्वच्छ आर ओ पेयजल की सुविधा
- भव्य एयरकंडीशन सत्संग हॉल।
- कार पार्किंग की सुरक्षित व्यवस्था।

श्यामसुंदर कासट (अध्यक्ष)
मो.- 098315-55555

रामस्वरूप जैथलिया (महामंत्री)
मो.- 096490-79999

विनोद कुमार बांगड (कोषाध्यक्ष)
मो. 094142-12835

मध्यप्रदेश
को
सर्वश्रेष्ठ पर्यटन राज्य
का
राष्ट्रीय अवार्ड
The heart of Incredible India
श्री नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री
श्री शिवराज सिंह चौहान, मुख्यमंत्री
पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा
मध्यप्रदेश पर्यटन को 5 प्रतिष्ठित अवार्ड से नवाजा गया
प्रतिष्ठित सर्वश्रेष्ठ राज्य का राष्ट्रीय अवार्ड
1 सर्वश्रेष्ठ टूरिज्म स्टेट का राष्ट्रीय अवार्ड।
2 भोपाल को श्रेष्ठ विरासत की सैर (हैरिटेज टूर) विकसित करने के लिये संयुक्त रूप से अवार्ड।
3 मोस्ट इनोवेटिव, यूनिक टूरिज्म प्रोजेक्ट की श्रेणी में आर्ट इचॉल मैहर को संयुक्त रूप से अवार्ड।
4 दिव्यांगों के लिये अनुकूल श्रेष्ठ स्मारक के रूप में अमरकंटक (मध्यप्रदेश) को अवार्ड।
5 बेस्ट टूरिस्ट गाइड का अवार्ड खजुराहो के श्री जीवन ज्योति पटेरिया को।
✓ पिछले साल 6 राष्ट्रीय अवार्ड
✓ इसके पूर्व 3 राष्ट्रीय अवार्ड
NAL TOURISM AWAR
- 15
Heritage
Wildlife
Pilgrimage
Leisure
Tourist Helpline No. 18002337777
https://www.mptourism.com
https://www.facebook.com/MPTourism
https://twitter.com/MPTourism
https://www.youtube.com/user/mptourism
https://in.pinterest.com/MpTourismDotCom
https://www.instagram.com/mptourism/
D-79614

राशिफल

श्री ॐ गं गणपतये नमः

संकेत सितारों के

पं. विनोद रावल
(ज्योतिर्विद)
फोन : 0734-2515326

मेष- यह माह आपके लिये लाभदायक रहेगा। शुभ समाचार मिलेंगे, प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। वाहन सुख, मकान सुख, प्राप्त होगा। संतान के कार्यों से प्रसन्नता, खुशी मिलेगी। रुका हुआ पैसा प्राप्त होगा। अधिकारियों से सहयोग मिलेगा। नये कार्य की रूपरेखा बनाएंगे, यात्रा होगी। शत्रु से सावधानी रखें, सोचे कार्य पूर्ण होंगे। राजकीय कार्य से लाभ मिलेगा। जीवन साथी से सहयोग और स्नेह बढ़ेगा, किंतु स्वास्थ्य नरम-गरम बना रहेगा।

वृषभ- यह माह आपके लिये खुशनुमा रहेगा, यात्रा होगी। मन प्रसन्न होगा। पारिवारिक सुख प्राप्त होगा। भौतिक सुख-सुविधा, शुभ कार्यों में खर्च करेंगे। मान-सम्मान एवं प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। संतान के रुके कार्य पूरे होंगे। मित्रों का पूरा सहयोग प्राप्त होगा, जीवन साथी से मधुर संबंध रहेंगे। व्यापार में लाभ होगा। भूमि-सम्पत्ति के विवाद दूर होंगे। विद्यार्थी वर्ग को भी सफलता मिलेगी। पुराने मित्र से भेंट होगी। स्वास्थ्य पर भी ध्यान देवें।

मिथनु- यह माह आपके लिये सामान्य व्यतीत होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे, संतान से परेशानी बनी रहेगी। खर्च की अधिकता रहेगी। जीवन साथी का पूरा सहयोग मिलेगा। राज्य से लाभ एवं मान-सम्मान मिलेगा, अधिक परिश्रम के उपरांत सफलता मिलेगी। रुका हुआ धन मिलेगा। माता-पिता का आशीर्वाद प्राप्त होगा। सुख-समृद्धि में वृद्धि होगी। वाहन बदलेंगे, शत्रु से परेशानी उठाना पड़ेगी। भाग्य और उन्नति की ओर अग्रसर होंगे।

कर्क- यह माह आपके लिये मिश्रित फलदायक रहेगा। नौकरी में उन्नति होगी। मन प्रसन्न बना रहेगा। प्रतियोगी परीक्षा में सफलता के साथ-साथ सम्मान मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। न्यायालीन प्रकरण से भी परेशानी उठना पड़ेगी। अचानक यात्रा होगी। पिता से वैचारिक मतांतर होगें किंतु पारिवारिक सहयोग पूरा मिलेगा। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा। सुख-समृद्धि में वृद्धि होगी। संतान की ओर से खुशी मिलेगी। जीवन साथी की चिंता बनी रहेगी। बड़ों का आशीर्वाद प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग को शिक्षा के क्षेत्र में परेशानी उठाना पड़ेगी।

सिंह- इस माह आपको कार्यों में सफलता मिलेगी। मनोरंजन आदि में समय व्यतीत करेंगे। नौकरी में पदोन्नति मिलेगी, यात्रा होगी। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता, राजकीय कार्यों में लाभ मिलेगा। जीवन साथी के कार्यों से मन प्रसन्न होगा। संतान की सफलता से खुशी मिलेगी। शत्रु परास्त होंगे। नये संपर्क का लाभ मिलेगा। खर्च अधिक होगा। धार्मिक एवं सामाजिक उत्सवों में बढ़-चढ़कर भाग लेंगे। भाई परिवारजनों से विवाद बना रहेगा। दाम्पत्य सुख प्राप्त होगा। व्यर्थ की भाग दौड़ बनी रहेगी।

कन्या- इस माह आपकी व्यस्तता अधिक बनी रहेगी। रचनात्मक कार्य में रुचि बढ़ेगी। धन लाभ होगा। धार्मिक कार्यों में मन लगेगा। तीर्थ यात्रा के सुअवसर प्राप्त होंगे। शिक्षा के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। सुख साधनों में वृद्धि व उन्नति के नये अवसर प्राप्त होंगे। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। समाज में मान-सम्मान एवं प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। सेहत के कारण परेशानी बनी रहेगी। जीवन साथी की चिंता बनी रहेगी। अधिकारी वर्ग सहायक रहेंगे।

तुला- यह माह आपको कार्यों में सफलता मिलेगी। नौकरी में पद व अधिकार बढ़ेंगे। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। यश-मान, सम्मान प्राप्त होगा। रचनात्मक कार्य करेंगे। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परीक्षा में सफलता मिलेगी। परिवार के सहयोग से रुके कार्य बन जाएंगे। तीर्थ यात्रा होगी। खर्च अधिक होगा। चोट लगने का भय रहेगा। दूसरों पर विश्व न करें धोखा मिलेगा। पेत्रक सम्पत्ति का विवाद बना रहेगा। शत्रु परास्त होंगे। जीवन साथी से वैचारिक मतांतर रहेंगे। स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

वृश्चिक- यह माह आपको मिश्रित फलदायक रहेगा। साझेदारी से लाभ होगा। परिवार में शुभ कार्य से खुशी मिलेगी। भौतिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। संतान की खुशी किलेगी। जीवन में नया उत्साह बनेगा। मित्रों से लाभ होगा, नया वाहन खरीदेंगे। अधिकारी वर्ग से सहयोग। शिक्षा में मन नहीं लगेगा। आलस्य से दूरी बनाये। जीवन साथी से वैचारिक अनबन रहेगी। पहाड़ी स्थान की यात्रा होगी। राजकीय कार्यों से परेशानी उठना पड़ेगी। अकेलापन महसूस करेंगे।

धनु- इस माह आपको आर्थिक लाभ होगा। व्यापार में वृद्धि होगी। न्यायालयीन प्रकरण में सफलता मिलेगी। मनोरंजन सुख-सुविधा पर खर्च करेंगे। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। मित्रों से सहयोग मिलेगा। माता एवं जीवन साथी के स्वास्थ्य की चिंता बनी रहेगी। शुभ समाचार मिलेगा। दाम्पत्य सुख प्राप्त होगा। राजकीय पक्ष की अनुकूलता बनी रहेगी। विरोधी परास्त होंगे। क्रोध से बचें, बुजुर्गों का आशीर्वाद प्राप्त होगा।

मकर- इस माह आपके लिये अनुकूल रहेगा। पदोन्नति प्राप्त होगी। पिता से लाभ, भौतिक सुख साधन प्राप्त होंगे। लंबी यात्रा होगी। रुका धन मिलेगा। स्थान परिवर्तन से मन दुखी होगा। मेहमान आने से प्रसन्नता का वातावरण बना रहेगा। संतान की उन्नति से मन प्रसन्न होगा। जीवन साथी का पूरा सहयोग प्राप्त होगा। जोड़ों के दर्द से परेशानी होगी सकती है। दो नंबर के कार्यों से दूर रहें नहीं तो हानि उठना पड़ सकती है।

कुंभ- इस माह आपको शुभ समाचार मिलेगा। मन प्रसन्न रहेगा। सारे मनोरथ पूर्ण होंगे। व्यापार में वृद्धि होगी। पारिवारिक सुख मिलेगा। उच्च अधिकारी प्रसन्न होंगे। रुके कार्य पूर्ण होंगे। सरकारी कार्य में सफलता मिलेगी। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। संतान की ओर से परेशानी एवं चिंता बनी रहेगी। अपनो से धोखा मिलेगा। जीवन साथी से विवाद बना रहेगा। चोट आदि का भय एवं माता को कष्ट से परेशानी रहेगी। यात्रा से लाभ मिलेगा। विरोधी से सतर्क रहें। अस्वस्थता बनी रहेगी।

मीन- इस माह आपकी अधिक भागदौड़ बनी रहेगी। व्यापार में वृद्धि, भौतिक सुख-सुविधा एवं उन्नति के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन, मकान आदि क्रय करेंगे। प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलेगी। संतान की ओर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। नये संबंधों का लाभ मिलेगा। जीवन साथी से मनमुटाव बना रहेगा। माता के स्वास्थ्य की चिंता बनी रहेगी। अपनों के सहयोग से समस्याएं शीघ्र सुलझ जाएंगी। स्वास्थ्य में अनुकूल रहेगी।

श्रीमती ताराबाई राठी

इंदौर. समाज की वरिष्ठ सदस्या श्रीमती ताराबाई धर्मपत्नी स्व. श्री रतनलाल राठी का 78 वर्ष की अवस्था में गत दिनों देहावसान हो गया है। आप अपने पीछे पुत्र बृजमोहन, सत्यनारायण, सर्वेश्वर द्वारकादास तथा पुत्री आलीराजपुर निवासी चंद्रकांता-राधेश्याम सोमानी व पौत्र-पौत्री, नाती आदि सें भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं। आपके पुत्र ख्यात समाजसेवी सत्यनारायण राठी आदित्य विक्रम बिड़ला व्यापार सहयोग केंद्र सहित कई समाजसेवी संस्थाओं में अपनी सेवा दे रहे हैं।

श्री गिरिराज मूंदड़ा

वरंगल. समाज के कर्मठ युवा सदस्य श्री गिरिराज मूंदड़ा का असामयिक निधन गत 4 जुलाई को हो गया है। आप श्रीराम गौशाला के मुख्य कार्यकर्ता में से एक थे। माहेश्वरी समाज वरंगल ने उनको अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्री अनिल राठी

नागदा. श्री माहेश्वरी युवा संगठन के कोषाध्यक्ष अनिल राठी बंटी का गत 7 अगस्त को 34 वर्ष की अल्पायु में असामयिक निधन हो गया। आप समाज की वरिष्ठ मुरलीधर राठी के पुत्र और घनश्याम राठी व अजय राठी के भतीजे थे।

श्रीमती पुष्पादेवी काकट

अमरावती. शहर के प्रतिष्ठित नागरिक वासुदेव काकट की धर्मपत्नी एवं सीमा-ब्रजेश काकट की माता श्रीमती पुष्पादेवी काकट का निधन गत 19 जून को हो गया। आप अपने पीछे भरापूरा शोकाकुल परिवार छोड़ गई हैं।

रामप्रकाश मोहता

भिलाई। वरिष्ठ समाजसेवी रामप्रकाश माहेश्वरी (मोहता) का 69 वर्ष की आयु में गत दिनों निधन हो गया। आप श्याम-प्रकाश एवं जयप्रकाश माहेश्वरी के ज्येष्ठ भ्राता एवं साहिल एवं साकेत मोहता के ताऊ थे। आप अ.भा. माहेश्वरी महासभा के पूर्व कार्यकारी मंडल सदस्य एवं महेश एज्युकेशनल एचं चेरिटेबल ट्रस्ट भिलाई के संस्थापक ट्रस्टी एवं कोषाध्यक्ष थे।

श्रीमती सरस्वती देवी भूतड़ा

कन्नौद. वयोवृद्ध भाजपा नेता भागीरथ भूतड़ा की धर्मपत्नी तथा प्रेमनारायण व ओमनारायण भूतड़ा की माता श्रीमती सरस्वती देवी भूतड़ा का निधन गत दिनों हो गया। अंतिम संस्कार में उपस्थित होकर कई गणमान्य लोगों ने उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए।

श्रीमती सीतादेवी टावरी

दुर्ग। श्री माहेश्वरी पंचायत दुर्ग के वरिष्ठ सदस्य फत्तेलाल टावरी की धर्मपत्नी श्रीमती सीतादेवी टावरी का गत 22 जुलाई को पुणे (महाराष्ट्र) में निधन हो गया। आप अपने पीछे 7 पुत्रों का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं। श्री माहेश्वरी पंचायत दुर्ग ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित दी।

श्रीमती रामकन्याबाई परवाल

रतलाम। स्व. श्री रामचंद्र परवाल की धर्मपत्नी श्रीमती रामकन्याबाई परवाल का गत दिनों निधन हो गया। ऋतेष की माता व बसंतीलाल परवाल की भाभी अपने पीछे भरापूरा शोकाकुल परिवार छोड़ गई हैं।

श्री गौरीशंकर बाहेती

मदनगंजकिशनगढ़. माहेश्वरी पंचायत संस्था के पूर्व मंत्री नटवरलाल बाहेती के पिता व माहेश्वरी महिला मंडल की पूर्व अध्यक्ष पुष्पा बाहेती के ससुर श्री गौरीशंकर बाहेती का 90 वर्ष की आयु में गत 22 जुलाई को देहावसान हो गया है।

श्री जानकीलाल ईनाणी

वड़ोदरा. माहेश्वरी समाज चौखंडी के संस्थापक सदस्य एवं माहेश्वरी समाज वड़ोदरा के भामाशाह सेठ श्री जानकीलाल ईनाणी चराणा वालों का गत दिनों देहावसान हो गया है। आप अपने पीछे शोकाकुल भरापूरा परिवार छोड़ गये हैं।

श्रीमती सरस्वती देवी भट्टड़

खामगॉव। प्रतिष्ठित फर्नीचर व्यवसायी राधेश्याम भट्टड़ की माता श्रीमती सरस्वती देवी माणिकलाल भट्ट का 90 वर्ष की अवस्था में निधन हो गया। आप अपने पीछे चार पुत्र व तीन पुत्रियों का भरापूरा शोकाकुल परिवार छोड़ गई हैं।

श्री मिश्रीलाल भंडारी

हैदराबाद। समाज सदस्य श्री मिश्रीलाल भंडारी का स्वर्गवास 86 वर्ष की अवस्था में गत दिनों हो गया। आप भाग्यनगर गणेश उत्सव समिति के कर्मठ कार्यकर्ता व भागवत प्रेमी थे। आप अपने पीछे भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

श्री रामप्रसाद बाहेती

उदयपुर. शिक्षाविद् श्री रामप्रसाद बाहेती का निधन गत 27 जुलाई को हो गया। स्वर्गीय श्री बाहेती शिक्षा एवं आध्यात्म क्षेत्र में लेखन के लिए ख्यात थे। आपकी अनेक पुस्तकें समाज का मार्गदर्शन कर रही हैं। आप अपने पीछे धर्मपत्नी, दो पुत्र सहित भरापूरा शोकाकुल परिवार छोड़ गए हैं।

हार्दिक अभिनन्दन एवं शुभकामनाएँ

पद्मश्री बंशीलाल राठी

पूर्व सभापति
अखिल भारतवर्षीय महासभा

GBR Metals Private Ltd.

Manufacturers of M.S. Ingots & TMT Bars

Regd. Office-
#4, Ramanan Road, Chennai - 600 079
Ph. : 25292644, 25292151,
Fax : 2591095
E-mail : myco@eth.net

Factory-
#295, G.N.T. Road, Peravallur Village,
Ponneri - 601204 (T.N.)
Ph. : 27984719, 27984729,
Fax : 27984729

ADITYA BIRLA CANCER WING

INDIA'S MOST ADVANCED CANCER TREATMENT FACILITY

DIAGNOSTICS & TREATMENTS

- PET SCAN
- GAMMA CAMERA
- MAMMOGRAPHY
- RADIATION THERAPY (ELEKTA - VERSA HD)
- IODINE THERAPY I ^{131}
- BRACHYTHERAPY
- CHEMOTHERAPY
- ONCO SURGERY

ADITYA BIRLA MEMORIAL HOSPITAL
HOPE ◆ HEAL ◆ HEALTH ◆ HAPPINESS

ADITYA BIRLA MEMORIAL HOSPITAL, PUNE
Aditya Birla Hospital Marg, Chinchwad, Pune - 411033.
Helpline : 020 4070 7500 / 7501 / 7502 / Mob : 9881123009
Email : healthcare@adityabirla.com I Website : www.adityabirlahospital.com

RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2013-2016
Despatch Date - 02 September, 2016

If Undelivered Please Return To
SRI MAHESHWARI TIMES
90, Vidya Nagar (Behind Tedi Khajur Dargah),
Sanwer Road, UJJAIN (M.P.) - 456010
Ph. 0734-2526561, 2526761, Mo. : 94250 91161
E-mail : smt4news@gmail.com

FREE REGISTRATION AT www.srimaheshwarimelapak.com